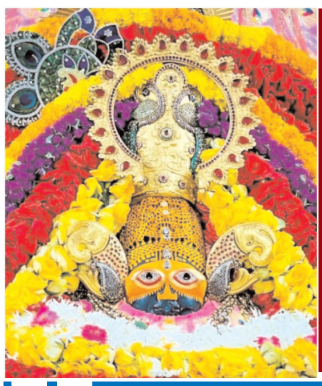

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें

सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक:04। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 30 अगस्त 2026 (रविवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

चित्रकूट में गोरगी बांध टूटा

मंदाकिनी 30 फीट उफनी, रामघाट का 300 मीटर लंबा पुल बहा

सतना में रेलवे ट्रैक डूबे

एजेंसी

चित्रकूट । मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के सीमावर्ती इलाकों में लगातार हो रही भारी बारिश ने हालात बिगाड़ दिए हैं। नदियां और नाले उफान पर हैं और कई इलाकों का संपर्क मुख्य मार्गों से टूट गया है। चित्रकूट में स्थिति सबसे ज्यादा गंभीर बताई जा रही है। मंदाकिनी नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने के बाद रामघाट समेत आसपास के इलाकों में बाढ़ का पानी पहुंच गया है। वहीं गोरगी बांध के टूटने की सूचना के बाद प्रशासन और राहत-बचाव दलों की सक्रियता बढ़ गई है।

मंदाकिनी का रौद्र रूप, रामघाट में मची अफरा-तफरी

चित्रकूट में मंदाकिनी नदी के जलस्तर में अचानक तेज बढ़ोतरी से रामघाट क्षेत्र में बाढ़ जैसे हालात बन गए। नदी करीब 30 फीट उफान पर होने की बात सामने आ रही है। पानी तेजी से निचले इलाकों में पहुंचा, जिससे घाट और आसपास के क्षेत्र प्रभावित हुए रामघाट का करीब 300 मीटर लंबा पुल बाढ़ के तेज बहाव की चपेट में आने से

बहने की सूचना है। पुल के क्षतिग्रस्त होने से आवागमन प्रभावित हुआ है और दोनों ओर से आने-जाने वाले लोगों के सामने बड़ी परेशानी खड़ी हो गई है।

भरत घाट में दो मंजिला मकान पानी में डूबा- बाढ़ का पानी भरत घाट क्षेत्र में भी पहुंच गया। यहां एक दो मंजिला मकान पानी में डूबने की स्थिति में पहुंच गया। बताया जा रहा है कि मकान में मौजूद परिवार बाहर निकलने की कोशिश में फंस गया और बाद में नाव के जरिए सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने की कवायद की गई बाढ़ की गंभीरता को देखते हुए निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की जा रही है।

सतना में रेलवे ट्रैक पर पानी, पैसेंजर ट्रेन रोकी गई

चित्रकूट के साथ सतना जिले में भी लगातार बारिश का असर दिखाई दे रहा है। कई निचले इलाकों में पानी भर गया है। रेलवे ट्रैक पर पानी आ जाने से रेल यातायात भी प्रभावित हुआ है रेलवे ट्रैक में पानी भरने के बाद एक पैसेंजर ट्रेन को रोकना पड़ा। रेलवे अधिकारियों द्वारा ट्रैक की स्थिति पर नजर रखी जा रही है। जलस्तर सामान्य होने तक ट्रेनों की आवाजाही को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है।

ममता बनर्जी की बढ़ी मुश्किलें

पूर्व सीएम पर हाईकोर्ट के आदेश के उल्लंघन का आरोप

पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

एजेंसी

वाराणसी। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी पार्टी के छात्र संगठन तृणमूल छात्र परिषद के आयोजकों के खिलाफ हेस्टिंग्स थाने में मामला दर्ज किया गया है। यह मामला 28 अगस्त को संगठन के स्थापना दिवस कार्यक्रम के दौरान कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश के कथित उल्लंघन को लेकर दर्ज किया गया है।

शिकायत के अनुसार, कार्यक्रम में शामिल समर्थकों ने कथित तौर पर बैरिकेड हटा दिए और पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की की। इसके अलावा कैथेड्रल रोड पर यातायात भी बाधित हुआ। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि कार्यक्रम अदालत की ओर से तय समय सीमा खत्म होने के बाद भी जारी रहा। मामला भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 61(2), 223, 125(ए), 132 और 285 के तहत दर्ज किया गया है।

तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी ने 28 अगस्त को अपने समर्थकों से राजनीतिक दबाव के आगे नहीं झुकने और भाजपा में शामिल नहीं होने की अपील की। उन्होंने अपनी पार्टी की छात्र इकाई तृणमूल कांग्रेस छात्र परिषद के स्थापना दिवस कार्यक्रम में कहा था कि उनकी पार्टी जल्द ही सत्ता में वापस आएगी और एक नया राजनीतिक इतिहास लिखेगी।

ममता बनर्जी ने कहा, 'मैं अपने साथियों से कहती हूं कि मजबूत और निडर बने रहें। जरूरत पड़े तो एक महीने तक जेल का खाना खाएं, लेकिन

> पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि राज्य के सभी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में जल्द ही छात्र संघ चुनाव कराए जाएंगे। विपक्ष और अन्य वर्गों की ओर से लंबे समय से छात्र संघ चुनाव कराने की मांग की जा रही है।

राजनीतिक रूप से आत्मसमर्पण न करें।' उन्होंने पार्टी के युवा समर्थकों से कहा कि तृणमूल कांग्रेस ही उनके लिए एकमात्र सहारा है। उन्होंने कहा कि युवाओं और महिलाओं को इस लड़ाई को आगे बढ़ाना चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके जैसे लोग, जो छात्र राजनीति से उठकर सत्ता तक पहुंचे हैं, उन्हें डराया नहीं जा सकता।

पुंछ के श्री दशनामी अखाड़ा मंदिर पहुंची छड़ी, श्री बूढ़ा अमरनाथ यात्रा सम्पन्न

एजेंसी

पुंछ। श्री बूढ़ा अमरनाथ मंदिर में तीन दिन पूर्व स्थापित भगवान शिव और देवी पार्वती का प्रतीक पवित्र चांदी की छड़ी राजगुरु महामंडलेश्वर स्वामी विश्वात्मा नंद सरस्वती की अगुवाई में ढोल बाजे के साथ कड़ी सुरक्षा के बीच पुंछ के श्री दशनामी अखाड़ा मंदिर पहुंची। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों, प्रशासनिक पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में पुलिस की तरफ से सलामी व विधिवत पूजन के बाद अगले वर्ष तक मंदिर में स्थापित किए जाने के साथ ही श्री बूढ़ा अमरनाथ यात्रा सम्पन्न हो गई। परम्परा के अनुसार श्रावण मास में विश्वभर के सभी शिव मंदिरों के साथ श्री बूढ़ा अमरनाथ मंदिर में भी भगवान शिव की विशेष पूजा अर्चना की जाती है जिस दौरान देशभर से हजारों यात्री श्री बूढ़ा अमरनाथ मंदिर में दर्शन पूजन के लिए आते हैं। उसके साथ ही रक्षाबंधन से दो दिन पहले पुंछ के दशनामी अखाड़ा मंदिर से श्री बूढ़ा अमरनाथ के लिए छड़ी यात्रा निकाली जाती है ।

पटना में गंगा का जलस्तर घटा, बाढ़ का असर अभी भी बरकरार

एजेंसी

पटना । पटना में गंगा नदी का जलस्तर धीरे-धीरे कम होने लगा है, जिससे लोगों को कुछ राहत मिली है। हालांकि, बाढ़ की स्थिति अभी सामान्य नहीं हुई है, क्योंकि कई निचले और नदी के किनारे वाले इलाकों में पानी अभी भी जमा हुआ है। जेपी गंगा पथ, जिसे मरीन ड्राइव के नाम से भी जाना जाता है, इसके किनारे सैकड़ों दुकानें बाढ़ के पानी से प्रभावित हुई हैं, जिससे स्थानीय व्यापारियों को नुकसान हुआ है। बाढ़ नियंत्रण विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटों में मनेर में गंगा का जलस्तर 16 सेमी घटकर 52.12 मीटर हो गया है।जलस्तर घटने के बावजूद, यह अभी भी 52 मीटर के खतरे के निशान से 12 सेमी ऊपर है।दीघा घाट पर भी जलस्तर लगभग 52.12 मीटर दर्ज किया गया, जो खतरे के निशान के करीब है। गांधी घाट पर पिछले तीन दिनों में जलस्तर में लगभग 30 सेमी की कमी आई है, लेकिन यह अभी भी 49.28 मीटर पर है, जो 48.60 मीटर के खतरे के निशान से 68 सेमी ऊपर है।गंगा का जलस्तर बढ़ने का असर खास तौर पर जेपी गंगा पथ के आसपास दिखाई दे रहा है।दीघा घाट के पास बाढ़ का पानी जमीन के अंदर लगभग 500 मीटर तक फैल गया है, जिससे सड़क किनारे लगी 500 से ज्यादा दुकानें प्रभावित हुई हैं। कई दुकानदारों को अपनी गाड़ियां और सामान सुरक्षित जगहों पर ले जाने के लिए मजबूर होना पड़ा है।कई व्यापारियों ने सामान डूबने से हुए नुकसान की बात कही है, जबकि कुछ अन्य अपना कारोबार जारी रखने के लिए दूसरी जगहें तलाश रहे हैं।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने एफडीए को लगाई फटकार

एमसीए के 5 रेस्टोरेंट के लाइसेंस सस्पेंड का आदेश रद्द

एजेंसी

मुंबई । बॉम्बे हाई कोर्ट ने महाराष्ट्र एफडीए (खाद्य एवं औषधि प्रशासन) के मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) परिसर में चल रहे 5 रेस्टोरेंट के लाइसेंस सस्पेंड को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि महाराष्ट्र एफडीए (खाद्य एवं औषधि प्रशासन) की कार्रवाई जल्दबाजी में की गई थी और इसमें व्यावहारिक सोच की कमी थी। बॉम्बे हाई कोर्ट ने शनिवार को सुनवाई करते हुए कहा कि महाराष्ट्र एफडीए (खाद्य एवं औषधि प्रशासन) ने पिछले दिनों जो कार्रवाई की थी, वो सही नहीं थी और इसमें सोच की कमी दिखाई देती है, इसलिए फ़ूड स्टॉल के लाइसेंस सस्पेंड करने के उसके

आदेश को रद्द किया जाता है। बता दें कि 24 अगस्त को महाराष्ट्र एफडीए (खाद्य एवं औषधि प्रशासन) ने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) परिसर में चल रहे 5 रेस्टोरेंट के लाइसेंस सस्पेंड कर दिए था। इन पर फूड सेफ्टी और साफ-सफाई के नियमों के गंभीर उल्लंघन का आरोप था। एफडीए की प्रेस रिलीज में कहा गया था कि यह कार्रवाई एमसीए में मौजूद परमिट रूम, पैविलियन, मेडिटेरेनियन, ओरिएंटल स्विंग और क्लबवे एंड पेस्ट्री काउंटर के खिलाफ की गई है। जांच के दौरान इन सभी जगहों पर फूड सेफ्टी के कई नियमों का उल्लंघन पाया गया था। इसके साथ ही रेस्टोरेंट में साफ-सफाई की भारी कमी थी और खाने को रखने और संभालने के गलत तरीके अपनाए जा रहे थे।

'मेक इन इंडिया' की ताकत के पीछे 'बिलीव इन इंडिया' का आत्मविश्वास'

युवाओं के दम पर भारत बनेगा सुपरपावर : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

'असली शिक्षा व्यक्ति के 'हेड, हार्ट और हैंड' तीनों का विकास करती है।'

एजेंसी

लखनऊ । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में युवाओं को राष्ट्र निर्माण का वाहक बनने का आह्वान करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री हासिल करना नहीं, बल्कि ऐसे व्यक्तित्व का निर्माण करना होना चाहिए, जो न्याय, समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के आदर्शों से प्रेरित होकर देश और समाज के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि आज भारत आर्थिक शक्ति के साथ अपनी सभ्यता, संस्कृति और सामर्थ्य पर विश्वास करने वाला राष्ट्र बनकर उभरा है। 'मेक इन इंडिया' की सफलता के पीछे 'बिलीव इन इंडिया' की भावना है। रक्षा मंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालय केवल शिक्षा देने के केंद्र नहीं होते, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण और बेहतर समाज के निर्माण के केंद्र भी होते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि आज मिलने वाली डिग्री उनकी मंजिल नहीं, बल्कि जीवन में नई संभावनाओं के द्वार खोलने का माध्यम है। राजनाथ सिंह ने कहा, 'शिक्षा के साथ संस्कार न हों, तो ज्ञान अधूरा रह जाता है। संस्कारों के साथ संवेदनशीलता न हो, तो व्यक्तित्व अधूरा रह जाता है। और ज्ञान, संस्कार और संवेदनशीलता के साथ राष्ट्र और समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव न हो, तो शिक्षा का उद्देश्य अधूरा रह जाता है। '

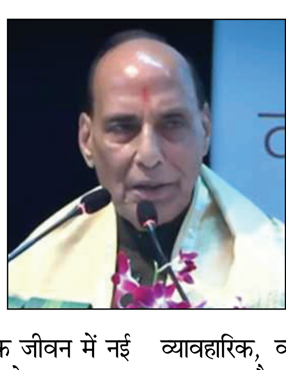

उन्होंने कहा कि असली शिक्षा व्यक्ति के 'हेड, हार्ट और हैंड' तीनों का विकास करती है। सोचने और समझने की क्षमता के साथ व्यावहारिक, व्यावसायिक और समस्या समाधान कौशल का विकास भी जरूरी है। युवा केवल समस्याओं की चर्चा करने वाले नहीं, बल्कि उनके समाधान खोजने वाले बनें। अपनी सफलता को केवल वेतन से नहीं, बल्कि समाज पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभाव से मापें। रक्षा मंत्री ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने अन्याय और भेदभाव के बावजूद हिंसा का रास्ता नहीं चुना, बल्कि शिक्षा को अपना हथियार बनाया। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने शिक्षा के साथ चरित्र के महत्व पर भी जोर दिया था। उन्होंने विद्यार्थियों को डॉ. अंबेडकर के तीन शब्दों के मंत्र 'शिक्षित बनो, संघर्ष करो और संगठित हो' की याद दिलाते हुए कहा कि सामाजिक बदलाव केवल संख्या और भीड़ से नहीं आता, बल्कि बड़े संकल्प, ईमानदारी, समर्पण और राष्ट्रसेवा की भावना से आता है। राजनाथ सिंह ने युवाओं से कहा कि क्यों न इसी सभागार से ऐसे युवा निकलें, जो केवल अपने लिए नहीं बल्कि भारत के लिए बड़े सपने देखें। ऐसे युवा तैयार हों जो केवल नौकरी करने वाले नहीं, बल्कि रोजगार देने वाले बनें। रक्षा मंत्री ने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि एक समय देश में रॉकेट साइकिल और बैलगाड़ी से ले जाए जाते थे, लेकिन आज भारत मंगल तक पहुंच चुका है। देश के सौर मिशन की शुरुआत हो चुकी है और भारत अंतरिक्ष में निजी अंतरिक्ष स्टेशन तथा मानव मिशन की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि एक समय विदेशी अखबार भारत के अंतरिक्ष अभियानों का मजाक उड़ाते थे।

बिहार के गोपालगंज में सेप्टिक टैंक में चार श्रमिक फंसे, दम घुटने से सभी की मौत

एजेंसी

गोपालगंज । बिहार के गोपालगंज जिले में शनिवार को दर्दनाक हादसे में सेप्टिक टैंक के अंदर दम घुटने से चार मजदूरों की मौत हो गई। घटना गोपालपुर थाना क्षेत्र के सवनही गोपाल गांव की है। हादसे के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया गया। बताया जा रहा है कि गांव में एक सेप्टिक टैंक का निर्माण कराया गया था। शनिवार को मजदूर टैंक के अंदर लगी सटरिंग खोलने का काम कर रहे

थे। इसी दौरान एक मजदूर अचानक टैंक के अंदर फंस गया। उसे बचाने के लिए तीन अन्य मजदूर भी एक-एक कर टैंक के अंदर चले गए। कुछ ही देर बाद चारों मजदूर अंदर ही बेहोश हो गए। आशंका जताई जा रही है कि टैंक के अंदर जहरीली गैस के कारण दम घुटने से चारों की मौत हुई। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंचे अधिकारियों की निगरानी में बचाव अभियान चलाया गया और काफी मशक्कत के बाद सभी मजदूरों के शवों को सेप्टिक टैंक से बाहर निकाला गया।

अंकित बालियान की मौत के बाद बोले मासूम शर्मा-

'मुझे भी मिल रही हैं धमकियां, सरकार लगाए गुंडागर्दी पर लगाम'

एजेंसी

मुंबई । लोकप्रिय भारतीय हरियाणवी गायक मासूम शर्मा ने शनिवार को सोशल मीडिया वीडियो के जरिए बताया कि उन्हें धमकियां मिल रही हैं। गायक ने सरकार से गुजारिश करते हुए कहा कि हरियाणा के ज्यादातर आर्टिस्ट को धमकियों का सामना करना पड़ता है, जिस पर सरकार को काम करना चाहिए। गायक ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसके शुरुआत में उन्होंने अंकित बालियान की मौत पर दुख जाहिर किया। वीडियो में वे कहते हैं, 'राम राम भाई, कुछ दिन पहले हमारे प्यारे भाई अंकित बालियान का निधन हो गया। इस बात का हमें बेहद दुख है और एक दिन पहले ही हमने अपनी बातचीत की थी। अगले दिन पता चला कि वे अब नहीं रहे। हमने साथ में बहुत सारा काम किया है और मेरे कुछ गानो में उन्होंने मॉडल के तौर पर

भी काम कर रखा है। भाई बोलचाल में बहुत अच्छे थे। ' उन्होंने बढ़ती गुंडागर्दी को देखते हुए सरकार को इस पर कार्यवाही की मांग की। गायक ने कहा, 'जिस तरह से गुंडा-गर्दी बढ़ती जा रही है, उसे देखकर सरकार को अंकुश लगाना चाहिए। हमारी सरकार से गुजारिश है कि वे इन सभी मुद्दों पर जरूर काम करें। क्योंकि कलाकार और बिजनेसमैन के पास इस तरह की धमकियां आती हैं। सरकार को इन सभी चीजों पर थोड़ा ध्यान देना चाहिए और अंकित भाई का जिसने भी मर्डर किया है उसे सरकार को जल्दी पकड़ना चाहिए। हम आशा करते हैं सरकार जल्दी इसका समाधान निकालें। क्योंकि ये परेशानी एक आदमी की नहीं बल्कि हर कलाकार और बिजनेसमैन की है। जिसका ज्यादा नाम और पैसा हो जाए उसके पीछे एक बड़े नाम के लोग लग जाते हैं। '

बाढ़ के बीच 114 भारतीयों को बचाया गया, नेपाल पर्यटन बोर्ड ने दी जानकारी

नई दिल्ली/काठमांडू । नेपाल में लगातार भारी बारिश और बाढ़ के कारण बिगड़े हालात के बीच अब तक 114 भारतीयों को सुरक्षित बचाया गया है। नेपाल सरकार ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि आपदा ग्रस्त इलाकों में राहत और बचाव अभियान जारी है। नेपाल पर्यटन बोर्ड की ओर से एक सूची जारी की गई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की गई लिस्ट में 15 देशों के कुल 187 लोगों को बचाए जाने की जानकारी दी गई है। भारत के अलावा इसमें बेल्जियम, बुल्गारिया, जर्मनी, चीन, इटली, माल्टा, ओमान, पुर्तगाल, रूस, दक्षिण कोरिया, स्पेन, स्विजरलैंड, तुर्की और अमेरिका के बचाए गए नागरिक हैं। इसमें सबसे 'यादा भारत के 114, चीन के 27 और दक्षिण कोरिया के कुल 20 पर्यटक शामिल हैं। बाढ़ और उससे जुड़ी घटनाओं के कारण कई इलाकों में जनजीवन पर असर पड़ा है। नदियों के जलस्तर में वृद्धि, सड़क संपर्क बाधित होने और भूस्खलन के कारण कई स्थानों पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। बचाए गए भारतीय नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। नेपाल में बड़ी संख्या में भारतीय पर्यटक, तीर्थयात्री, कारोबारी और अन्य नागरिक नियमित रूप से आते-जाते हैं, ऐसे में बाढ़ की स्थिति के दौरान उनकी सुरक्षा भी दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण चिंता बनी हुई है।

ज्यादा शक्कर-तेल वाली खाने-पीने की चीजों पर लगेगी चेतावनी

पैकेट पर लाल रंग का षटकोण बनाया जाएगा; एफएसएसआई का सुप्रीम कोर्ट को प्रस्ताव

एजेंसी

मुंबई । खाने-पीने के किसी पैक सामान में अगर नमक-शकर या सैचुरेटेड फैट की मात्रा लिमिट से ज्यादा हुई तो पैकेट पर षटकोण लाल निशान होगा। चेतावनी भी लिखी होगी। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (FSSAI) ने यह प्रस्ताव सुप्रीम कोर्ट में पेश किया है। इसका मकसद ऐसे फूड आइटम को लेकर लोगों को सावधान करना है। FSSAI के प्रस्ताव के मुताबिक, यह वार्निंग लेबल लाल रंग के षट्कोण (हेक्सागोनल-6 कोनों वाला) आकार का होगा। इसे पैकेट के फ्रंट यानी ठीक सामने की तरफ लगाया जाएगा। दरअसल, 3S एंड अवर हेल्थ सोसाइटी नाम के एक पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाकर डिब्बा बंद या पैकेट वाले खाने पर अनिवार्य वार्निंग लेबल लगाने की मांग की थी। इस मामले की पिछली सुनवाई (13 अगस्त) के दौरान जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने FSSAI को नियमों में देरी के लिए फटकार लगाई थी और पूछा था कि क्या सरकार नहीं चाहती कि उसके लोग स्वस्थ रहें? इसके बाद FSSAI ने यह हलफनामा पेश किया है।

दो फेज में लागू करने का प्रस्ताव

FSSAI ने इसे अलग-अलग फेज में लागू करने का प्रस्ताव दिया है, ताकि इंडस्ट्री को अपने प्रोडक्ट्स को सुधारने का मौका मिले।

फेज 1: पहले चरण में उन प्रोडक्ट्स पर लाल लेबल लगेगा, जिनमें फैट, शुगर या साल्ट में से कोई भी 'दो या दो से अधिक' चीजें तय सीमा से ज्यादा होंगी। इसमें सभी अधिक मीठी कोल्ड ड्रिंक्स भी शामिल होंगी।

फेज 2: दूसरे चरण में यह नियम उन प्रोडक्ट्स पर भी लागू हो जाएगा, जिनमें इनमें से कोई 'एक' चीज भी ज्यादा मात्रा में होगी।

पूर्व राजदूत नवदीप सूरी को मतदाता सूची में नाम के लिए करनी पड़ी मशक्कत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। संयुक्त अरब अमीरात, मिस्र और ऑस्ट्रेलिया में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके सेवानिवृत्त वरिष्ठ राजनयिक नवदीप सूरी को अपने ही देश में नागरिकता और मताधिकार से जुड़ी प्रक्रिया पूरी करने में परेशानी का सामना करना पड़ा। मतदाता सूची से नाम गायब होने और पहचान संबंधी दस्तावेजों की प्रक्रिया को लेकर सामने आई इस स्थिति ने सरकारी तंत्र और चुनावी व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। नवदीप सूरी जैसे वरिष्ठ राजनयिक, जिन्होंने लंबे समय तक देश की सेवा की और विदेशों में भारत का प्रतिनिधित्व किया, यदि उन्हें भी मतदाता सूची और पहचान से जुड़ी प्रक्रिया में मशक्कत करनी पड़े तो आम नागरिकों की परेशानियों को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। खासकर गरीब, बुजुर्ग और कम पढ़े-लिखे लोगों के लिए ऐसी प्रक्रियाएं अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकती हैं। मतदाता सूची के पुनरीक्षण के दौरान नाम हटने या दर्ज नहीं होने की शिकायतें समय-समय पर सामने आती रही हैं। चुनावों से पहले सूची के पुनरीक्षण और नामों को लेकर राजनीतिक दलों तथा नागरिकों के बीच बहस भी होती रही है। इस मामले ने चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और नागरिकों के मताधिकार की सुरक्षा को लेकर कई सवाल खड़े किए हैं। हालांकि, नवदीप सूरी के मामले में नाम हटने या प्रक्रिया में हुई किसी कथित लापरवाही के कारणों की आधिकारिक स्थिति संबंधित विभाग की जांच या स्पष्टीकरण के बाद ही स्पष्ट होगी। सबसे बड़ा सवाल यही है कि यदि देश का प्रतिनिधित्व कर चुके वरिष्ठ अधिकारी को भी अपने मताधिकार से जुड़ी प्रक्रिया में परेशानी हो सकती है, तो आम नागरिकों के लिए व्यवस्था कितनी सरल और सुरक्षित है?

मोडासा में आधी रात को मकान का स्लैब गिरा, 7 लोग घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अरावली जिले के मोडासा के सगरवाड़ा इलाके में रक्षाबंधन की रात करीब 12:30 बजे कच्चे मकान की छत का स्लैब अचानक भरभराकर गिर गया। ऊपरी हिस्से में सो रहे बहन-भांजियों समेत 4 लोग मलबे के साथ नीचे जा गिरे, जबकि नीचे सो रहे 3 अन्य लोग भी मलबे की चपेट में आ गए। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और मलबा हटाकर सभी 7 लोगों को बाहर निकाला। सभी को चोटें आईं, लेकिन राहत की बात रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। घटना के बाद पुराने और जर्जर मकानों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठे हैं। स्थानीय लोगों ने बरसात के मौसम को देखते हुए कमजोर मकानों का सर्वे कराने और खतरनाक भवनों की समय पर मरम्मत या सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

पिता की मौत के बाद 14 साल की किशोरी इंस्टाग्राम संपर्क वाले युवक के साथ घर से गई,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर में सोशल मीडिया से जुड़ा एक मामला सामने आया है। कैंसर से पिता की मौत के बाद परिवार शोक में था। इसी दौरान 14 वर्षीय किशोरी इंस्टाग्राम पर संपर्क में आए एक युवक के साथ कथित तौर पर घर से चली गई। बेटी के अचानक गायब होने से परेशान मां ने मदद के लिए 181 अभयम महिला हेल्पलाइन से संपर्क किया। बताया गया कि किशोरी की करीब पांच महीने पहले इंस्टाग्राम के जरिए युवक से बातचीत शुरू हुई थी। धीरे-धीरे दोनों के बीच बातचीत बढ़ी और कथित तौर पर करीबी संबंध बन गए। मां को इसकी जानकारी मिलने पर उन्होंने बेटी को समझाया, जिससे नाराज होकर किशोरी घर छोड़कर चली गई। सूचना मिलने के बाद 181 अभयम टीम ने किशोरी का पता लगाया और उसे सुरक्षित बरामद किया। टीम की काउंसलरों ने किशोरी को सोशल मीडिया पर अनजान लोगों से संपर्क के जोखिम, ऑनलाइन बहकावे और कानूनी प्रावधानों के बारे में समझाया। काउंसलिंग के बाद किशोरी को अपनी गलती का एहसास हुआ और वह घर लौटने के लिए तैयार हो गई। इसके बाद अभयम टीम ने किशोरी को सुरक्षित उसकी मां के सुपुर्द कर दिया। घटना ने अभिभावकों को बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर जागरूक नजर रखने और उनके साथ भरोसे का माहौल बनाए रखने की जरूरत को रेखांकित किया है।

बीआरटीएस बस में सोने की चेन झपटने वाला आरोपी इसनपुर पुलिस की गिरफ्त में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। इसनपुर थाना क्षेत्र से गुजर रही बीआरटीएस बस में भीड़ का फायदा उठाकर यात्री के गले से सोने की चेन झपटने की घटना का पुलिस ने कुछ ही घंटों में खुलासा करने का दावा किया है। आरोपी चेन झपटने के बाद मौके से फरार हो गया था। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल, बस स्टैंड और संबंधित मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसके साथ ही मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर संदिग्ध की तलाश शुरू की गई। सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपी ने बीआरटीएस बस में चेन झपटने की बात स्वीकार की। उसके कब्जे से झपटी गई सोने की चेन बरामद कर ली गई है। पुलिस ने मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से वारदात का जल्द खुलासा हुआ। पुलिस ने सार्वजनिक परिवहन में सफर करने वाले यात्रियों से भीड़ के दौरान आभूषण, नकदी और मोबाइल फोन को लेकर सतर्क रहने तथा संदिग्ध गतिविधि नजर आने पर तत्काल पुलिस को सूचना देने की अपील की है।

AMC की अजीब बात

त्योहारों के दौरान मिलावटी और मिलावटी प्रोडक्ट्स की भरमार

अगर व्यापारी मिलावट करे और ग्राहक रैपिड टेस्ट चाहे तो फूड डिपार्टमेंट क्या करेगा?

शहर में शुद्ध घी के नाम पर और मावा समेत मिठाइयों में नकली घी बिक रहा है

'मिठाई' भ्रष्ट अधिकारियों तक पहुंचने के बाद, नागरिक मिठाई खरीदते हैं और सिर्फ मिलावट ही मिलेगी, रैपिड टेस्ट किट के नाम पर व्यापारियों और ग्राहकों के बीच झगड़े बढ़ेंगे, फूड डिपार्टमेंट के अधिकारी AC केबिन में बैठकर सुरक्षा के मुद्दों पर चर्चा करेंगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। त्योहारों का मौसम शुरू होते ही अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के फूड डिपार्टमेंट ने मिठाइयों और डेयरी प्रोडक्ट्स में मिलावट के खिलाफ चेकिंग और दूसरे उपायों पर ध्यान देना शुरू कर दिया है। ऐसा नहीं है कि यह डिपार्टमेंट काम नहीं कर रहा है, लेकिन अपने सोचे-समझे काम की वजह से यह तुरंत नोटिस में आ जाता है। त्योहारों के आने पर ही खाने-पीने की चीजों में मिलावट या मिलावट पकड़ने निकलने वाला विभाग, विभाग द्वारा लिए गए संदिग्ध सैंपल की रिपोर्ट त्योहार खत्म होने के बाद आती है और तब तक सैकड़ों लोग मिठाई, फरसाण या दूसरी खाने की चीजें खा चुके होते हैं और कुछ तो बीमार भी पड़ चुके होते हैं। मिठाइयों में सबसे ज्यादा मिलावट होती है और शुद्ध घी के नाम पर मिलावटी घी भी बेचा जाता है। प्रशासन के नाम पर 'मिठाई' लेकर बिना वजह मिलावट या मिलावट होने पर भी भ्रष्ट अधिकारी कार्रवाई करने की नहीं सोचते। इसमें कोई शक नहीं कि जन्माष्टमी और दिवाली समेत त्योहारों के दौरान मिठाइयों की मांग बढ़ने पर मिलावटी या अखाद्य सामग्री की बिक्री को रोकने के लिए रैपिड टेस्ट किट का इस्तेमाल शुरू किया गया है। इस किट की मदद से फूड सेफ्टी टीमें मौके पर ही अलग-अलग खाने की चीजों की प्राथमिक जांच कर सकती हैं। इस बारे में मिली जानकारी के मुताबिक, एएमसी की अलग-अलग टीमें शहर के अलग-अलग म्युनिसिपल जोन में पहुंचकर मिठाई, फरसाण, पनीर, चीज और दूसरी खाने की चीजों की जांच करती हैं। इस रैपिड टेस्ट किट से मिठाइयों पर लगी फॉइल जैसे खाने लायक न होने वाले रंग, मावा में स्टार्च, घी में वेजिटेबल फैट, नकली केसर और काजू की प्राइमरी जांच हो सकेगी। पहले लैब टेस्ट के नतीजों के लिए लंबा इंतज़ार करना पड़ता था, जबकि रैपिड टेस्ट से मौके पर ही संदिग्ध चीज़ों के बारे में प्राइमरी जानकारी मिल जाती है। अब त्योहारों को ध्यान में रखते हुए मिठाइयों और फरसाण की यूनिट्स पर खास ध्यान दिया जा रहा है। यह तरीका कंज्यूमर्स के लिए ज़रूरी है, क्योंकि मिठाइयां खरीदते समय सिर्फ उनके दिखने के तरीके से उनकी क्वालिटी का पता लगाना मुश्किल होता है। दूसरी ओर, अब व्यापारियों के लिए अप्रूव्ड रॉ मटीरियल, अप्रूव्ड फूड कलर और ज़रूरी हाइजीन स्टैंडर्ड्स का पालन करना और भी ज़रूरी हो जाएगा। अहमदाबाद में मिठाइयों में मिलावट के खिलाफ़ ब्ष्ट की रैपिड टेस्ट किट से कार्रवाई से अब जांच और तेज़ होने की उम्मीद है। काजू की फॉइल से लेकर मावा और दूसरी खाने की चीज़ों की जांच त्योहारों के दौरान भी जारी रहेगी। आने वाले दिनों में इस बात पर नज़र रखी जाएगी कि और कितनी यूनिट्स में मिलावट या नियमों का उल्लंघन पाया जाता है और AMC उनके खिलाफ क्या कार्रवाई करती है।

काजू से मचा शोर, चांदी की जगह कोई और मेटल मिला

ब्ष्ट के हालिया इंस्पेक्शन के दौरान, कालूपुर इलाके में एक मिठाई यूनिट में काजू पर लगी फॉइल को रैपिड टेस्ट किट से चेक किया गया। शुरुआती इंस्पेक्शन में पता चला कि फॉइल चांदी की जगह किसी और मेटल की बनी थी। इसके बाद संबंधित यूनिट को सील करने की कार्रवाई की गई। इंस्पेक्शन के दौरान पता चला कि जिस प्रोडक्शन यूनिट से काजू आ रहे थे, वह बापूनगर के गुजरात हाउसिंग बोर्ड इलाके में थी, और वहां भी कार्रवाई की गई। हालांकि, फॉइल का सैंपल फाइनल लैब टेस्टिंग के लिए भेजा गया है, इसलिए आखिरी नतीजा लैब रिपोर्ट के बाद ही साफ होगा।

मावा में मिलावट मिली, सील किया गया

जब शहर के कोट इलाके में स्थित दरियापुर में एक मावा यूनिट के गोदाम को भी लाइसेंसिंग और साफ-सफाई से जुड़ी कमियां मिलने पर सील कर दिया गया। AMC के फ़ूड डिपार्टमेंट ने साफ़ कर दिया है कि त्योहारों के दौरान मिठाई, फरसाण, मावा और दूसरी खाने की चीज़ें बनाने और बेचने वाली यूनिट्स की जांच जारी रहेगी और फ़ूड सेफ़्टी नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

AMC अधिकारियों के इरादे नेक हैं या नहीं...?

रैपिड टेस्ट किट का मुख्य मकसद सिर्फ़ व्यापारियों पर कार्रवाई करना नहीं है, बल्कि यह पक्का करना है कि त्योहारों के दौरान ग्राहकों तक सुरक्षित और अच्छी क्वालिटी की खाने की चीज़ें पहुँचें। खासकर, मिठाइयों में इस्तेमाल होने वाले रंग, मावा में स्टार्च और नकली पन्नी जैसी मिलावट सेहत के लिए चिंता की बात हो सकती है। AMC ने अभी सात टीमों को रैपिड टेस्ट किट से लैस किया है और शहर के अलग-अलग इलाकों में मौके पर जाकर जांच की जा रही है।

ग्राहकों को भी मिलावट के बारे में जागरूक होना होगा

AMC की यह कार्रवाई ऐसे समय में हो रही है जब त्योहारों के दौरान आम दिनों की तुलना में मिठाई और फरसाण की खरीदारी काफ़ी बढ़ जाती है। इसलिए, सिर्फ़ सैंपल लेने और लैब रिपोर्ट का इंतज़ार करने के बजाय, मौके पर ही संदिग्ध खाने की चीज़ की प्राइमरी जांच करने का तरीका जल्दी कार्रवाई में मददगार हो सकता है। लेकिन, रैपिड टेस्ट प्राइमरी जांच का एक टूल है और आखिरी कानूनी कार्रवाई के लिए जहां भी ज़रूरी होगा, ऑफिशियल लैब टेस्टिंग ज़रूरी होगी। आसान शब्दों में, यह पक्का है कि कंज्यूमर्स को भी मिलावट के बारे में पता होना चाहिए।

अखबार खोलो तो विज्ञापनों की बारिश होती है, करोड़ों रुपये प्रचार पर खर्च करने के बजाय जनता के विकास पर लगाओ

गुजरात के पूर्व सीएम शंकरसिंह वाघेला का सरकार पर तीखा हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेता शंकरसिंह वाघेला (बापू) ने राज्य सरकार की प्रचार नीति और सरकारी धन के खर्च को लेकर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि सुबह अखबार खोलते ही सरकारी विज्ञापनों की भरमार दिखाई देती है। उनका आरोप है कि सरकार अपनी छोटी-बड़ी उपलब्धियों के प्रचार के लिए जनता के टैक्स से जुटाए गए करोड़ों रुपये विज्ञापनों पर खर्च कर रही है। शंकरसिंह वाघेला ने कहा कि यदि प्रचार पर खर्च की जा रही इतनी बड़ी राशि को जनता के बुनियादी विकास कार्यों में लगाया जाए तो राज्य की कई समस्याओं का समाधान किया जा सकता है।

'आत्मप्रशंसा के लिए जनता के पैसे का इस्तेमाल'

वाघेला ने आरोप लगाया कि सरकार अपनी उपलब्धियों का प्रचार और आत्मप्रशंसा करने के लिए सरकारी खजाने से करोड़ों रुपये होर्डिंग, टेलीविजन और अखबारों के विज्ञापनों पर खर्च कर रही है। उनके मुताबिक, दूसरी ओर राज्य की जनता महंगाई, बेरोजगारी और खराब सड़कों जैसी समस्याओं से परेशान है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब आम लोगों की बुनियादी जरूरतें पूरी करने में अभी भी कई चुनौतियां मौजूद हैं, तो सरकारी प्रचार पर इतनी बड़ी राशि खर्च करने का औचित्य क्या है?

अस्पताल, स्कूल और गांवों की समस्याओं पर उठाए सवाल

पूर्व मुख्यमंत्री ने सरकार के सामने प्राथमिक सुविधाओं को लेकर भी कई सवाल रखे। उन्होंने कहा कि यदि अस्पतालों में डॉक्टरों और दवाओं की कमी है, स्कूलों में शिक्षकों की आवश्यकता है और ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कें जर्जर हैं, तो ऐसे समय में करोड़ों रुपये प्रचार पर खर्च करने के बजाय इन समस्याओं को दूर करने पर ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने मांग की कि सरकारी प्रचार पर होने वाले खर्च की एक सीमा निर्धारित की जाए और बचाई गई राशि को स्वास्थ्य, शिक्षा तथा ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों में लगाया जाए।

बयान के बाद गुजरात की राजनीति में बढ़ी हलचल

शंकरसिंह वाघेला के इस बयान के बाद राज्य की राजनीति में चर्चा तेज हो गई है। उन्होंने सरकार से अपील की कि विकास को केवल सरकारी विज्ञापनों और प्रचार सामग्री में दिखाने के बजाय जमीन पर किए गए काम के जरिए जनता के सामने रखा जाना चाहिए। वाघेला के अनुसार, यदि सरकारी प्रचार पर होने वाले अनावश्यक खर्च को कम किया जाए तो उस राशि का इस्तेमाल राज्य के युवाओं, किसानों और आम नागरिकों के लिए सीधे विकास एवं कल्याणकारी कार्यों में किया जा सकता है। अब उनके इस बयान पर राज्य सरकार की ओर से क्या प्रतिक्रिया सामने आती है, इस पर राजनीतिक हलकों की नजर बनी हुई है।

सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद एफएसएसएआई का बड़ा फैसला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद। पैक्ड फूड और जंक फूड में अधिक चीनी, वसा या नमक की मात्रा को लेकर भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने पैकेजिंग नियमों को सख्त करने का प्रस्ताव रखा है। एफएसएसएआई ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल शपथपत्र में पैकेट के सामने पोषण संबंधी चेतावनियों को अधिक स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने की जानकारी दी है। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत निर्धारित सीमा से अधिक चीनी, वसा या नमक वाले खाद्य पदार्थों के पैकेट पर सामने की ओर लाल रंग के षट्कोण में 'अधिक चीनी', 'अधिक वसा' और 'अधिक नमक' जैसी चेतावनी दिखाई जाएगी। चेतावनी वाले शब्दों का अक्षर आकार भी अन्य जानकारी से बड़ा रखने का प्रस्ताव है,

ताकि ग्राहक खरीदारी के समय इसे आसानी से देख सके। नई व्यवस्था को खाद्य कंपनियों को पैकेजिंग में बदलाव के लिए समय देने के उद्देश्य से दो चरणों में लागू करने का प्रस्ताव है। वहीं, शुद्ध घी, खाद्य तेल, गुड़ और शहद जैसे कुछ प्राकृतिक एवं पारंपरिक खाद्य पदार्थों को इस चेतावनी व्यवस्था से बाहर रखने का प्रावधान बताया गया है। अब तक पोषण संबंधी जानकारी मुख्य रूप से पैकेट के पीछे छोटे अक्षरों में दी जाती थी। सामने स्पष्ट चेतावनी होने से उपभोक्ताओं को खाद्य पदार्थ में चीनी, वसा और नमक की अधिक मात्रा के बारे में आसानी से जानकारी मिल सकेगी।हालांकि, प्रस्तावित नियमों की वास्तविक प्रभावशीलता उनके सख्त क्रियान्वयन पर निर्भर करेगी। खासतौर पर बड़े खाद्य ब्रांडों और जंक फूड कंपनियों द्वारा नियमों का पालन महत्वपूर्ण होगा।

27 माह से लगातार प्रयास, धार्मिक यात्रियों के साथ राजस्थान, हरियाणा और मध्यप्रदेश के यात्रियों को मिलेगा लाभ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा। जन्माष्टमी और आगामी धार्मिक पर्वों को देखते हुए यात्रियों एवं श्रद्धालुओं को बेहतर रेल सुविधा उपलब्ध कराने की मांग तेज हो गई है। यात्री विकास एवं सुझाव मंच, नागदा ने हिसार-कोटा ट्रेन को नागदा होते हुए उज्जैन तक विस्तारित करने की मांग उठाई है। मंच का कहना है कि ट्रेन के विस्तार से राजस्थान, हरियाणा और मध्यप्रदेश के यात्रियों के साथ उज्जैन महाकाल तथा खाटू श्याम जाने वाले श्रद्धालुओं को भी आवागमन में सुविधा मिलेगी। मंच के संस्थापक अध्यक्ष एवं संचालक राजेश सकलेचा ने बताया कि हिसार-कोटा ट्रेन के विस्तार की मांग को लेकर पिछले 27 माह से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इस संबंध में रेल मंत्री, सांसद, विधायक तथा रतलाम और कोटा मंडल के मंडल रेल प्रबंधकों को पत्र सौंपे गए हैं। साथ ही व्यक्तिगत मुलाकात कर भी यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ट्रेन विस्तार का आग्रह किया गया है।

पर्वों को देखते हुए सकारात्मक पहल की मांग

मंच ने रेलवे और जनप्रतिनिधियों से जन्माष्टमी सहित आगामी धार्मिक पर्वों को ध्यान में रखते हुए हिसार-कोटा ट्रेन के नागदा-उज्जैन तक विस्तार की दिशा में सकारात्मक पहल करने का आग्रह किया है। मंच के अनुसार, इस सुविधा से यात्रियों को बेहतर रेल संपर्क मिलेगा और धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों तक पहुंच आसान होगी। यात्रियों की संख्या बढ़ने से रेलवे की आय में भी वृद्धि की संभावना है।

विशेष अनारक्षित ट्रेनों के संचालन की मांग

जन्माष्टमी सहित प्रमुख धार्मिक पर्वों के दौरान यात्रियों की संख्या बढ़ने की संभावना को देखते हुए मंच ने विशेष पूर्णतः अनारक्षित ट्रेनों के संचालन की मांग भी की है। मंच का कहना है कि पर्वों के दौरान सामान्य श्रेणी की ट्रेनों में यात्रियों का दबाव बढ़ जाता है। ऐसे में अतिरिक्त अनारक्षित ट्रेनों के संचालन से सामान्य यात्रियों, श्रद्धालुओं और परिवारों को राहत मिल सकती है।

पूर्व में भी चलाया जा चुका है अभियान

राजेश सकलेचा ने बताया कि ट्रेन विस्तार की मांग को लेकर नगर में अभियान भी चलाया जा चुका है। इसमें विभिन्न सामाजिक संस्थाओं और नागरिकों ने समर्थन दिया था। सांसद और मंडल रेल प्रबंधक के नाम पत्र तैयार किए गए हैं, जिन्हें संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को सौंपा जाएगा। इससे पहले पोस्टकार्ड अभियान के माध्यम से भी नगरवासियों की मांग रेल मंत्री तक पहुंचाई गई

दहेगाम के रखियाल गांव में जुए के अड्डे पर पुलिस की दबिश

8 आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। दहेगाम तालुका के रखियाल पुलिस थाना क्षेत्र में श्रावण मास के दौरान खुले स्थान पर चल रहे जुए के अड्डे पर पुलिस ने छापेमारी कर 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मौके से कुल 6,800 रुपये नकद और जुआ खेलने में इस्तेमाल किए जा रहे 52 ताश के पत्ते बरामद किए। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध रूप से चल रहे जुए के कारोबार में हड़कंप मच गया। पुलिस के अनुसार, स्टाफ क्षेत्र में निजी वाहन से गश्त कर रहा था। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि रखियाल गांव के माढ़वास इलाके में एक सुनसान खुले स्थान पर कुछ लोग आर्थिक लाभ के लिए ताश के पत्तों से जुआ खेल रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने पंचों को साथ लिया और बताए गए स्थान पर पहुंचकर घेराबंदी की।

पुलिस ने मौके पर जुआ खेल रहे आठ लोगों को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गौरवपुरी मुकेशपुरी गोस्वामी, महेंद्रसिंह उर्फ पिंटू रमतुसिंह मकवाणा, दीपक मानसिंह मकवाणा, केशाजी मंगाजी ठाकोर, मेलसिंह लक्ष्मणसिंह मकवाणा, देवेंद्रसिंह करणसिंह मकवाणा, विष्णुसिंह गाभुसिंह मकवाणा और महोबतसिंह धूलसिंह मकवाणा के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के पास से 6,500 रुपये नकद बरामद किए। इसके अलावा जुए के दांव पर लगाए गए 300 रुपये भी जब्त किए गए। इस तरह कुल 6,800 रुपये की नकदी पुलिस के कब्जे में ली गई। मौके से जुआ खेलने में इस्तेमाल होने वाले 52 ताश के पत्ते भी बरामद किए गए। यह कार्रवाई अ.हेड कांस्टेबल कौशिककुमार बाबुभाई प्रजापति के नेतृत्व में अ.पोकों. राहुलकुमार प्रफुलभाई, पोपटसिंह बलवंतसिंह, रूपसिंह सोनाजी और अ.पोकों. अक्षयसिंह विक्रमसिंह सहित पुलिस टीम ने की। पुलिस ने सभी आठ आरोपियों के खिलाफ जुआ अधिनियम की धारा 12 के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

रक्षाबंधन पर शराब तस्करी के आरोप, सूरत-नवसारी में दोपहिया वाहनों से खेप पहुंचाने का दावा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। रक्षाबंधन के दिन दक्षिण गुजरात के सूरत और नवसारी क्षेत्रों में कथित शराब तस्करी को लेकर सवाल उठे हैं। आरोप है कि महिला बूटलेगर दोपहिया वाहनों, विशेषकर एक्टिवा के जरिए हजारों रुपये की शराब एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचा रही थीं। त्योहार के दिन भी कथित अवैध कारोबार जारी रहने से पुलिस और प्रशासन की निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठाए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि शराब तस्करी के नेटवर्क में महिलाओं का इस्तेमाल इसलिए किया जा रहा है, क्योंकि उन पर अपेक्षाकृत कम संदेह होता है। यह भी दावा किया गया कि प्रमुख मार्गों और जांच चौकियों से शराब की खेप आसानी से गुजर रही है। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। गुजरात में शराबबंदी के बावजूद अवैध शराब के कारोबार को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। जहरीली शराब की पूर्व घटनाओं के बाद भी तस्करी पूरी तरह नहीं रुकने को लेकर नागरिकों ने चिंता जताई है। स्थानीय लोगों और विपक्ष ने पूरे नेटवर्क की जांच कर मुख्य संचालकों तक पहुंचने तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। लोगों का कहना है कि केवल शराब ले जाने वालों पर कार्रवाई के बजाय पूरे तस्करी तंत्र को उजागर किया जाना चाहिए।

डॉ. अंबेडकर ओपन रोवर क्रू डोंगरगढ़ द्वारा वृक्षारोपण करने लोगो को कर रहे जागरूक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डोंगरगांव। अंचल के समीपस्थ पंचायतों मे आज दिनांक 29/08/2026 से डॉ. अंबेडकर ओपन रोवर क्रू डोंगरगढ़ के राज्यपाल पुरस्कार अवार्डेड रोवर ओमप्रकाश वर्मा और स्काउट लोमेश्वर साहू के द्वारा ग्राम पंचायत खुज्जी के अंतर्गत विभिन्न किस्मों के वृक्षों के साथ जिला राजनांदगांव के डोंगरगाव ब्लॉक के ग्राम पंचायत खुज्जी के स्कूलों से वृक्षारोपण किया गया7 जहां भारत रत्न डॉ भीमराव अम्बेडकर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय साल्हे के रोवर भी शामिल हुए 7 इस कार्यक्रम मे जिला संगठन आयुक्त छ्ह्ष्ट स्काउट मयूख श्रीवास्तव रोवर लीडर डॉ. अंबेडकर ओपन रोवर क्रु डोंगरगढ़ राकेश भावते जी का सहयोग रहा। स्काउट प्रभारी शा.उच्च.मा.विद्यालय खुज्जी महेश ठाकुर गाइड प्रभारी (शा. उच्च. मा. विद्यालय खुज्जी श्रीमती राखी रामटेके सरपंच ग्राम पंचायत खुज्जी अजय पंसारी एवम शाला के विधार्थीगण के साथ शिक्षक शिक्षिका उपस्थित रहे।

शिक्षक पदोन्नति में TET की अनिवार्यता रहे बरकरार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूलों में शिक्षकों की पदोन्नति को लेकर छत्तीसगढ़ पेरेंट्स एसोसिएशन ने स्कूल शिक्षा मंत्री को ज्ञापन सौंपकर ञ्जश्वञ्ज (शिक्षक पात्रता परीक्षा) उत्तीर्ण करने की अनिवार्यता को यथावत रखते हुए पदोन्नति प्रक्रिया तत्काल पूर्ण करने की मांग की है। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष क्रिस्टोफर पॉल ने ज्ञापन के माध्यम से बताया कि पूरे प्रदेश में प्रशिक्षित और योग्यताधारी शिक्षकों की भारी कमी है, जिसके चलते कई क्षेत्रों में छात्र और अभिभावक नियमित अध्यापन के लिए सड़कों पर उतरने को मजबूर हैं। इसके बावजूद नई भर्तियों और पात्र शिक्षकों की पदोन्नति प्रक्रिया में लगातार देरी हो रही है।

ज्ञापन के प्रमुख बिंदु ;

नियमों का हवाला राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (NCTE), केंद्र सरकार और सर्वोच्च न्यायालय के स्पष्ट निर्देश हैं कि शिक्षकों की भर्ती व पदोन्नति में TET उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

बच्चों के भविष्य और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के मद्देनजर तय शैक्षणिक योग्यताओं (TET) में किसी भी प्रकार की छूट देना अनुचित होगा। केवल योग्य और पात्र शिक्षकों को ही उच्च कक्षाओं के अध्यापन का दायित्व मिलना चाहिए।

कानूनी अड़चनों की आशंका बिना TET उत्तीर्ण शिक्षकों को पदोन्नति देने से भविष्य में विधिक जटिलताएं खड़ी होंगी, जिससे पूरी प्रक्रिया न्यायालय में अटक सकती है।

संगठन ने शिक्षा मंत्री से अपील की है कि TET की अनिवार्यता को समाप्त या शिथिल किए बिना सभी पात्र शिक्षकों की पदोन्नति अविलंब पूरी की जाए, ताकि प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों का भविष्य सुरक्षित रह सके और स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित हो।

गुजरात के युवाओं और बच्चों के लिए सुनहरा मौका: माउंट आबू में निःशुल्क पर्वतारोहण प्रशिक्षण शिविर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात के साहसिक युवाओं और बच्चों के लिए पर्वतारोहण के क्षेत्र में अपनी रुचि और कौशल विकसित करने का शानदार अवसर सामने आया है। पर्वतारोहण के क्षेत्र में करियर बनाने और साहसिक गतिविधियों से जुड़ने की इच्छा रखने वाले युवाओं के लिए यह प्रशिक्षण शिविर बेहद उपयोगी साबित हो सकता है। राज्य के बच्चों और युवाओं में साहसिक गतिविधियों तथा पर्वतारोहण के प्रति रुचि बढ़ाने के उद्देश्य से युवा सेवा एवं सांस्कृतिक गतिविधि विभाग, गांधीनगर की ओर से महत्वपूर्ण पहल की गई है। विभाग के अंतर्गत संचालित प्रसिद्ध स्वामी विवेकानंद पर्वतारोहण प्रशिक्षण संस्थान, माउंट आबू द्वारा विभिन्न निःशुल्क पर्वतारोहण प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

प्रशिक्षणार्थियों को मिलेगी निःशुल्क सुविधा

इस प्रशिक्षण शिविर की सबसे खास बात यह है कि चयनित उम्मीदवारों पर आर्थिक बोझ नहीं पड़ेगा। संस्थान की ओर से चयनित प्रशिक्षणार्थियों को कई सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी।

रहना-खाना और यात्रा मुफ्तः चयनित प्रशिक्षणार्थियों को संस्थान की ओर से रहने, भोजन और यात्रा भत्ते की निःशुल्क सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

विशेषज्ञों से प्रशिक्षणः प्रशिक्षित एवं अनुभवी पर्वतारोहियों की ओर से सुरक्षा उपकरणों के इस्तेमाल, ट्रेकिंग और चढ़ाई की आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

कौन कर सकता है आवेदन?

गुजरात के निवासी और पर्वतारोहण में रुचि रखने वाले इच्छुक उम्मीदवार इस प्रशिक्षण शिविर के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए निर्धारित प्रक्रिया का पालन करना होगा। उम्मीदवारों को संस्थान के आधिकारिक फेसबुक पेज से निर्धारित आवेदन फॉर्म डाउनलोड करना होगा। प्राप्त आवेदनों की जांच के बाद चयनित उम्मीदवारों को ई-मेल या फोन के माध्यम से सीधे जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षण पाठ्यक्रम से संबंधित अतिरिक्त जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 6377890298 पर संपर्क किया जा सकता है। सरकार की इस पहल से गुजरात के साहसिक युवाओं और बच्चों को पर्वतारोहण के क्षेत्र में प्रशिक्षण हासिल करने और अपनी क्षमता विकसित करने का अवसर मिलेगा।

सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश का आरोप

वडाली में डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा से चश्मे चोरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। साबरकांठा जिले के वडाली शहर में भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की पूर्णकद प्रतिमा से अज्ञात असामाजिक तत्वों द्वारा चश्मे चोरी किए जाने का मामला सामने आया है। संविधान निर्माता डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा के साथ हुई इस घटना की जानकारी सामने आने के बाद बहुजन समाज सहित स्थानीय नागरिकों में भारी आक्रोश फैल गया। लोगों ने इसे गंभीर घटना बताते हुए आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यह केवल चोरी की सामान्य घटना नहीं हो सकती, बल्कि सामाजिक शांति, एकता और भाईचारा बिगाड़ने की कोशिश भी हो सकती है। लोगों ने आशंका जताई कि महापुरुषों की प्रतिमाओं और सामाजिक प्रतीकों को निशाना बनाकर समाज के अलग-अलग वर्गों के बीच तनाव पैदा करने का प्रयास किया जा सकता है। हालांकि, इस आशंका की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी। घटना की जानकारी फैलने के बाद वडाली शहर और आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में सामाजिक नेता, युवा और नागरिक प्रतिमा स्थल तथा वडाली पुलिस थाने पहुंचे। लोगों ने अपना विरोध दर्ज कराते हुए सार्वजनिक स्थानों पर स्थापित महापुरुषों की प्रतिमाओं की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। स्थानीय लोगों ने पुलिस से प्रतिमा स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की तत्काल जांच कर आरोपियों की पहचान करने और 24 घंटे के भीतर गिरफ्तारी की मांग की है। साथ ही, यदि जांच में सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने या वैमनस्य फैलाने का प्रयास सामने आता है तो संबंधित धाराओं में कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गई है। लोगों ने वडाली सहित पूरे साबरकांठा जिले में महापुरुषों की प्रतिमाओं के आसपास रात्रि गश्त बढ़ाने और स्थायी सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग भी रखी है। सामाजिक नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि आरोपियों की गिरफ्तारी में देरी हुई या मामले में ढिलाई बरती गई तो जिले में व्यापक विरोध प्रदर्शन और चक्काजाम किया जा सकता है। अब सभी की नजर पुलिस जांच पर है कि सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान कब तक होती है और उनके खिलाफ क्या कार्रवाई की जाती है।

वडोदरा में कागजों पर शराबबंदी के दावे बेनकाब! मदन झापा रोड पर खुलेआम शराब की हेराफेरी का वीडियो वायरल

स्थानीय पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठे गंभीर सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। महात्मा गांधी के गुजरात में शराबबंदी कानून के बावजूद अवैध शराब के कारोबार को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। भावनगर में जहरीली शराब की दर्दनाक घटना के बाद गृह विभाग और राज्य सरकार की ओर से पूरे गुजरात में देशी-विदेशी शराब के अवैध ठिकानों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और अभियान चलाने की बात कही गई थी। हालांकि, इन दावों के बीच वडोदरा शहर से सामने आए एक कथित वायरल वीडियो ने पुलिस और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मदन झापा रोड की गली में शराब की कथित हेराफेरी का वीडियो

वडोदरा शहर के व्यस्त माने जाने वाले मदन झापा रोड पर स्थित चिमनभाई अस्पताल की गली से खुलेआम देशी-विदेशी शराब की कथित हेराफेरी और बिक्री का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। वायरल वीडियो में कुछ लोग दिन के समय शराब के पैकेट और बोतलों की कथित रूप से हेराफेरी करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद इलाके में रहने वाले लोगों में भी चिंता और नाराजगी का माहौल बताया जा रहा है।

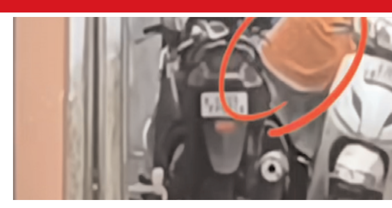

लोगों का कहना है कि अस्पताल जैसी सार्वजनिक और संवेदनशील जगह के आसपास यदि इस तरह शराब का कथित कारोबार चल रहा है, तो यह कानून-व्यवस्था और नागरिक सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

स्थानीय पुलिस की भूमिका पर उठे सवाल

वायरल वीडियो के बाद स्थानीय पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े किए जा रहे हैं। लोगों का कहना है कि यदि सार्वजनिक सड़क और व्यस्त इलाके में दिनदहाड़े शराब की कथित हेराफेरी हो रही है, तो पुलिस को इसकी जानकारी क्यों नहीं हुई? स्थानीय स्तर पर कई सवाल उठ रहे हैं–क्या पुलिस की कथित लापरवाही या मिलीभगत के बिना इस तरह का अवैध नेटवर्क लंबे समय तक चल सकता है? क्या क्षेत्र में अवैध शराब के ठिकानों की नियमित जांच और निगरानी की जा रही है? इसके अलावा, शराब के कथित ठिकानों के कारण इलाके में असामाजिक तत्वों की आवाजाही बढ़ने से महिलाओं और आम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई जा रही है।

मुख्य संचालकों और लापरवाह अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग

वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद वडोदरा के नागरिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं में नाराजगी बताई जा रही है। लोगों की मांग है कि केवल छोटे स्तर पर शराब की कथित हेराफेरी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई तक मामला सीमित न रखा जाए, बल्कि पूरे नेटवर्क की जांच की जाए। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि शराब के कथित अवैध कारोबार को संचालित करने वाले मुख्य लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही, यदि जांच में किसी पुलिस अधिकारी या कर्मचारी की लापरवाही सामने आती है तो उसके खिलाफ भी विभागीय और दंडात्मक कार्रवाई की जाए। अब देखना होगा कि वायरल वीडियो का संज्ञान लेकर वडोदरा पुलिस मामले की जांच करती है या नहीं और जांच के बाद कथित शराब कारोबार से जुड़े लोगों तथा जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाती है।

फिल्म ‘हनुमान अंश’ को मध्यप्रदेश में कर-मुक्त करने की मांग, भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट ने शासन को भेजा अभ्यावेदन

नीम करोली बाबा के जीवन, मानव सेवा, प्रेम और सामाजिक सद्भाव के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने की पहल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा/उज्जैन। भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट ने पूज्य नीम करोली बाबा के जीवन, दर्शन, मानव सेवा, प्रेम, करुणा एवं सामाजिक सद्भाव के संदेशों पर आधारित फिल्म ‘हनुमान अंश’ को मध्यप्रदेश में कर-मुक्त किए जाने अथवा नियमानुसार कर में छूट/शासकीय प्रोत्साहन प्रदान किए जाने की मांग की है। इस संबंध में ट्रस्ट की ओर से मध्यप्रदेश शासन के प्रमुख सचिव, वाणिज्यिक कर विभाग तथा प्रमुख सचिव, संस्कृति विभाग को विधिवत अभ्यावेदन भेजकर फिल्म के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं जनजागरूकता संबंधी महत्व का परीक्षण करने तथा नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई किए जाने का अनुरोध किया गया है। ट्रस्ट का कहना है कि नीम करोली बाबा का जीवन मानवता, सेवा, प्रेम, परोपकार और सामाजिक सद्भाव की प्रेरणा देता है। ऐसे प्रेरणादायी विषय पर निर्मित फिल्म समाज, विशेषकर युवा पीढ़ी तक सकारात्मक संदेश पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बन सकती है। ढ्ढ।।त्रस्ञ्ज ने शासन से अनुरोध किया है कि यदि प्रचलित वैधानिक एवं प्रशासनिक प्रावधानों के अंतर्गत संभव हो तो फिल्म को मध्यप्रदेश में कर-मुक्त करने अथवा उपलब्ध शासकीय प्रोत्साहन प्रदान करने के संबंध में सकारात्मक निर्णय लिया जाए। ट्रस्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि उसका उद्देश्य किसी व्यावसायिक हित को बढ़ावा देना नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों, सेवा भावना, सामाजिक सद्भाव एवं भारतीय सांस्कृतिक चेतना को प्रोत्साहित करने वाली विषयवस्तु को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना है। राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील सिंह यादव ने अपने संदेश में कहा कि ‘नीम करोली बाबा का जीवन हमें मानवता और सेवा का मार्ग दिखाता है। आज आवश्यकता है कि हमारी युवा पीढ़ी केवल मनोरंजन ही नहीं, बल्कि ऐसे प्रेरणादायी जीवन एवं विचारों से भी जुड़े, जो समाज में प्रेम, सेवा, सद्भाव और परोपकार की भावना को मजबूत करें। यदि फिल्म की विषयवस्तु एवं निर्माण शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप पाया जाता है, तो मध्यप्रदेश सरकार द्वारा उसे कर-मुक्त अथवा उपलब्ध नियमानुसार प्रोत्साहन प्रदान किया जाना समाजहित में एक सकारात्मक कदम होगा। इसी उद्देश्य से भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट ने संबंधित विभागों के समक्ष अपना अभ्यावेदन प्रस्तुत किया है। ‘

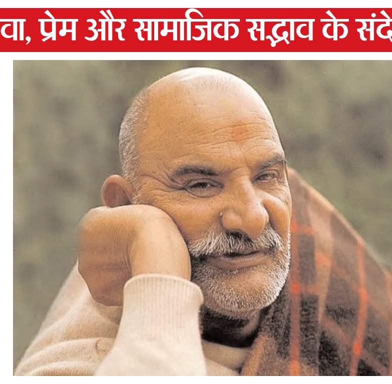

वरिष्ठ पदाधिकारियों का संयुक्त संदेश

‘भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट परिवार का मानना है कि सिनेमा समाज को प्रभावित करने वाला एक शक्तिशाली माध्यम है। जब किसी फिल्म की विषयवस्तु मानवता, सेवा, करुणा, सामाजिक सद्भाव और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनती है, तो ऐसी सकारात्मक पहल को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। संगठन के मालती सुनील सिंह यादव (राष्ट्रीय संस्थापक), शिवम तिवारी (राष्ट्रीय सचिव), डॉ. प्रेम कुमार वैद्य (राष्ट्रीय संयोजक), इंदरजीत सिंह चौहान (विधिक सलाहकार), कृष्णा यादव (राष्ट्रीय अध्यक्ष, युवा विंग), साधना सेठी (राष्ट्रीय महामंत्री), अनिता दुबे (प्रदेश सचिव) सुरेन्द्र प्रकाश यादव (राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष), युवराज सिंह राठौर(हेल्पलाइन प्रभारी), रामवेश सिंह राजावत, मनीष गुप्ता,जीवनलाल जैन ‘चाय वाले’ (मध्यप्रदेश मीडिया प्रभारी), शोम्पा शाह चटर्जी (प्रदेश प्रवक्ता, मध्यप्रदेश) ने संयुक्त रूप से कहा कि हम मध्यप्रदेश शासन से आग्रह करते हैं कि नीम करोली बाबा के जीवन एवं संदेशों पर आधारित फिल्म के सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व का नियमानुसार परीक्षण कर उचित निर्णय लिया जाए। यदि वैधानिक प्रावधान अनुमति देते हों, तो फिल्म को कर-मुक्त अथवा अन्य उपयुक्त शासकीय प्रोत्साहन देने पर विचार किया जाए। यह पहल किसी व्यक्ति या संस्था विशेष के हित के लिए नहीं, बल्कि मानवता, सेवा, सद्भाव और सकारात्मक सामाजिक संदेश को व्यापक स्तर पर पहुंचाने की भावना से की गई है। ‘

राष्ट्रीय खेल दिवस- मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा पर महापौर ने किया माल्यार्पण

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। महान हॉकी खिलाडी मेजर ध्यानचंद जी की जयंती के अवसर पर गौरव पथ के पास स्थापित उनकी प्रतिमा स्थल में आयोजित कार्यक्रम में महापौर मधुसूदन यादव ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हे श्रद्धापूर्वक नमन किये। इस अवसर पर निगम आयुक्त जी.आर. मरकाम, महापौर परिषद के प्रभारी सदस्य सावन वर्मा व शैकी बग्गा, पूर्व नेता प्रतिपक्ष किशुन यदु, पार्षद रवि सिन्हा व मनोहर यादव सहित खेल जगत से जुडे खिलाडी एवं वरिष्ठजन की विशेष उपस्थिति रही। मेजर ध्यानचंद जी की जयंती अवसर पर आयोजित खेल रैली में महापौर यादव शामिल हुए। कार्यक्रम में महापौर मधुसूदन यादव ने मेजर ध्यानचंद की जयंती की शुभकामनाएं देते हुये कहा कि मेजर ध्यानचंद जी खेल में विलक्षण प्रतिभा के धनी थें, इसलिए उन्हे हॉकी का जादूगर कहा जाता था। उनका जन्म 29 अगस्त 1905 में हुआ था, और उनकी जयन्ती को भारत में राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है। खेल जगत में उनके अद्वितीय योगदान, समर्पण और देश के गौरव को बढाने वाली उपलब्धिया सदैव हम सभी को प्रेरणा देती रहेगी। उन्होंने कहा कि संस्कारधानी हॉकी की नर्सरी के नाम से जाना जाता है और राजनांदगांव वापस हॉकी की नर्सरी की ओर बढ रहा है। हमारे सीनियर खिलाडी एवं जिला हॉकी संघ लगातार मेहनत कर रहे है, कि नये खिलाडी आए इसका परिणाम भी देखने को मिल रहा है। महापौर ने कहा कि हमारे शहर के खिलाडी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेल का प्रदर्शन कर शहर का नाम रोशन कर रहे है, इनमे प्रमुख रूप से महक निर्वासे, रेणुका यादव, ज्ञानेश्वरी यादव है। उन्होंने कहा कि इस बार भी शहर में राष्ट्रीय टुनामेंट होगा, नया एस्टोटर्फ भी लगेगा। ध्यानचंद जी की प्रतिमा पुरानी हो गयी है, प्रतिमा स्थल का जीर्णोद्धार कर सभी नई प्रतिमा लगाकर सौदर्यीकरण किया जायेगा। उन्होंने कहा कि नई पीढी के खिलाडी जिम्मेदारी पूर्वक हॉकी खेल अपना जोहर दिखाए, तभी मेजर ध्यानचंद जी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

डभोई में सुरक्षा नियमों की अनदेखी, 50 फीट ऊंचाई पर बिना सुरक्षा उपकरणों के काम करते मजदूर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। रेलवे स्टेशन पर निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज में श्रमिकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि करीब 40 से 50 फीट की ऊंचाई पर मजदूरों से बिना पर्याप्त सुरक्षा उपकरणों के काम कराया जा रहा है। स्थानीय लोगों के मुताबिक निर्माण स्थल पर हेलमेट, सुरक्षा हार्नेस, जूते और अन्य जरूरी सुरक्षा इंतजामों की पर्याप्त व्यवस्था नजर नहीं आ रही है। बताया जा रहा है कि इसी निर्माण कार्य के दौरान पहले भी ब्रिज से गिरने के कारण दो मजदूर गंभीर रूप से घायल हो चुके हैं। इसके बावजूद सुरक्षा व्यवस्था में अपेक्षित सुधार नहीं होने के आरोप लगाए जा रहे हैं। लोगों का कहना है कि ऊंचाई पर काम करने वाले श्रमिकों की सुरक्षा में किसी भी तरह की लापरवाही गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है। स्थानीय नागरिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों से तत्काल निर्माण स्थल का निरीक्षण कराने, सभी श्रमिकों को आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने और सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने की मांग की है। साथ ही, जांच में लापरवाही साबित होने पर संबंधित ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई गई है।

डभोई-वाघा मार्ग का नया डामर एक महीने में उखड़ा, निर्माण गुणवत्ता पर सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। फरती कुई से वाघा तक करोड़ों रुपये की लागत से हाल ही में बनाए गए डभोई-वाघा मार्ग की हालत महज एक महीने में खराब होने से निर्माण गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। कई जगहों से डामर उखड़ गया है और सड़क पर कंकड़, गिट्टियां तथा गड्डें नजर आ रहे हैं। स्थानीय लोगों ने निर्माण में घटिया सामग्री के इस्तेमाल और जिम्मेदार अधिकारियों की कथित लापरवाही के आरोप लगाए हैं। यह मार्ग स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की ओर जाने वाले प्रमुख रास्तों में शामिल है और रोजाना बड़ी संख्या में पर्यटक, बसें तथा अन्य वाहन गुजरते हैं। सड़क पर बिखरी गिट्टियों के कारण दोपहिया वाहन चालकों के फिसलने और दुर्घटना का खतरा बढ़ गया है। तेज रफ्तार वाहनों से गिट्टियां उछलने से अन्य वाहन चालकों और राहगीरों को भी परेशानी हो रही है। स्थानीय नागरिकों ने सड़क निर्माण में इस्तेमाल सामग्री, मोटाई और तकनीकी गुणवत्ता की जांच कराने की मांग की है। साथ ही संबंधित ठेकेदार और अधिकारियों की भूमिका की जांच कर लापरवाही साबित होने पर कार्रवाई की मांग उठाई गई है। लोगों ने खराब हिस्सों की तत्काल मरम्मत और पूरे मार्ग की गुणवत्तापूर्ण पुनः मरम्मत कराने की मांग की है। हालांकि, निर्माण में भ्रष्टाचार या घटिया सामग्री के आरोपों की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

डभोई के थुवावी चौराहे पर भीषण हादसा, बाइक और एक्टिवा की टक्कर में चार लोग गंभीर घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। तालुका के व्यस्त थुवावी चौराहे के पास बाइक और एक्टिवा के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि दोनों वाहनों पर सवार चार लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों और राहगीरों ने तुरंत घायलों की मदद की और 108 एंबुलेंस को सूचना दी। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। हादसे के कारण मार्ग पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और कुछ समय तक यातायात प्रभावित रहा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात सुचारू कराया। स्थानीय लोगों ने थुवावी चौराहे की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि यहां बड़ी संख्या में वाहन गुजरते हैं, लेकिन पर्याप्त यातायात नियंत्रण और सुरक्षा इंतजाम नहीं हैं। लोगों ने ट्रैफिक सिग्नल, स्पीड ब्रेकर, चेतावनी संकेतक, रोशनी और सुरक्षा रेलिंग लगाने की मांग की है। नागरिकों का कहना है कि दुर्घटना संभावित स्थानों पर हादसे के बाद कार्रवाई करने के बजाय पहले से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में गंभीर दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

डोभाल की कूटनीति और भारत-चीन संबंधों की नई करवट

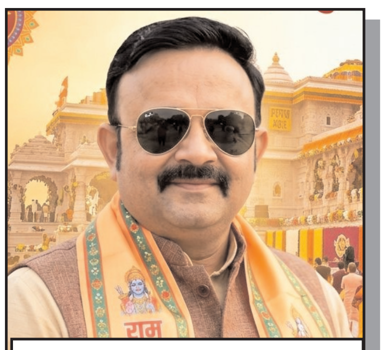

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

भारत-चीन संबंधों का सबसे कठिन दौर वर्ष 2020 में गलवान घाटी की हिंसक झड़प के बाद आया। चार वर्षों तक सीमा पर सैन्य तनाव बना रहा। अक्टूबर 2024 में दोनों देशों के बीच सैनिकों की पूर्ण वापसी और संबंधित विवादों के समाधान के बाद संबंधों को धीरे-धीरे पटरी पर लाने की प्रक्रिया शुरू हुई।

भारत और चीन के संबंधों में पिछले कुछ वर्षों की तल्खी के बाद अब संवाद, संयम और व्यावहारिक सहयोग का एक नया दौर दिखाई दे रहा है। इसे किसी अचानक आए परिवर्तन के रूप में नहीं, बल्कि सुरक्षा, कूटनीति और राष्ट्रीय हितों को साथ लेकर चलने वाली एक दीर्घकालिक प्रक्रिया के रूप में देखना चाहिए। इस बदलते परिदृश्य में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण बनकर सामने आई है। 25 अगस्त को बीजिंग में चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ हुई 25वें दौर की विशेष प्रतिनिधि वार्ता ने इस प्रक्रिया को ठोस आधार दिया है। दोनों पक्षों ने सीमा पर शांति बनाए रखने, सीमा निर्धारण की दिशा में शीघ्र एवं सार्थक प्रगति करने तथा सैन्य-द्विपक्षीय संपर्क व्यवस्था को मजबूत करने पर सहमति बनाई है। डोभाल की बीजिंग यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि यह केवल सीमा विवाद पर बातचीत नहीं थी। यह उस व्यापक प्रश्न पर विमर्श था कि क्या भारत और चीन प्रतिस्पर्धा के बावजूद सह-अस्तित्व, स्थिरता और पारस्परिक हितों का रास्ता तलाश सकते हैं। दोनों देशों ने दो अतिरिक्त सैन्य संपर्क-बिंदु और पूर्वी तथा मध्य क्षेत्रों में दो अतिरिक्त सैन्य दूरभाष संपर्क स्थापित करने पर सहमति जताई है। सीमा व्यापार, कैलाश-मानसरोवर यात्रा और सीमा-पार सहयोग को भी आगे बढ़ाने का निर्णय हुआ है।

अजीत डोभाल की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे सुरक्षा और कूटनीति को परस्पर विरोधी नहीं मानते। उनका दृष्टिकोण स्पष्ट है-मजबूत सुरक्षा-व्यवस्था ही प्रभावी कूटनीति की आधारभूमि बन सकती है। चीन के संदर्भ में भी भारत का संदेश यही रहा है कि सीमा पर शांति और स्थिरता के बिना द्विपक्षीय संबंधों का पूर्ण सामान्यीकरण संभव नहीं है। 25वें दौर की वार्ता में यही भारतीय दृष्टिकोण प्रमुखता से सामने आया। डोभाल का व्यक्तित्व केवल वातार्कार का नहीं, बल्कि सुरक्षा रणनीतिकार का है। वे लंबे समय तक खुफिया तंत्र में रहे, विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में काम किया और बाद में खुफिया ब्यूरो के प्रमुख बने। भारत सरकार के अनुसार, उन्होंने पूर्वोत्तर, सिक्किम, जम्मू-कश्मीर, पंजाब और पाकिस्तान से जुड़े सुरक्षा मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे देश के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हैं। उनकी कार्यशैली में एक उल्लेखनीय संतुलन दिखाई देता है-जहां आवश्यक हो वहां कठोरता और जहां अवसर हो वहां संवाद। उड़ी के बाद की सर्जिकल कार्रवाई, बालाकोट की कार्रवाई, डोकलाम संकट के दौरान कूटनीतिक प्रयास और आंतरिक सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने में उनकी भूमिका इसी व्यापक दृष्टिकोण के उदाहरण माने जाते हैं। 2026 में उन्हें लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने में उनके योगदान को विशेष रूप से रेखांकित किया।

भारत-चीन संबंधों का सबसे कठिन दौर वर्ष 2020 में गलवान घाटी की हिंसक झड़प के बाद आया। चार वर्षों तक सीमा पर सैन्य तनाव बना रहा। अक्टूबर 2024 में दोनों देशों के बीच सैनिकों की पूर्ण वापसी और संबंधित विवादों के समाधान के बाद संबंधों को धीरे-धीरे पटरी पर लाने की प्रक्रिया शुरू हुई। उसी वर्ष कजान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात में दोनों नेताओं ने सीमा पर शांति तथा मतभेदों को संबंधों की समग्र दिशा को प्रभावित न करने देने पर जोर दिया था। यही वह बिंदु था जहां डोभाल की भूमिका और महत्वपूर्ण हो गई। दिसंबर 2024 में विशेष प्रतिनिधि स्तर की बातचीत से शुरू हुई प्रक्रिया अब 25वें दौर तक पहुंची है। इस बार आठ बिंदुओं पर बनी सहमति संकेत देती है कि बातचीत केवल औपचारिकता नहीं रह गई है। सीमा निर्धारण और सीमा प्रबंधन के लिए विशेषज्ञ तथा कार्य समूहों को सक्रिय करना, वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गलतफहमी रोकने के लिए मौजूदा सैन्य एवं कूटनीतिक माध्यमों का उपयोग और नए संपर्क तंत्र बनाना व्यावहारिक विश्वास निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

भारत-चीन संबंध केवल सैनिक चौकियों और राजनयिक बैठकों तक सीमित नहीं हैं। दोनों देशों के बीच सभ्यतागत संपर्क भी रहा है। कैलाश-मानसरोवर यात्रा की पुनर्बहाली और विस्तार, सीमा व्यापार मार्गों को फिर खोलना तथा लोगों के बीच संपर्क बढ़ाना इसी व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है। 2026 में कैलाश-मानसरोवर यात्रा लिपुलेख और नाथू ला, दोनों मार्गों से संचालित हुई है। 25वें दौर की वार्ता में तीन निर्धारित सीमा व्यापार केंद्रों को फिर खोलने की प्रगति का स्वागत किया गया तथा व्यापार और तीर्थयात्रा को और मजबूत करने पर सहमति बनी। यह छोटा कदम नहीं है। सीमा पर सैनिकों की संख्या घटाना एक सुरक्षा उपाय है, लेकिन सीमा के दोनों ओर रहने वाले लोगों के लिए व्यापार और सांस्कृतिक संपर्क बढ़ाना दीर्घकालिक शांति की सामाजिक नींव तैयार करता है।

शी जिनपिंग की संभावित भारत यात्रा एक अवसर भी है, परीक्षा भी है। इसी पृष्ठभूमि में 12-13 सितंबर, 2026 को नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन पर पूरी दुनिया की नजर है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग की भारत यात्रा की संभावना जताई जा रही है। यदि यह यात्रा होती है तो यह सात वर्षों में उनकी पहली भारत यात्रा होगी। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार उनके साथ लगभग चार सौ अधिकारियों का बड़ा प्रतिनिधिमंडल भी आ सकता है। हालांकि 27 अगस्त तक चीन की ओर से उनकी यात्रा की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए शी की संभावित यात्रा को केवल एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भागीदारी नहीं माना जाना चाहिए। यह भारत-चीन संबंधों की वास्तविक दिशा को परखने का अवसर हो सकती है। वर्ष 2019 का चेन्नई संवाद अपेक्षाकृत सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ था, लेकिन उसके एक वर्ष बाद गलवान ने संबंधों को गहरे संकट में डाल दिया। अब यदि शी नई दिल्ली आते हैं तो दोनों देशों के पास उस टूटे हुए विश्वास को सावधानी से जोड़ने का अवसर होगा। लेकिन भारत को उत्साह में अपनी मूल सुरक्षा चिंताओं को पीछे नहीं छोड़ना चाहिए। अरुणाचल प्रदेश पर चीन के दावे, सीमा निर्धारण का लंबित प्रश्न और वास्तविक नियंत्रण रेखा पर पारदर्शिता जैसी चुनौतियां अभी समाप्त नहीं हुई हैं। इसलिए भारत की नीति मित्रता की आकांक्षा, लेकिन राष्ट्रीय हितों पर कोई समझौता नहीं होनी चाहिए।

डोभाल की विशेषता यही है कि वे संवाद को कमजोरी नहीं बनने देते और शक्ति को टकराव का पर्याय भी नहीं बनाते। उनकी कूटनीति में संदेश स्पष्ट है-भारत शांति चाहता है, लेकिन अपनी सुरक्षा कीमत पर नहीं, सहयोग चाहता है, लेकिन समानता के आधार परय संबंध सुधारना चाहता है, लेकिन सीमा की वास्तविकताओं को भुलाकर नहीं। आज भारत-चीन संबंध जिस मोड़ पर खड़े हैं, वहां डोभाल की भूमिका संकटमोचक से आगे बढ़कर विश्वास-निमार्ता और सुरक्षा-आधारित कूटनीति के सूत्रधार की बनती दिखाई देती है। 25वें दौर की वार्ता में हुई आठ सूत्रीय सहमति इसका प्रमाण है कि कठिनतम मतभेदों के बीच भी संवाद के रास्ते खुले रखे जा सकते हैं। शी जिनपिंग की संभावित भारत यात्रा इस प्रक्रिया को शीर्ष नेतृत्व की राजनीतिक दिशा दे सकती है। किंतु असली सफलता किसी एक शिखर बैठक की तस्वीर में नहीं, बल्कि सीमा पर स्थायी शांति, पारस्परिक विश्वास, व्यापारिक संपर्क और विवादों के न्यायसंगत समाधान में होगी। भारत को चीन से संबंध सुधारने हैं, लेकिन अपनी सामरिक स्वायत्तता और सुरक्षा-सजगता के साथ। डोभाल की कूटनीति का सार भी यही है-संवाद के दरवाजे खुले रहें, पर राष्ट्रीय हितों की चौखट कभी कमजोर न हो। यही दृष्टिकोण भारत-चीन संबंधों को टकराव से प्रतिस्पर्धी सह-अस्तित्व और अंततः स्थायी शांति की ओर ले जाने की सबसे व्यावहारिक राह बन सकता है।

संपादकीय

बिना हुनर के डिग्री

नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट हमारे नीति-नियंताओं को आईना दिखाने वाली है। चौंकाने वाली ये रिपोर्ट बताती है कि देश में नब्बे फीसदी से अधिक स्नातक ऐसी नौकरियां कर रहे हैं, जिसका उनकी डिग्री से कोई संबंध नहीं होता है। जाहिरा तौर पर यह आंकड़ा हमारी शिक्षा व्यवस्था की विसंगतियों को ही उजागर करता है। इसके मायने हैं कि आज भी महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों तथा अन्य शिक्षण संस्थानों में ऐसी शिक्षा दी जा रही है ,जो मौजूदा आर्थिकी से नहीं जोड़ती। देश-दुनिया का मौजूदा आर्थिक परिदृश्य बिल्कुल बदल चुका है। सरकारी नौकरियां ना के बराबर हैं, मगर हर स्नातक उसके लिये आवेदन करता है। जबकि रोजगार बाजार में उतरने के लिये युवाओं के पास कौशल विकास, व्यावहारिक दक्षता, तकनीकी ज्ञान और कुशल प्रबंधन का अनुभव होना जरूरी है। दरअसल, अधिकांश शिक्षण संस्थानों में आज भी वर्षों पुराना वह पाठ्यक्रम पढ़ाया जा रहा है जो मौजूदा प्रतिस्पर्धी समय में रोजगार उपलब्ध कराने की गारंटी नहीं देता। इसके लिये जरूरी है कि युवाओं को उद्योग, बाजार व व्यावसायिक संस्थानों की जरूरतों के अनुरूप शिक्षा दी जाए। लेकिन विडंबना यह है कि तीन-चार साल के अध्ययन के बाद छात्रों को जो डिग्री मिलती है, वह उन्हें रोजगार के बाजार में कदमताल करने का हुनर नहीं देती। यह तभी संभव है जब हमारी शिक्षा, कौशल विकास व अर्थव्यवस्था में तारतम्य स्थापित हो सकेगा। लेकिन हर साल लाखों बीए, एम.ए. व अन्य मानविकीय विषयों की डिग्री हासिल करने वाले बेरोजगारों की पंक्ति में शामिल हो जाते हैं। यही वजह है कि देश में स्नातक बेरोजगारों का प्रतिशत देश की सामान्य बेरोजगारी दर से कहीं अधिक है। महिला स्नातकों की दर तो पुरुष स्नातकों से भी कहीं ज्यादा है। ऐसे में उस उच्च शिक्षा का क्या औचित्य जो युवाओं को रोजगार नहीं दे सकती। असल में, बदलते वक्त के अनुरूप युवाओं की शिक्षा में जो जरूरी बदलाव किए जाने चाहिए थे, वे अभी तक सिरे नहीं चढ़ पाये हैं। दरअसल, हर युवा में कला-कौशल का एक विशिष्ट गुण होता है। उसका मूलभूत रुझान एक विशेष क्षेत्र में होता है। लेकिन इस गुण को न तो अभिभावक समझ पाते हैं और न ही शिक्षक। छात्र भेड़चाल में आकर शिक्षण संस्थानों में दाखिला लेते हैं। लेकिन यह उनकी रुचि का विषय नहीं होता है। कई अध्ययन बताते हैं कि अपनी रुचि के विषय में युवा बेहतर कार्य प्रदर्शन करते हैं। यह संभव नहीं कि हर छात्र डॉक्टर व इंजीनियर ही बने। लेकिन समाज में ऐसा करने की होड़ बनी हुई है। एक समय बैंकिंग, रेलवे आदि में भविष्य तलाशने की होड़ लगी।

चिंतन-मनन

कर्त्तव्य को बनाएं सर्वोपरि लक्ष्य

अध्यापक ने विद्यार्थियों से पूछा- 'रामायण और महाभारत में क्या अंतर है?' विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी समझ के अनुसार उत्तर दिए। अध्यापक को संतोष नहीं हुआ। एक विद्यार्थी ने अनुरोध किया- 'आप ही बताइए' अध्यापक बोला-रामायण और महाभारत में सबसे बड़ा अंतर है 'हक-हकूक' का। रामायण में राम ने अपना अधिकार छोड़ा, राज्य छोड़ा और चौदह वर्षों तक वन में जाकर रहे। वे चाहते तो अधिकार के लिए लड़ाई कर सकते थे। दशरथ उन्हें वन में नहीं भेजना चाहते थे। अयोध्या की जनता उनके वन-गमन से व्यथित थी। पर राम ने अपने कर्त्तव्य को अधिकार से ऊपर रखा। पिता के कहे का पालन उनके जीवन का महान आदर्श था।

महाभारत का संपूर्ण कथानक अधिकारों की लड़ाई का कथानक है। कौरव और पांडव आपस में चचेरे भाई थे। भाई-भाई के रिश्तों में जो गंध होती है, मिठास होती है, अपनापा होता है, उसका दर्शन ही वहां कहां होता है! पांडव सब कुछ जुए में हार गए। सब वादे पूरे कर वे लौटे तो दुर्योधन ने पांच गांव तो क्या, सूई की नोक के बराबर भूमि भी देने से मना कर दिया। ये दो उदाहरण हैं - हमारे सामने। प्रथम उदाहरण अपनेपन से भरे आत्मीय संबंधों का है। यह संबंधों की मधुरता व्यक्ति को कभी आत्मकेंद्रित नहीं होने देती। वह अपने बारे में नहीं सोचता; परिवार, समाज और देश के बारे में सोचता है। उसका अपना कोई स्वार्थ होता ही नहीं। पद-प्रतिष्ठा और सुख-सुविधा के संस्कारों से वह ऊपर उठ जाता है। ऐसा वही व्यक्ति कर सकता है, जो कर्त्तव्य को अपने जीवन का सवरेपरि लक्ष्य मानता है। वह संस्कृति सफल होती है जो कर्त्तव्यनिष्ठा व्यक्तियों को जन्म देती है।

वह शताब्दी सफल होती है, जो कर्त्तव्य की धारा को सतत प्रवाही बनाकर जन-जन तक पहुंचाती है। वह परंपरा सफल होती है, जो कर्त्तव्य का बोध देती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूजा-प्रतिष्ठा, मान-सम्मान और सुख-सुविधा की अर्थहीन चिंता छोड़कर व्यक्ति अपने जीवन को कर्त्तव्य के लिए समर्पित कर दे।

कानून पढ़ने वाले छात्रों के निशाने पर मुख्य न्यायाधीश?

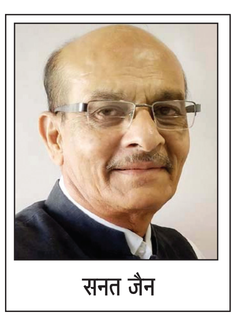

सनत जैन

भारत में न्यायपालिका को लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ माना जाता है। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से देश की जनता केवल कानूनी फैसलों की अपेक्षा नहीं करती, बल्कि निष्पक्षता, संवेदनशीलता और संविधान के मूल्यों की रक्षा की उम्मीद भी करती है। ऐसे में जब देश के प्रमुख राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी ही मुख्य न्यायाधीश की भूमिका और सार्वजनिक आचरण पर सवाल उठाने लगें, तब इसे केवल एक व्यक्ति के विरोध के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। यह विरोध न्यायपालिका और नई पीढ़ी के बीच पैदा हो रहे विश्वास के संकट का सबसे बड़ा संकेत है। इसी तरह से आम जनता के लिए अलग, सरकार और बड़े-बड़े लोगों के लिए न्यायपालिका की अलग भूमिका को लेकर पिछले कुछ वर्षों में यह विरोध बढ़ता हुआ दिख रहा है। आम लोगों के दिमाग में यह बात घर कर रही है, कि इस देश में दो तरह के कानून लागू हैं। एक अमीरों के लिए और दूसरा गरीबों के लिए। हाल के घटनाक्रम ने इस चिंता को और गहरा कर दिया है। हैदराबाद स्थित नल्सर यूनिवर्सिटी के सैकड़ों विद्यार्थियों ने मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि बनाए जाने पर आपत्ति जताई। विद्यार्थियों ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित पुलिस कार्रवाई से संबंधित मामले की सुनवाई में वीडियो देखने से इनकार किए जाने को लेकर सवाल उठाए। इसके बाद बेंगलुरु की प्रतिष्ठित नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी (एनएलएसआईयू) में भी विद्यार्थियों और पूर्व विद्यार्थियों ने मुख्य न्यायाधीश तथा बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा की प्रस्तावित उपस्थिति पर आपत्ति दर्ज कराई। उपलब्ध जानकारी के अनुसार 165 स्नातक विद्यार्थियों, 409 वर्तमान विद्यार्थियों और 128 पूर्व विद्यार्थियों ने इस संबंध में खुला पत्र जारी कर अपना विरोध दर्ज कराया। अंततः 2026 का दीक्षांत समारोह रद्द कर दिया गया। यूनिवर्सिटी ने विद्यार्थियों को डिग्रियां डाक से भेजना और स्वयं छात्रों को प्रदान करना शुरू कर दिया। यह घटना इसलिए असाधारण है, क्योंकि कानून के विद्यार्थी न्यायपालिका से बाहर के नहीं हैं। उन्हें लंबे समय तक कानून की पढ़ाई कर संविधान में नागरिकों के मौलिक अधिकार, कर्तव्य, संवैधानिक संस्थाओं व लोकतंत्र के बारे में ज्ञान अर्जित किया है। यह छात्र न्याय प्रक्रिया को समझने वाले वर्ग के हैं। वे संविधान, मौलिक अधिकार, न्यायिक समीक्षा, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिक स्वतंत्रता का ज्ञान हासिल किया है। यदि यही विद्यार्थी शांतिपूर्ण और संस्थागत तरीके से किसी न्यायिक पदाधिकारी के प्रति अपनी असहमति व्यक्त करते हैं, तो लोकतंत्र में इसे सुनना चाहिए, मनन कुमार मिश्रा ने बार काउंसिल की ओर से विरोध को दबाने का जो प्रयास किया था, उनका भी इन छात्रों ने विरोध किया। मुख्य न्यायाधीश की 'कॉकरोच' टिप्पणी पर भी युवाओं के बीच व्यापक प्रतिक्रिया हुई है। मई में एक सुनवाई के दौरान उन्होंने कुछ ऐसे युवाओं की तुलना 'कॉकरोच' से की थी, जो कानून के पेशे में रोजगार न मिलने के बाद मीडिया, सोशल मीडिया या आरटीआई गतिविधियों के माध्यम से व्यवस्था पर हमला करते हैं। बाद में मुख्य न्यायाधीश ने स्पष्ट किया, कि उनकी टिप्पणी फर्जी डिग्री के आधार पर पेशे में आने वाले लोगों के संदर्भ में थी, समूचे भारतीय युवाओं के लिए नहीं। मुख्य न्यायाधीश के इन शब्दों का लोकतंत्र में प्रभाव भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है, जितना शब्दों का उद्देश्य।

गुजरात पुलिस के इतिहास का सबसे काला चैप्टर

डरावने और रोंगटे खड़े कर देने वाले स्वीटी पटेल मर्डर केस की पूरी इनसाइड स्टोरी

रक्षक ही भक्षक बन गया!

अहमदाबाद/वडोदरा। गुजरात पुलिस के दशकों पुराने इतिहास में अनगिनत मुश्किल क्राइम सॉल्व हुए हैं, लेकिन साल 2021 में सामने आए 'स्वीटी पटेल मर्डर केस' ने गुजरात समेत पूरे देश की पुलिस फोर्स और लोगों को हिलाकर रख दिया था। यह केस इसलिए डरावना था क्योंकि कानून का रक्षक और पुलिस इंस्पेक्टर (PI) अजय देसाई, जिनके डिसिप्लिन, खाकी वर्दी और कानून पर जनता को भरोसा था, वही पूरी स्क्रिप्ट का मास्टरमाइंड और कातिल साबित हुए।

झूठा प्यार, शादी और दिमाग में पली एक भयानक साज़िश

पुलिस ऑफिसर के तौर पर काम कर रहे P.I. अजय देसाई और कर्जन की सोसाइटी में रहने वाली स्वीटी पटेल के बीच लव अफेयर था। दोनों पिछले कई सालों से पति-पत्नी की तरह 'लिव-इन रिलेशनशिप' में साथ रह रहे थे। लेकिन यह रिश्ता तब टूट गया जब P.I. अजय देसाई ने दूसरे परिवार की लड़की से शादी कर ली थी। इस वजह से स्वीटी पटेल और अजय देसाई के बीच अक्सर झगड़े और मानसिक तनाव रहता था। स्वीटी पटेल अपने हक और समाज में इज़्ज़त के लिए लगातार अजय देसाई पर दबाव बना रही थी। अपना पुलिस करियर और अपनी नई-नवेली पत्नी के साथ रिश्ता खतरे में पड़ता देख, अजय देसाई के मन में स्वीटी पटेल को हमेशा के लिए अपने रास्ते से हटाने का एक डरावना आइडिया आया।

देर रात गला घोंटकर हत्या और जुर्म का बेरहम प्लान

जून 2021 के पहले हफ्ते की एक देर रात, जब पूरा करजण शहर सो रहा था, अजय देसाई का अपने ही घर में स्वीटी पटेल से फिर झगड़ा हुआ। गुस्से में और पहले से तय साज़िश के तहत, अजय देसाई ने स्वीटी पटेल का मुंह और गला दबाकर बेरहमी से हत्या कर दी, जिससे उसका शैतानी दिमाग सामने आ गया। मर्डर के बाद, एक बेरहम पुलिस ऑफिसर की तरह, उसने जुर्म के सारे सबूत मिटाने का प्लान बनायाः

लाश को ठिकाने लगानाः मर्डर के बाद, उसने बॉडी को अपनी प्राइवेट कार की डिस्क में डाल दिया ताकि स्वीटी पटेल की मरी हुई आत्मा या शरीर की पहचान न हो सके।

दोस्त से मददः उसने अपने करीबी दोस्त और आणंद जिले के अटाली गांव के पास एक बंद होटल के मालिक किरीटसिंह जडेजा से कॉन्टैक्ट किया।

खाकी की चालाकी से सबूत जलाएः स्वीटी पटेल की बॉडी को अटाली गांव के पास एक सुनसान जगह पर लकड़ी, केमिकल और पेट्रोल का इस्तेमाल करके घंटों तक जलाया गया, ताकि एक भी हड्डी या सबूत सही-सलामत न बचे।

पुलिस और परिवार को गुमराह करने का 'मास्टर गेम'

मर्डर को अंजाम देने के बाद, अजय देसाई ने बहुत ही बेरहमी से ड्रामा शुरू किया। उसने स्वीटी पटेल के भाई और परिवार को बताया कि, 'स्वीटी अचानक घर से बिना किसी को बताए कहीं चली गई है। ' पुलिस ऑफिसर होने के नाते, उसे इन्वेस्टिगेशन की सारी डिटेल्स पता थीं। उसने खुद ही गायब होने को इस तरह से जोड़ना शुरू कर दिया कि इन्वेस्टिगेशन भटक गई। लेकिन स्वीटी पटेल के परिवार ने लोकल पुलिस की जांच से नाखुशी जताई और हाई लेवल पर शिकायत की।

ATS और CID क्राइम की एंट्रीः शैतानी दिमाग के खिलाफ मॉडर्न साइंस की जीत

केस की गंभीरता और शक की सुई खुद पुलिस ऑफिसर की ओर जाने पर, होम डिपार्टमेंट ने इस पेचीदा केस की जांच CID क्राइम और गुजरात ATS (एंटी-टेररिज्म स्क्वाड) की जॉइंट टीमों को सौंप दी।

IPS ऑफिसर्स और अनुभवी पुलिस ऑफिसर्स की एक टीम ने इस जांच को लीड कियाः

DySP भावना पटेल और सीनियर टीमों द्वारा सर्विलांसः जांच टीम को लीड करने वाले ऑफिसर्स ने ट्रेडिशनल प्राइवेट इन्फॉर्मर्स और टेक्निकल सर्विलांस का सहारा लिया।

हाई-टेक FSL से मददः FSL (फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी) टीम ने अटाली गांव में बंद होटल के पीछे से राख और मिट्टी के कणों की बारीकी से जांच की। वहां से इंसानी हड्डियों और दांतों के बहुत छोटे जले हुए अवशेष मिले।

DNA प्रोफाइलिंग से पक्के सबूत मिलेः बरामद अवशेषों के DNA सैंपल स्वीटी पटेल के माता-पिता के DNA से मैच हुए। FSL रिपोर्ट से यह साफ़ हो गया कि जले हुए अवशेष स्वीटी पटेल के थे।

सख्त पूछताछ में गार्ड टूट गया और उसे

सलाखों के पीछे डाल दिया गया

टेक्निकल और साइंटिफिक सबूत मिलने के बाद, CID और ATS टीमों ने उस समय के PI अजय देसाई से कड़ी और साइकोलॉजिकल पूछताछ की। अजय देसाई, जो खुद को कानून से ऊपर मानता था, आखिरकार पुलिस की कड़ी पूछताछ और पक्के DNA सबूतों के आगे टूट गया। उसने कबूल किया कि उसने अपने दोस्त किरीटसिंह जडेजा की मदद से स्वीटी पटेल का गला घोंटा था और उसकी बॉडी जला दी थी।

गुजरात क्राइम फाइल का नतीजा

स्वीटी पटेल मर्डर केस ने दिखा दिया कि क्रिमिनल कितनी भी चालाकी करे, कानून की ताकत का कितना भी गलत इस्तेमाल करे या सबूत जलाने की कोशिश करे... लेकिन कानून के लंबे और मज़बूत पंखों से कोई नहीं बच सकता। छ्द्धष्ठ क्राइम और॰ञ्स के ईमानदार अधिकारियों की कड़ी मेहनत से एक वहशी कातिल सलाखों के पीछे पहुंचा और पीड़ित परिवार को इंसाफ मिला।

AMU स्टूडेंट कृष्णा ने पीजी में जान दे दी, सुसाइड नोट में लिखा- मैं लूजर हूं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अलीगढ़ । मुस्लिम यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले होनहार छात्र कृष्णा ने गुरुवार देर रात एक पीजी में फांसी लगा ली। मरने से पहले उसने सुसाइड नोट में लिखा- मैं लूजर हूं। कुछ कर नहीं पा रहा हूं, इसलिए जान दे रहा हूं। 19 साल के बेटे की मौत की खबर सुनकर घरवाले हैरान-परेशान हैं। तीन महीने पहले ही युवक ने एनडीए की लिखित परीक्षा पास की थी।कृष्णा के पिता विक्रांत शर्मा जम्मू के पीर मीठा इलाके में रहते हैं। वह भाजपा के पूर्वी मंडल के प्रवक्ता हैं। कृष्णा चार दिन पहले ही घर से अलीगढ़ वापस लौटा था। पिता ने बताया कि घटना से तीन घंटे पहले ही उनकी कृष्णा से वीडियो कॉल पर बात हुई थी। कृष्णा ने 12वीं के बाद एएमयू के विदेशी भाग में बीए सेकेंड इयर में फ्रेंच भाषा की पढ़ाई कर रहा था।

पिता जम्मू से अलीगढ़ पहुंचे कृष्णा एएमयू के बाहर दोदपुर इलाके में एक मकान में पीजी में रहता था। उसने एनडीए की लिखित परीक्षा पास कर ली थी। अब इंटरव्यू होना था। बेटे की मौत की खबर पाकर पिता जम्मू से अलीगढ़ पहुंच गए हैं। सुसाइड नोट में लिखा था 'बाबू'पुलिस को कृष्णा के कमरे से जो सुसाइड नोट मिला है उसमें बाबू शब्द भी लिखा है। पुलिस इसको लेकर कृष्णा के साथियों से पूछताछ कर रही है। साथियों ने बताया कि वह किसी से फोन पर काफी देर तक बाते करता था। पुलिस मोबाइल का लॉक खुलवाने की कोशिश कर रही है। कॉल डिटेल मिलने पर आत्महत्या के कारणों का खुलासा हो सकता है।। उसने रक्षाबंधन पर बहन से वादा किया था कि वह वीडियो कॉल पर राखी बंधवाएगा।

अस्पताल में भड़की आग, नवजात बच्चे लेकर बिल्डिंग से बाहर भागे तीमारदार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बरेली यूपी के बरेली में अस्पताल की चौथी मंजिल पर अचानक आग लग गई। फायर ब्रिगेड ने घंटों मेहनत के बाद आग पर काबू पा लिया है।यूपी के बरेली स्थित नवोदय अस्पताल में शनिवार सुबह आग लग गई। आग की लपटें देखकर मरीजों और तीमारदारों में दहशत फैल गई। लोग नवजात बच्चों को लेकर बिल्डिंग से बाहर भागने लगे। पुलिस ने बताया कि अस्पताल की चौथी मंजिल पर शॉर्ट सर्किट से लगी आग पर फायर ब्रिगेड ने पूरी तरह से काबू पा लिया है। सभी मरीजों को सुरक्षित बाहर निकालकर दूसरी जगह पर शिफ्ट कर दिया गया है। इस हादसे में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है। स्थिति सामान्य है।

शार्ट सर्किट से आग लगने की आशंका

इज्जतनगर इलाके में स्थित इस अस्पताल के चौथे मंजिल पर इत्तेफाक से कोई मरीज नहीं था। हालांकि नीचे की मंजिलों पर मौजूद मरीजों को सुरक्षित दूसरी जगह पर शिफ्ट कर दिया गया है। एसी में शार्ट सर्किट की वजह से आग लगने की आशंका जताई जा रही है।

भगदड़ जैसे हालात बने

अस्पताल कर्मचारियों ने अलग अलग वार्ड में भर्ती मरीजों को सुरक्षित जगह पर पहुंचाया। मरीजों और तीमारदारों के एक साथ बाहर आने की वजह से अस्पताल परिसर में काफी भीड़ जमा हो गई। कुछ समय तक मौके पर भगदड़ जैसे हालात नजर आए। हालांकि समय रहते सभी को बाहर निकाल लिए जाने से अनहोनी होने से टल गई।

मिनी बाईपास रोड पर लगा लंबा जाम

अस्पताल में आग लगने की खबर फैलने पर इलाके के लोग भी उधर आने लगे। इसकी वजह से मिनी बाईपास रोड पर वाहनों का लंबा जाम लग गया। कई लोग अपने वाहन सड़क किनारे खड़ा कर अस्पताल में जाने लगे। यह देखकर पुलिस मौके पर आई और यातायात व्यवस्था को सामान्य कराया।

क्या बोले अग्निशमन अधिकारी

अग्निशमन अफसर संजीव कुमार ने बताया कि शुरुआत तौर पर आग एसी में शार्ट सर्किट की वजह से लगने की आशंका जताई जा रही है। घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

पेंट्री कार का खाना खाने से बच्चे बीमार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खंडवा। रेलवे स्टेशन आधी रात को अस्पताल में तब्दील हो गया। डॉक्टरों की टीम ट्रेन में सफर कर रहे बच्चों के इलाज के लिए मौके पर पहुंचे। इस दौरान ट्रेन खड़ी रही। स्वास्थ्य में सुधार होने के बाद ही ट्रेन को रवाना होने की इजाजत दी गई। हजरत निजामुद्दीन से एर्नाकुलम जा रही 12618 मंगला एक्सप्रेस में सफर कर रहे स्कूली बच्चों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। जानकारी के अनुसार, फूड पॉइजनिंग के कारण बच्चों को उल्टी, दस्त और तेज बुखार की शिकायत हुई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए रेलवे विभाग में खंडवा जिला प्रशासन से संपर्क किया। खंडवा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन को 1 घंटे के लिए रोका गया। स्वास्थ्य विभाग और रेलवे की मेडिकल टीम ने सभी बच्चों का इलाज किया। बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार के बाद ही ट्रेन को खंडवा रेलवे स्टेशन से रवाना किया गया।जानकारी के अनुसार, केरल के त्रिचुर स्थित एक स्कूल का दल दिल्ली के शैक्षणिक भ्रमण से वापस लौट रहा था। शुक्रवार दोपहर के समय बच्चों ने ट्रेन की पैंट्रीकार से भोजन किया था। भोजन करने के लगभग चार घंटे बाद कई बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी।

'डकैतों का गिरोह है सपा'अपनी अय्याशी के लिए प्रदेश के खजाने पर डकैती डाली–सीएम योगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

305 करोड़ रुपये की लागत वाली 80 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया

देवरिया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को यहां कहा कि यह वही देवरिया है, जहां कांग्रेस की सरकार में विरोध के बावजूद कांग्रेस विधायक रहते हुए पूज्य राघव बाबा ने राम जन्मभूमि आंदोलन में हिस्सा लिया था। उन्होंने कहा था कि यदि कांग्रेस राम मंदिर की राह में बाधा बनेगी तो इसे स्वीकार नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राघव बाबा ने कांग्रेस की तुष्टिकरण की राजनीति का विरोध किया था। आज यही देवरिया विकास के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देवरिया में 305 करोड़ रुपये की लागत वाली 80 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर जमकर हमले किए। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में सरकार, राज्य और नौकरशाही वही थी, लेकिन तब न सुरक्षा थी, न विकास, न सम्मान और न रोजगार। गरीबों को आवास और बिजली तक उपलब्ध नहीं थी। स्कूल नकल के अड्डे बन गए थे। बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों की जर्जर हालत उस समय की सरकारों की जर्जरता का ही प्रमाण प्रस्तुत करती थी।पूर्वी यूपी में पहले मां-बाप अपने बच्चों को लेकर चिंतित रहते थे मुख्यमंत्री योगी ने पूर्वी यूपी में इंसेफ्लाइटिस की समस्या को लेकर भी समाजवादी पार्टी और कांग्रेस को कठघरे में खड़ा

किया। उन्होंने कहा कि 15 जुलाई से 15 नवंबर तक देवरिया, कुशीनगर, महराजगंज, गोरखपुर, सिद्धार्थनगर, संत कबीर नगर और बस्ती में पहले भय और दहशत का माहौल रहता था। हर मां-बाप अपने मासूम बच्चों को लेकर चिंतित रहता था। उन्होंने कहा कि यह बीमारी नहीं थी, यह उस समय की समाजवादी पार्टी और कांग्रेस की सरकारों की बीमार मानसिकता थी। यह बीमार मानसिकता थी जो यहां के मासूमों को निगल रही थी और इनके कानों में जूं तक नहीं रेंगता था। ये मौन बने रहते थे, इनकी संवेदना मर चुकी थी।योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इसका दुष्परिणाम यहां के मासूमों को भुगतना पड़ा। उन्होंने दावा किया कि 40 वर्षों में 50 हजार से अधिक मासूमों की मौत हुई, लेकिन एक भी बार समाजवादी पार्टी का मुख्यमंत्री, कांग्रेस का मुख्यमंत्री या कांग्रेस का प्रधानमंत्री यहां पीड़ितों का हाल जानने के लिए नहीं आया। मुख्यमंत्री ने लखनऊ के जय प्रकाश नारायण अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (जेपीएनआईसी) को लेकर भी समाजवादी पार्टी और उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा ने अपनी विचारधारा के मुखिया जय प्रकाश नारायण को भी नहीं छोड़ा। सीएम योगी ने कहा कि जेपीएनआईसी की प्रारंभिक लागत करीब 200 करोड़ रुपये थी, लेकिन सपा सरकार में इस पर 864 करोड़ रुपये खर्च कर दिए गए और इसके बावजूद परियोजना अधूरी रह गई। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि इसे पूरा करने में अब भी 150 से 200 करोड़ रुपये खर्च करने की आवश्यकता है। योगी ने आरोप लगाया कि सपा की मंशा सरकारी खजाने से 900 से 1000 करोड़ रुपये खर्च करने के बाद जेपीएनआईसी को एक निजी कंपनी के हवाले करने की थी। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि इस कंपनी से सपा के नेताओं का संबंध था और कमाई उनके घर जाने की योजना थी। मुख्यमंत्री ने इस दौरान डिंपल यादव, अखिलेश यादव और धर्मेंद्र यादव का भी नाम लिया। मुख्यमंत्री ने सपा सरकार की नीतियों पर हमला बोलते हुए कहा कि उस समय कब्रिस्तान की बाउंड्री के नाम पर पैसा खर्च किया जाता था। उन्होंने कहा, सपा का मतलब लूट-खसोट, सपा का मतलब डकैतों का गिरोह। उन्होंने सपा सरकार में बेटियों के साथ हुए व्यवहार का भी जिक्र करते हुए विपक्ष पर निशाना साधा। सीएम योगी ने 60 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा की सुविधा शुरू किए जाने के बाद अखिलेश यादव की प्रतिक्रिया पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि जब सरकार मुफ्त बस यात्रा का शुभारंभ कर रही थी, तब समाजवादी पार्टी के बबुआ की नींद टूटी और उन्होंने जल्दबाजी में प्रेस वार्ता बुला ली। योगी ने कहा कि भूल गए कि बोलना क्या है, कहने लगे कि 4 लाख लेंगे, 40 हजार लेंगे इन लोगों से। हमने कहा लेना नहीं, देना है इनको।

पुलिया पर उफान था, फिर भी बाइक आगे बढ़ा दी... नदी में बह गया युवक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश के शिवपुरी में हो रही बारिश के चलते नदी-नाले उफान पर हैं. ऐसे में उफनती पुलिया को पार करना एक बाइक सवार को भारी पड़ गया. पुलिया के ऊपर से तेज बहाव में पानी बह रहा था. इसके बावजूद युवक बाइक लेकर पुलिया पार करने लगा. तभी पानी के तेज बहाव ने उसे बाइक समेत अपने साथ बहा लिया. शिवपुरी में बारिश के बीच एक युवक को उफनती पुलिया पार करना भारी पड़ गया. बाइक लेकर पानी के तेज बहाव के बीच उतरा युवक कुछ ही सेकेंड में बाइक समेत नदी में बह गया. गनीमत रही कि उसे तैरना आता था, इसलिए किसी तरह तैरकर किनारे पहुंच गया और उसकी जान बच गई. हालांकि उसकी बाइक पानी के तेज बहाव में बह गई. इस पूरी घटना का वीडियो सामने आया है. मामला शिवपुरी के रन्नौद इलाके का है. यहां रन्नौद-मायापुर मार्ग पर पेट्रोल पंप के पास बनी पुलिया के ऊपर से पानी बह रहा था. पिछले 24 घंटे से इलाके में लगातार बारिश हो रही है. इसकी वजह से नदी-नाले उफान पर हैं और रास्तों पर भी पानी भर गया है.इसी दौरान एक युवक बाइक लेकर पुलिया पार करने पहुंच गया. सामने तेज बहाव था, पानी पुलिया के ऊपर से बह रहा था. लेकिन युवक ने बाइक आगे बढ़ा दी. शुरुआत में वह पानी के बीच बाइक को संभालते हुए आगे बढ़ता दिखाई देता है. फिर अचानक बहाव का दबाव बढ़ा और बाइक का बैलेंस बिगड़ गया. इसके बाद जो हुआ, वो कैमरे में कैद हो गया.पानी का तेज बहाव युवक और उसकी बाइक को अपने साथ बहाकर ले गया. कुछ पल के लिए ऐसा लगा कि युवक भी पानी में फंस गया है. उसे तैरना आता था. उसने हिम्मत नहीं छोड़ी और किसी तरह तैरकर नदी के किनारे पहुंच गया. युवक की जान तो बच गई, लेकिन बाइक नहीं बच सकी. तेज बहाव बाइक को अपने साथ बहाकर ले गया. घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है. वीडियो में देखा जा सकता है कि किस तरह उफनती पुलिया पर पानी के तेज बहाव के बीच युवक बाइक लेकर उसे पार करने की कोशिश करता है और देखते ही देखते बह जाता है. बारिश के मौसम में नदी, नाले और पुलिया पार करने का जोखिम कितना भारी पड़ सकता है, ये घटना उसकी एक और मिसाल है.पानी कम दिखे या बाइक निकलती हुई नजर आए, लेकिन बहाव के आगे गाड़ी का वजन भी कुछ नहीं होता. ऐसे रास्तों पर कुछ सेकेंड की जल्दबाजी जान पर भारी पड़ सकती है. फिलहाल इस घटना में युवक की जान बच गई है. लेकिन उसकी बाइक तेज बहाव में कहां तक बह गई, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है.

गाजीपुर की जहूराबाद सीट से इलेक्शन लड़ेंगे ओमप्रकाश राजभर, यूपी चुनाव को लेकर सुभासपा अध्यक्ष ने खोले पत्ते

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजीपुर।सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी कैबिनेट में पंचायत राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने खुद के चुनाव लड़ने को लेकर सियासी पत्ते खोल दिए हैं। ओमप्रकाश राजभर वर्तमान में गाजीपुर की जहूराबाद सीट से विधायक हैं। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि वह आगामी यूपी विधानसभा चुनाव अपनी वर्तमान सीट जहूराबाद से ही लड़ेंगे। आगामी यूपी विधानसभा चुनाव में ओमप्रकाश राजभर को लेकर तमाम तरह की सियासी अटकलें लगाई जा रही थी। बीच में यह भी बात सामने आई थी कि राजभर आजमगढ़ की अतरौलिया सीट से खुद चुनाव लड़ने के इच्छुक हैं। मीडिया से बातचीत में उन्होंने साफ किया कि वह जहूराबाद से ही आने वाला विधानसभा चुनाव लड़ेंगे।

अतरौलिया से चुनाव लड़ने की अटकलों को किया खारिज

ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि उनकी पार्टी सभी 403 सीटों पर राजनीतिक रूप से काम करती हैं। सीटों का बंटवारा दिल्ली के स्तर पर गठबंधन के घटकों के साथ बातचीत के बाद तय होता है। राजभर ने कहा कि चूंकि वह अतरौलिया में रहते हैं इसलिए लोगों के दिमाग में अतरौलिया से उनके चुनाव लड़ने की बात आ सकती है।

29 नवंबर को आजमगढ में शक्ति प्रदर्शन

राजभर ने यह भी कहा कि आगामी 29 नवंबर को आजमगढ में उनकी पार्टी की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान वह अपना राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन करेंगे। वह दिखाएंगे कि आजमगढ़ में उनकी क्या सियासी ताकत है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा इस कार्यक्रम से लोगों को यह जानकारी भी होगी कि उनकी पार्टी किस तरह की राजनीति लहर प्रदेश की राजनीति में लाने वाली हैं।

2017 चुनाव में एनडीए का हिस्सा थे राजभर बताते चलें कि 2017 के विधानसभा चुनाव में ओमप्रकाश राजभर एनडीए गठबंधन का हिस्सा थे और जहूराबाद से विधायक निर्वाचित हुए थे। 2017 में गठित यूपी सरकार में भी वह मंत्री बनाए गए थे। वहीं 2022 में उन्होंने समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ा था। इस बार भी वह विधायक निर्वाचित होने के बाद योगी कैबिनेट में शामिल हुए।

जहूराबाद से चुनाव लड़ेंगे राजभर

ओम प्रकाश राजभर को लेकर तमाम सियासत कयासों के साथ जोड़ा जा रहा था। राजभर को लेकर कहा जा रहा था कि वह शायद अपनी विधानसभा सीट बदलकर आजमगढ़ की अतरौलिया सीट से आगामी विधानसभा चुनाव लड़ें। राजभर के हालिया बयान के बाद स्पष्ट होता दिख रहा है विगत दो बार से वह जिस विधानसभा सीट से विधायक निर्वाचित हुए हैं। वहीं से वह आगामी यूपी विधानसभा चुनाव का भी चुनाव लड़ने की मंशा रखते हैं।

नोएडा में खाने-पीने के शौकीनों की बल्ले-बल्ले, बॉटेनिकल गार्डन और सेक्टर 18 में खुलेंगे स्ट्रीट मार्केट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नोएडा। दिल्ली से सटे नोएडा शहर में शॉपिंग और खान-पान प्रेमियों के लिए जल्द ही दो नए स्ट्रीट-मार्केट खुलने वाले हैं। बॉटेनिकल गार्डन और जीआईपी मॉल के बीच स्थित कियॉस्क्स का संचालन शुरू करने की तैयारी चल रही है। इसी तरह सेक्टर-18 में भी एक स्ट्रीट-मार्केट बनाए जाने की योजना है। इन दोनों स्थानों पर कुल मिलाकर 34 कियोस्क लगाए जाएंगे। बॉटेनिकल गार्डन और जीआईपी मॉल के बीच 19 कियोस्क और सेक्टर-18 में 15 कियोस्क होंगे। इनका संचालन शुरू होने के बाद लोग खुले माहौल में खाना-पीना और खरीदारी करने के नए स्थान का लाभ उठा सकेंगे।

17 सितंबर तक मांगे आवेदन

नोएडा प्राधिकरण ने कियोस्क चलाने के लिए कंपनियों से आवेदन मांगे है। इच्छुक फर्में 17 सितंबर तक आवेदन जमा कर सकती हैं। उसके बाद तय नियमों के अनुपालन के आधार पर कियोस्क आवंटित किए जाएंगे। नोएडा प्राधिकरण का उद्देश्य कम परिचालन लागत के साथ अधिक राजस्व देने वाली कंपनियों को प्राथमिकता देना है। ताकि प्राधिकरण की आय बढ़े और जनता को बेहतर स्ट्रीट-मार्केट की सुविधा मिल सके।

पहले भी निकल चुका है टेंडर

नोएडा प्राधिकरण पहले भी कियोस्क चलाने के लिए तीन बार टेंडर निकाल चुका है, लेकिन नियमों के अनुरूप पर्याप्त आवेदन न मिलने की वजह से काम आगे नहीं बढ़ पाया। अब फिर से कंपनियों से आवेदन मंगाए गए हैं। नोएडा प्राधिकरण उम्मीद कर रहा है कि इस बार प्रक्रिया पूरी होने पर लंबे समय से तैयार पड़े कियोस्क जनता के लिए खोल दिए जाएंगे।

इंदौर की तर्ज पर विकसित होंगे मार्केट

कियोस्क को इंदौर के 56 मार्केट की तरह विकसित करने की योजना है। इन स्ट्रीट-मार्केट में मुख्यतः खान-पान की दुकानें होंगी और विभिन्न व्यंजनों के विकल्प उपलब्ध कराए जाएँगे। लोगों के बैठने और घूमने के लिए बेहतर वातावरण तैयार किया जा रहा है। मार्केट खुलने के बाद यह शाम के समय युवाओं और परिवारों दोनों के लिए घूमने और खाने का नया स्थल बन सकता है। यहां 100 से अधिक वाहनों के लिए सतह पार्किंग की व्यवस्था की जाएगी, जिससे आगंतुकों को सड़क पर गाड़ियां खड़ी करने की परेशानी नहीं होगी। इस परियोजना पर कुल मिलाकर करीब 2.23 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। कियोस्क चलाने की प्रक्रिया पूरी होने पर, लंबे इंतजार के बाद दोनों स्ट्रीट-मार्केट जनता के लिए खुलने की उम्मीद है।

इलाज के दौरान गर्भवती महिला और बच्चे की मौत, सरकार का एक्शन, डॉक्टर समेत 4 को किया सस्पेंड

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रीवा जिले के गांधी मेमोरियल अस्पताल में एक गर्भवती महिला और उसके अजन्मे बच्चे की मौत के बाद सरकार ने बड़ा एक्शन लिया है। मामले में दो डॉक्टरों और दो नर्सिंग अधिकारियों समेत 4 लोगों को निलंबित कर दिया गया है। उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने मामले में सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके साथ ही चिकित्सा लापरवाही और महिला के परिवार के साथ दुर्व्यवहार के आरोपों की जांच के लिए एक जांच समिति का गठन किया गया है।

सरकार की प्राथमिकता नहीं है

डेप्युटी सीएम राजेन्द्र शुक्ला ने कहा कि मरीजों की सुरक्षा और निर्धारित चिकित्सा प्रोटोकॉल का पालन सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मरीजों और उनके परिजनों के प्रति संवेदनशील और सम्मानजनक व्यवहार के साथ-साथ निर्धारित चिकित्सा प्रोटोकॉल का पालन करना सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने का निर्देश दिया और कहा कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि जांच समिति के निष्कर्षों के आधार पर तथ्यों के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए आवश्यक सुधारात्मक उपाय किए जाएंगे। सुबह लगभग 2:38 बजे गांधी मेमोरियल अस्पताल के प्रसूति एवं स्त्रीरोग विभाग में भर्ती कराया गया था। उसी दिन रात लगभग 11:55 बजे उनकी और उनके अजन्मे बच्चे की मृत्यु हो गई।

प्लेटलेट की संख्या में हुई थी वृद्धि

चिकित्सा रिकॉर्ड से पता चला कि जब उन्हें भर्ती कराया गया था तब उनके प्लेटलेट की संख्या लगभग 30,000 प्रति माइक्रोलीटर थी। उनका रक्तचाप बहुत अधिक था और लिवर एंजाइम भी उच्च स्तर पर पाए गए। डॉक्टरों ने उन्हें गंभीर प्री-एक्लेम्पसिया, गंभीर थ्रोम्बोसाइटोपेनिया और एचईएलएलपी सिंड्रोम के साथ-साथ पूर्ण अवधि की गर्भावस्था से ग्रसित पाया। सरकार ने कहा कि निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार उपचार और आवश्यक चिकित्सा प्रक्रियाएं शुरू की गईं।

किन अधिकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई

बाद में परिवार ने दुर्व्यवहार और उपचार में लापरवाही का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई। प्रसूति एवं स्त्रीरोग विभाग की सोनल अग्रवाल और एनेस्थीसिया विभाग की निधि पांडे को प्रथम दृष्टया कर्तव्य में घोर लापरवाही और गंभीर अनुशासनहीनता के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। दोनों नर्सिंग अधिकारियों को परिवार के साथ दुर्व्यवहार के आरोपों के बाद निलंबित किया गया।

परिजनों को सौंपा गया शव

आरोपों की जांच के लिए वरिष्ठ डॉक्टरों की एक समिति गठित की गई है। परिवार की मांग पर रीवा जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज की एक संयुक्त टीम ने महिला और उसके अजन्मे बच्चे का पोस्टमार्टम कराया। आवश्यक औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद, शवों को शव वाहन द्वारा उनके पैतृक गांव ले जाया गया।

हाइवे में ट्रक और पिकअप की भिड़ंत, ड्राइवर जिंदा जला, पुलिस ने मामला दर्ज कर शुरू की जांच

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झाबुआ। जिले में थांदला के पास दिल्ली-मुंबई 8-लेन एक्सप्रेसवे के पहुंच मार्ग पर शुक्रवार रात भीषण सड़क हादसा हो गया। ट्रक और पिकअप वाहन की आमने-सामने जोरदार टक्कर के बाद दोनों वाहनों में अचानक आग लग गई। जानकारी के अनुसार शुक्रवार रात एक ट्रक दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे की ओर जा रहा था। इसी दौरान सामने से आ रही पिकअप से उसकी जोरदार भिड़ंत हो गई।

दोनों वाहनों में आग लग गई

टक्कर इतनी भीषण थी कि कुछ ही देर में दोनों वाहनों में आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटें तेज हो गईं और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे के दौरान पिकअप चालक को वाहन से बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। वह वाहन के अंदर ही फंस गया और आग में झुलसने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान मियाटी निवासी तेरु खिमा भाबर के रूप में हुई है।

ट्रक ड्राइवर मौके से फरार

हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना

मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस ने घटनास्थल पर यातायात व्यवस्था को सुचारू कराया। साथ ही हादसे के संबंध में मामला दर्ज कर फरार ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है।

हादसे में पिकअप चालक की मौत

स्थानीय लोगों का कहना है कि एक्सप्रेस-वे के पहुंच मार्ग की चौड़ाई कम होने के कारण यहां वाहनों की आवाजाही में परेशानी होती है। सड़क पर एक साथ दोनों दिशाओं से आने-जाने वाले वाहनों के कारण दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

इलाज के बहाने बेटे को ले गया पिता, फिर कर दी हत्या, दो आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली के दक्षिण-पूर्वी जिले में 38 वर्षीय गुल हसन की हत्या के मामले में पुलिस ने उसके 64 वर्षीय पिता तालुकदार अंसारी और 49 वर्षीय मोहम्मद वसीम उर्फ अकरम को गिरफ्तार किया है। 23 अगस्त को कालिंदी कुंज के पास एक लावारिस कंटेनर में गुल हसन का शव मिला था। शव के सिर पर गंभीर चोट के निशान थे और मौके से खून से सना कंक्रीट का पत्थर भी बरामद हुआ था। पुलिस के अनुसार, जांच में मृतक की पहचान गुल हसन के रूप में हुई। बताया गया कि गुल हसन मानसिक बीमारी से पीड़ित था। पुलिस ने परिवार और परिचितों से पूछताछ के बाद उसके पिता और मोहम्मद वसीम पर संदेह जताया। पूछताछ में दोनों से वारदात से जुड़ी जानकारी मिलने का पुलिस ने दावा किया है। पुलिस के मुताबिक, गुल हसन को इलाज कराने के बहाने कालिंदी कुंज के पास स्थित कंटेनर तक ले जाया गया था। आरोप है कि वहां मोहम्मद वसीम ने उसके सिर पर कंक्रीट के पत्थर से हमला किया। इसके बाद दोनों ने कथित तौर पर उसके साथ मारपीट की और कपड़े की रस्सी से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल कथित हथियार, खून से सने कपड़े और रस्सी बरामद करने का दावा किया है। अब पुलिस हत्या के पीछे की वजह और दोनों आरोपियों की भूमिका समेत वारदात से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

1 सितंबर से 15 अक्टूबर तक यात्रियों को परेशानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। फरीदाबाद रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्य के चलते दिल्ली और पलवल के बीच रेल यात्रियों की परेशानी बढ़ सकती है। रेलवे ने स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 2 और 3 पर विद्युत एवं यातायात अवरोध के कारण 1 सितंबर से 15 अक्टूबर तक दिल्ली-पलवल मार्ग की 9 ट्रेनों को रद्द करने का फैसला किया है। रोजाना इस मार्ग से सफर करने वाले यात्रियों को यात्रा से पहले ट्रेन की स्थिति जांचने की सलाह दी गई है। रेलवे के अनुसार, इस अवधि में शकूरबस्ती-बल्लभगढ़, बल्लभगढ़-शकूरबस्ती, गाजियाबाद-पलवल, पलवल-शकूरबस्ती, नई दिल्ली-पलवल, पलवल-गाजियाबाद, शकूरबस्ती-पलवल और पलवल-शकूरबस्ती सहित कई सेवाएं प्रभावित रहेंगी। नई दिल्ली-पलवल की एक अन्य सेवा भी निर्धारित तारीखों पर रद्द रहेगी।

कई एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव भी प्रभावित

फरीदाबाद स्टेशन के पुनर्विकास कार्य का असर कई प्रमुख एक्सप्रेस ट्रेनों पर भी पड़ेगा। मालवा एक्सप्रेस, ग्रैंड ट्रंक एक्सप्रेस और केरल सुपरफास्ट जैसी ट्रेनों का फरीदाबाद स्टेशन पर ठहराव अस्थायी रूप से बंद रहेगा। इसके अलावा करीब 43 ट्रेनों के प्लेटफॉर्म में भी बदलाव किया गया है।

आधुनिक सुविधाओं से बदलेगा फरीदाबाद स्टेशन

पुनर्विकास के बाद फरीदाबाद स्टेशन को आधुनिक स्वरूप देने की योजना है। इसमें चौड़ा कॉनकोर्स, अलग आगमन और प्रस्थान क्षेत्र, बहुस्तरीय वाहन पार्किंग, भोजन क्षेत्र, खरीदारी क्षेत्र, लिफ्ट, स्वचालित सीढ़ियां और दिव्यांग यात्रियों के लिए विशेष सुविधाएं शामिल होंगी। रेलवे के इस निर्माण कार्य के दौरान यात्रियों को अस्थायी असुविधा का सामना करना पड़ेगा।

दिल्ली चिड़ियाघर का बदलेगा रूप, शानदार प्रवेश द्वार से होगी सैर की शुरुआत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली चिड़ियाघर के आधुनिकीकरण का लंबे समय से प्रतीक्षित काम अगले महीने से शुरू होने जा रहा है। करीब 400 करोड़ रुपये की स्वीकृत योजना के तहत मथुरा रोड से लेकर चिड़ियाघर परिसर तक बुनियादी ढांचे में बड़े बदलाव किए जाएंगे। शुरुआत करीब 60 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले प्रवेश प्रांगण से होगी, जिसे पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखकर तैयार किया जाएगा।

प्रवेश प्रांगण में मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं

करीब 10 एकड़ क्षेत्र में प्रवेश, निकास, पार्किंग और वाहनों के लिए अलग-अलग सुविधाएं विकसित की जाएंगी। यहां यू-आकार की तीन लेन बनाई जाएंगी। एक लेन में बसों के लिए व्यवस्था होगी, दूसरी में कार और दोपहिया वाहनों से आने वाले पर्यटकों के लिए उतारने और लेने की सुविधा रहेगी, जबकि तीसरी लेन में पार्किंग विकसित की जाएगी। मथुरा रोड की ओर चिड़ियाघर का बड़ा प्रवेश द्वार बनाया जाएगा। सुंदर नगर फ्लाईओवर का विस्तार कर एक रास्ता चिड़ियाघर परिसर तक जोड़ा जाएगा, जिससे चिड़ियाघर और पुराने किले जाने वाले लोगों को सड़क पार करने में आसानी होगी।

जानवरों की जानकारी एक ही जगह मिलेगी

प्रवेश प्रांगण में दर्शक केंद्र भी बनाया जाएगा। यहां स्क्रीन और कंप्यूटर की मदद से पर्यटक चिड़ियाघर में मौजूद जानवरों, उनके बाड़ों और वहां पहुंचने के रास्ते की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। बैठने की व्यवस्था के साथ स्मृति चिह्नों की दुकान भी होगी, जहां टी-शर्ट, टोपी, कप और कैलेंडर सहित कई वस्तुएं उपलब्ध रहेंगी। पूरी योजना का लक्ष्य चिड़ियाघर को आधुनिक सुविधाओं से लैस करना और वन्यजीवों के साथ पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाना है। प्रवेश प्रांगण का निर्माण करीब 18 महीने में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। योजना में वन तारा के ग्रीन जू बचाव एवं पुनर्वास केंद्र की सिफारिशों को भी शामिल किया गया है।

सोनिया गांधी की किताब पर प्रियंका चतुर्वेदी बोलीं- उम्मीद है कोई और इसे प्रकाशित करने की हिम्मत दिखाएगा

बिलॉन्गिंग' के भारत में प्रकाशन को लेकर विवाद, प्रियंका चतुर्वेदी ने जताई उम्मीद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की प्रस्तावित किताब 'बिलॉन्गिंगः ए जर्नी ऑफ लव' को लेकर राजनीतिक और साहित्यिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया द्वारा भारत में किताब प्रकाशित नहीं किए जाने की खबरों के बीच शिवसेना उद्धव गुट की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने प्रतिक्रिया दी है। प्रियंका चतुर्वेदी ने सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट करते हुए उम्मीद जताई कि भारत में कोई अन्य प्रकाशन संस्था सोनिया गांधी की किताब प्रकाशित करने का साहस दिखाएगी, ताकि भारतीय पाठकों को इसे पढ़ने का मौका मिल सके। उन्होंने किताब को लेकर अपने उत्साह का भी इजहार किया। बताया जा रहा है कि पेंगुइन वर्ल्डवाइड किताब को मूल रूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित करने के लिए तैयार है, जबकि भारत में इसके प्रकाशन को लेकर बदलाव की बात सामने आई है। इसी वजह से किताब का भारत में प्रकाशन चर्चा का विषय बन गया है। 'बिलॉन्गिंग' में सोनिया गांधी के नेहरू-गांधी परिवार में प्रवेश, राजीव गांधी के साथ उनके संबंध और प्रेम कहानी के साथ-साथ निजी जीवन के दुखद अनुभवों का भी वर्णन होने की बात कही जा रही है। कांग्रेस की ओर से इस मामले में कथित दबाव को लेकर सवाल उठाए गए हैं। प्रियंका चतुर्वेदी पूर्व में कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता रह चुकी हैं। वर्ष 2019 में कांग्रेस छोड़ने के बाद उन्होंने शिवसेना का दामन थामा और बाद में पार्टी में विभाजन

के बाद उद्धव ठाकरे गुट के साथ रहीं। सोनिया गांधी की किताब को लेकर उनकी प्रतिक्रिया के बाद राजनीतिक चर्चा और तेज हो गई है।

40 लाख रुपये की रिश्वत लेते अतिरिक्त आयुक्त समेत 3 गिरफ्तार अदालत ने गिरफ्तारी को बताया अवैध

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर विभाग के अधिकारियों के खिलाफ सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अतिरिक्त आयुक्त विनय कुमार कंथेती, अधीक्षक राकेश कुमार सिन्हा और एक निजी व्यक्ति नरिंदर राजपूत को 40 लाख रुपये की कथित रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। आरोप है कि पत्थर खनन कंपनी से जुड़े वस्तु एवं सेवा कर और रॉयल्टी मामले को निपटाने के लिए अधिकारियों ने 1.50 करोड़ रुपये की रिश्वत मांगी थी। बातचीत के बाद यह रकम घटाकर 40 लाख रुपये कर दी गई। सीबीआई ने जाल बिछाकर 40 लाख रुपये की रकम लेते हुए आरोपियों को पकड़ने का दावा किया है। एजेंसी के अनुसार, रिश्वत की रकम स्वीकार किए जाने की बात पूछताछ में संबंधित अधिकारियों की ओर से भी सामने आई। हालांकि गिरफ्तारी के कुछ घंटे बाद ही ठाणे की अदालत ने सीबीआई की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए तीनों आरोपियों को 15-15 हजार रुपये के निजी मुचलके पर रिहा करने का आदेश दिया। अदालत ने गिरफ्तारी की प्रक्रिया को कानूनी प्रावधानों के अनुरूप नहीं माना और सीबीआई की हिरासत में पूछताछ की मांग भी खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि रिश्वत की रकम पहले ही बरामद हो चुकी है, इसलिए हिरासत में पूछताछ के लिए पर्याप्त आधार नहीं है। सीबीआई ने यह मामला 26

अगस्त को दर्ज किया था। अब एजेंसी की ओर से अदालत के आदेश को चुनौती देने या आगे की कानूनी प्रक्रिया अपनाने की संभावना जताई जा रही है। मामले में रिश्वत मांगने और स्वीकार करने के आरोपों की जांच जारी है।

दिल्ली के बुजुर्गों की बल्ले-बल्ले, अब बनेंगे मेलजोल और सुकून के ठिकाने

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार वरिष्ठ नागरिकों के लिए 'वयो आनंद' योजना शुरू करने जा रही है। इसके तहत 60 वर्ष और उससे अधिक उम्र के बुजुर्गों के लिए मनोरंजन केंद्र विकसित किए जाएंगे। इन केंद्रों में बुजुर्गों को मेलजोल, मनोरंजन, योग और स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों के लिए सुविधाएं मिलेंगी। कैरम, लूडो जैसे खेलों के साथ समाचार पत्र, पत्रिकाएं, किताबें, टेलीविजन और

कंप्यूटर की सुविधा भी उपलब्ध होगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि बुजुर्ग समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनके सम्मान, स्वास्थ्य, सक्रिय जीवन और सामाजिक जुड़ाव को सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। योजना का उद्देश्य बुजुर्गों को घर के आसपास ही सुरक्षित स्थान उपलब्ध कराना है, जहां वे हमउम्र लोगों के साथ समय बिताकर अकेलेपन से दूर रह सकें।

सप्ताह में पांच दिन खुलेगा केंद्र

मनोरंजन केंद्र सप्ताह में पांच दिन सुबह 7 बजे से रात 8 बजे तक संचालित किए जाएंगे। बैठने की पर्याप्त व्यवस्था के साथ शौचालय की सुविधा भी होगी। इसके लिए भूतल पर बने केंद्रों को प्राथमिकता दी जाएगी। बहुमंजिला भवन होने पर लिफ्ट की सुविधा अनिवार्य होगी। चिकित्सा शिविर और प्राथमिक उपचार सामग्री की व्यवस्था भी रखी जाएगी।

कम से कम 200 सदस्य जरूरी

योजना के तहत प्रत्येक केंद्र में कम से कम 200 ऐसे सदस्य होना जरूरी होगा, जिनकी उम्र 60 वर्ष या उससे अधिक हो। केंद्र संचालित करने वाले पात्र संगठनों को सालाना 2.40 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी, जिसका भुगतान साल में दो बार किया जाएगा। महिला, दिव्यांग और ट्रांसजेंडर वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही आपात स्थिति में सहायता के लिए नजदीकी पुलिस थाने और अस्पतालों से संपर्क बनाए रखने की व्यवस्था होगी। सरकार का दावा है कि योजना से बुजुर्गों को सक्रिय और सामाजिक जीवन जीने के लिए बेहतर माहौल मिलेगा।

म्हाडा का राज्यव्यापी किराया पोर्टल होगा तैयार, एजेंटों की मनमानी पर लगेगी लगाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र में किराये का मकान तलाशने वालों के लिए जल्द ही प्रक्रिया आसान होने वाली है। महाराष्ट्र गृहनिर्माण क्षेत्र विकास प्राधिकरण (म्हाडा) राज्यव्यापी किराया आवास पोर्टल तैयार कर रहा है। इसके लिए म्हाडा ने टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के साथ समझौता किया है। पोर्टल पर वैध रिहायशी संपत्तियों की जानकारी उपलब्ध होगी, जिससे किरायेदार सीधे अपनी जरूरत के अनुसार मकान तलाश सकेंगे। म्हाडा के उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी अनिल वानखेड़े के अनुसार, कोई भी व्यक्ति अपनी वैध रिहायशी संपत्ति पोर्टल पर पंजीकृत कर किराये पर दे सकेगा। व्यावसायिक संपत्तियों को इसमें शामिल नहीं किया जाएगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य किराये के बाजार में बिचौलियों की मनमानी, अधिक दलाली

और फर्जीवाड़े पर रोक लगाना है।

घर बैठे मिल सकेगी मकान की जानकारी

मकान मालिक पोर्टल पर अपने घर का पूरा विवरण अपलोड कर सकेगा। वहीं किरायेदार उपलब्ध मकानों की जानकारी देखकर अपनी आवश्यकता और बजट के अनुसार घर चुन सकेंगे। इससे मकान मालिक और किरायेदार के बीच होने वाली प्रक्रिया अधिक पारदर्शी होने की उम्मीद है। पोर्टल पर मकान मालिक को किरायेदार की जानकारी दर्ज करनी होगी। किरायेदार के साथ रहने वाले लोगों का विवरण और पुलिस सत्यापन सहित आवश्यक दस्तावेज भी अपलोड किए जाएंगे।

किराया और जमा राशि का भी रहेगा रिकॉर्ड

नए पोर्टल पर मासिक किराये के साथ जमा राशि का विवरण भी दर्ज किया जाएगा। इससे किराया, जमा राशि लौटाने या अन्य शर्तों को लेकर होने वाले विवादों में डिजिटल रिकॉर्ड उपलब्ध रहेगा। म्हाडा का मानना है कि यह व्यवस्था किराये के मकान से जुड़े लेन-देन को सुरक्षित और पारदर्शी बनाने में मदद करेगी।

चार साल एलएलबी में फेल हुआ तो खुद बना ली फर्जी डिग्री, फिर शुरू किया नकली मार्कशीट का कारोबार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चंद्रपुर। महाराष्ट्र के चंद्रपुर में फर्जी डिग्री, अंकतालिका और स्थानांतरण प्रमाणपत्र बनाने और बेचने वाले गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने कथित मास्टरमाइंड परिमल गौरकर और उसके साथी अक्षय खोब्रागड़े को नागपुर से गिरफ्तार किया है। मामले में अब तक तीन आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस जांच में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। जांच एजेंसियों को संदेह है कि परिमल खुद भी एलएलबी की परीक्षा में लगातार चार साल असफल रहा था। इसके बाद उसने कथित तौर पर अपनी ही फर्जी डिग्री और अंकतालिका तैयार कर ली और इन्हीं दस्तावेजों के आधार पर वकालत की सनद हासिल करने की कोशिश की। हालांकि, पुलिस ने अभी इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। पुलिस के मुताबिक, गिरोह ग्राहकों की जरूरत के अनुसार नामी विश्वविद्यालयों के नाम पर फर्जी शैक्षणिक दस्तावेज तैयार करता था। इन दस्तावेजों के बदले कथित तौर पर 5 से 10 लाख रुपये तक लिए जाते थे। आरोपियों के पास से फर्जी डिग्री और अंकतालिकाओं के अलावा एक लग्जरी कार भी बरामद की गई है। जांच में नागपुर, अमरावती और गोंडवाना विश्वविद्यालय सहित महाराष्ट्र, राजस्थान और कर्नाटक के विभिन्न विश्वविद्यालयों के नाम पर दस्तावेज तैयार किए

जाने के सुराग मिले हैं। बैंक खातों में करोड़ों रुपये के लेनदेन की जानकारी भी पुलिस के हाथ लगी है। अब पुलिस पूरे नेटवर्क, एजेंटों और फर्जी दस्तावेज हासिल करने वाले लोगों की पहचान में जुटी है।

8 आईपीएस समेत 18 एसीपी की पोस्टिंग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में पुलिस विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। बाहर से आए 8 आईपीएस अधिकारियों समेत 18 सहायक पुलिस आयुक्तों के स्थानांतरण और तैनाती के आदेश जारी किए गए हैं। सभी 8 आईपीएस अधिकारियों को अलग-अलग उपमंडलों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इनमें 2023 और 2024 बैच के अधिकारी शामिल हैं। आईपीएस गौरव कुमार त्रिपाठी को नंद नगरी, सिद्धार्थ सिंह को लाजपत नगर, तेनजिन यांगिकी को कल्याणपुरी, श्रीकेश कुमार राय को न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी, गौरव सिंह को बवाना, हरनीत सिंह सूडान को डाबड़ी, कीर्ति यादव को सीआर पार्क और विनोद कुमार मीणा को जहांगीरपुरी उपमंडल की जिम्मेदारी दी गई है।

कई सहायक पुलिस आयुक्तों का भी तबादला

तैनाती आदेश के तहत डाबड़ी के सहायक पुलिस आयुक्त संजीव कुमार को केंद्रीय जिले के पीजी प्रकोष्ठ में भेजा गया है। लाजपत नगर के सकारिया मिहिर को दक्षिण-पूर्व जिले के संचालन की जिम्मेदारी दी गई है। न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी के रवि शंकर को नई दिल्ली जिला पीजी प्रकोष्ठ और सीआर पार्क की अपूर्वा वर्मा को दक्षिण जिला पीजी प्रकोष्ठ में तैनात किया गया है। बवाना के जोगिंदर सिंह को यातायात, नंद नगरी के विजय कुमार को पीसीआर और कल्याणपुरी के पवन कुमार को विवेक विहार उपमंडल की जिम्मेदारी सौंपी गई है। हौजखास के ऋतुराज को पालम हवाई अड्डा और पालम हवाई अड्डे के प्रदीप कुमार मीणा को हौजखास उपमंडल भेजा गया है। इस फेरबदल के बाद राजधानी के कई प्रमुख क्षेत्रों में पुलिस अधिकारियों की नई तैनाती हुई है। अधिकारियों के कार्यभार संभालने के बाद स्थानीय कानून-व्यवस्था और पुलिसिंग में इसके प्रभाव पर नजर रहेगी।

ऑटो-टैक्सी चालकों के लिए मराठी अनिवार्य करने पर फडणवीस का बड़ा फैसला, विपक्ष की रणनीति पर लगा ब्रेक

मराठी अनिवार्यता पर फडणवीस का बड़ा दांव, ऑटो-टैक्सी चालकों को मिली राहत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र में ऑटो-टैक्सी चालकों के लिए मराठी भाषा सीखने की अनिवार्यता के मुद्दे पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के एक फैसले के बाद राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। फडणवीस ने चालकों को मराठी सीखने के लिए एक साल की अतिरिक्त मोहलत देने की घोषणा की। इसके बाद मुंबई समेत राज्य के कई हिस्सों में ऑटो-टैक्सी चालकों ने खुशी जताई। इस फैसले से भाषा के मुद्दे पर सरकार को घेरने की तैयारी कर रहे विपक्षी दलों की रणनीति को झटका लगा है। वहीं, शिवसेना उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने आरोप लगाया कि यह फैसला दिल्ली के दबाव में लिया गया। भाजपा ने इन आरोपों को खारिज करते हुए राउत पर पलटवार किया।

शिंदे गुट के नेताओं के बयान भी थमे

मराठी सीखने की अनिवार्यता को लेकर महायुति सरकार में शामिल शिंदे गुट के नेताओं की ओर से भी लगातार बयान सामने आ रहे थे। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक इस मुद्दे पर चर्चा में थे। फडणवीस की एक साल की मोहलत की घोषणा के बाद इस मुद्दे पर महायुति के भीतर चल रही बयानबाजी भी काफी हद तक शांत हो गई।

ऑटो-टैक्सी चालकों ने मनाया जश्न

मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद मुंबई सहित महाराष्ट्र के कई शहरों में ऑटो-टैक्सी चालकों ने खुशी जताई। मुंबई की आरे कॉलोनी में भाजपा नेता

अभिजीत राणे की ओर से कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में चालक शामिल हुए। इस दौरान नाच-गाने के साथ फैसले का स्वागत किया गया। राणे ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि ऑटो-टैक्सी चालक इस निर्णय का स्वागत करते हैं। वहीं, राज ठाकरे के विरोध को लेकर उन्होंने कहा कि संगठन उनके विरोध का जवाब देने के लिए तैयार है।

नेपाल-तिब्बत सीमा पर महाप्रलय में महाराष्ट्र के 200 से 400 नागरिक फंसे, 60 के लापता होने की आशंका

मुंबई (एजेंसी)। नेपाल और तिब्बत की सीमा से लगे क्षेत्रों में आई भीषण बाढ़ और प्राकृतिक आपदा के बीच महाराष्ट्र के करीब 200 से 400 नागरिकों के फंसे होने का अनुमान है। इनमें से करीब 100 से 125 लोगों का एक समूह सुरक्षित बताया जा रहा है। यह समूह मानसरोवर की ओर आगे बढ़ रहा है या फिर वहां से वापसी के मार्ग पर है। हालांकि, सीमा क्षेत्र में सड़कें और इमिग्रेशन पोस्ट बह जाने के कारण इन यात्रियों की सुरक्षित वापसी बड़ी चुनौती बन गई है। नेपाल और चीन की सरकारें उनके लिए वैकल्पिक मार्ग तलाशने में जुटी हैं। अखिल महाराष्ट्र गिर्यारोहण महासंघ के अध्यक्ष उमेश झिरपे ने कहते हैं कि वे प्रभावित यात्रियों और कुछ गिर्यारोहकों के लगातार संपर्क में हैं। उनके अनुसार, मुंबई से गए एक समूह के करीब 60 लोगों के लापता होने की आशंका है। इस समूह में महाराष्ट्र के नागरिकों के अलावा कुछ अनिवासी भारतीय भी शामिल हैं। वहीं, अब तक करीब 105 नागरिकों के सुरक्षित रूप से भारत लौटने की जानकारी सामने आई है। सीमा क्षेत्र में लगातार खराब मौसम और बाढ़ के कारण राहत एवं बचाव अभियान बेहद चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। कई स्थानों पर संपर्क मार्ग और सड़कें क्षतिग्रस्त होने से यात्रियों तक पहुंचना मुश्किल हो रहा है। प्रभावित लोगों के परिजन भी चिंता में हैं। महाराष्ट्र से लापता नागरिकों के कई रिश्तेदार नेपाल की ओर रवाना होने लगे हैं। इस बीच, काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास ने प्रभावित भारतीय नागरिकों की सहायता के लिए विशेष सहायता कक्ष शुरू किया है। दूतावास और स्थानीय प्रशासन के माध्यम से फंसे हुए लोगों की जानकारी जुटाते हुए उन्हें सुरक्षित निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं। उमेश झिरपे ने कहा कि प्रभावित तीर्थयात्रियों और नागरिकों की तलाश, बचाव कार्य तथा आवश्यक सहायता पहुंचाने के लिए संबंधित प्रशासन और आपातकालीन एजेंसियां पूरी ताकत से काम कर रही हैं। अत्यंत चुनौतीपूर्ण मौसम के बीच अभियान चलाया जा रहा है और आने वाले दिनों में भी प्राकृतिक संकट का खतरा बना हुआ है। ऐसे में यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराई वंदे भारत एक्सप्रेस, यात्रियों में मची अफरा-तफरी

हजारीबाग (एजेंसी)। हजारीबाग में देर रात चरही और बेस रेलवे स्टेशन के बीच रांची से पटना जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस दुर्घटना की शिकार हो गई। पटरी पर अचानक आई एक लकड़ी से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली से ट्रेन टकरा गई। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। एक बड़ा ट्रेन हादसा होने से बाल-बाल बच गया। जानकारी के मुताबिक हादसा इतना जोरदार था कि टक्कर के बाद ट्रेन को थोड़ा नुकसान हुआ। घटना के तुरंत बाद ट्रेन पायलट ने मुस्तैदी दिखाते हुए गाड़ी को रोक दिया। इसके बाद वंदे भारत एक्सप्रेस करीब 41 मिनट तक दुर्घटनास्थल पर ही खड़ी रही। घटना की जानकारी तुरंत रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों और पुलिस को दी गई। ट्रेन रुकने के बाद तकनीकी टीम ने मौके पर पहुंचकर ट्रेन की जांच की। सुरक्षा मानकों को पूरा करने और रूट क्लियर होने के बाद ट्रेन को पटना के लिए रवाना किया गया। हादसे के कारण ट्रेन में सवार यात्रियों के बीच अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। हालांकि किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर ट्रक-पिकअप की टक्कर, आग लगने से चालक जिंदा जला

झाबुआ (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले में दिल्ली-मुंबई 8-लेन एक्सप्रेसवे के पहुंच मार्ग पर शुक्रवार रात ट्रक और पिकअप वाहन की आमने-सामने जोरदार टक्कर के बाद दोनों वाहनों में आग लग गई जिसमें पिकअप चालक जिंदा जल गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक शुक्रवार रात एक ट्रक दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे की ओर जा रहा था। इसी दौरान सामने से आ रही पिकअप से उसकी जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कुछ ही देर में दोनों वाहनों में आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटें तेज हो गईं और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे में पिकअप चालक को वाहन से बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। वह वाहन के अंदर ही फंस गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान मियाटी निवासी तेरु खिमा भाबर के रूप में हुई है। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। हादसे के बाद वहां जाम लग गया। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस ने घटनास्थल पर यातायात व्यवस्था को सुचारू कराया। साथ ही हादसे के संबंध में मामला दर्ज कर फरार ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है। लोगों का कहना है कि एक्सप्रेस-वे के पहुंच मार्ग की चौड़ाई कम होने के कारण यहां वाहनों की आवाजाही में परेशानी होती है। सड़क पर एक साथ दोनों दिशाओं से आने-जाने वाले वाहनों के कारण दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इस मार्ग पर लगातार हादसे होने से क्षेत्रवासियों में चिंता बढ़ रही है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से एक्सप्रेस-वे के पहुंच मार्ग की चौड़ाई बढ़ाने, यातायात व्यवस्था को बेहतर करने और दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए आवश्यक सुरक्षा इंतजाम करने की मांग की है।

कोई और प्रकाशक ढूंढ लेते, इसमें सरकार को बीच में लाने की क्या जरूरत है?

सोनिया गांधी की किताब को लेकर कांग्रेस के आरोप पर बीजेपी का पलटवार

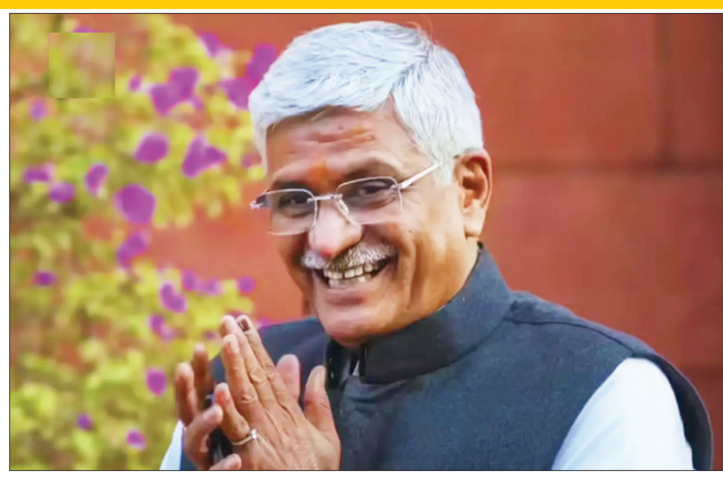

नई दिल्ली, एजेंसी। सोनिया गांधी की किताब बिलॉन्गिंग से जुड़े विवाद में सरकार पर कांग्रेस के हमलों को लेकर बीजेपी नेताओं ने कांग्रेस के आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए कहा कि यह लेखक और प्रकाशक के बीच का विवाद है। सोनिया गांधी की आत्मकथा बिलॉन्गिंग को छापने से प्रकाशक कंपनी पेंगुइन इंडिया ने मना कर दिया है। इसके बाद कांग्रेस ने सरकार पर सवाल उठाए थे। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शनिवार को कहा कि लेखक और प्रकाशक के बीच में कहीं किसी तरह का अंतरविरोध है। प्रकाशक का अपना प्रेरोगेटिव है और लेखक का अपना व्यूपॉइंट है। उसको राजनीति में लाने के बजाय किसी और प्रकाशक ढूंढ लेते, इसमें भारत सरकार को बीच में लाने की क्या जरूरत है? मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि मुझे समझ नहीं आ रहा कि वे सरकार पर दबाव के आरोप क्यों लगा रहे हैं। पेंगुइन इंडिया और रैंडम हाउस इंडिया ने साफ कर दिया है कि यह किताब उनकी नहीं है। अब इसके पीछे क्या मकसद था, यह तो वे या सोनिया गांधी समझ सकती हैं। अपने आधिकारिक बयान में उन्होंने साफ कहा था कि वे कुछ हिस्सों को हटाने की कोशिश कर रहे थे और सोनिया गांधी इससे सहमत नहीं थीं। यह पब्लिशर और लेखक के बीच का विवाद है। उन्होंने कहा कि पहले भी ऐसा हुआ है, जब प्रकाशक को कुछ चीजें नहीं छापनी होती हैं तो वह अपनी आपत्ति दर्ज करता है। इसमें सरकार का रोल कहां से आया? उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी को यह देश को बताना चाहिए कि वह विवादित अंश क्या था। क्या उन्होंने अपनी सास के बारे में कुछ लिख दिया था? क्या अपने देवर के बारे में कुछ ऐसी चीजें लिखीं, जो उन्हें नहीं लिखनी चाहिए थीं। या कुछ और बात है, जो पेंगुइन ने कहा है। उन्होंने कहा कि इस पर सोनिया गांधी खामोश हैं। बीजेपी प्रवक्ता आरपी सिंह ने भी इस पर प्रतिक्रिया दी और कहा कि जब भी कोई किताब प्रकाशित होती है, तो वह प्रकाशक और लेखक के बीच के रिश्ते पर आधारित होती है और दोनों की ही मिली-जुली जिम्मेदारी होती है। किताब में दिए गए तथ्यों और कंटेंट के लिए दोनों ही जिम्मेदार होते हैं। वहीं बिहार सरकार में मंत्री अशोक कुमार चौधरी ने कहा कि हमें नहीं पता कि असलियत क्या है। सोनिया गांधी की किताब को लेकर किसने दबाव डाला। पेंगुइन ने क्या किया या क्या नहीं किया। इस पर चर्चा तो हुई है, लेकिन हमें असल बात नहीं पता। बीजेपी नेता टीआर श्रीनिवास ने कहा कि यह सोनिया गांधी की किताब है, जिसे पेंगुइन को प्रकाशित करना था। इसका समय राजनीतिक और गैर-साहित्यिक लगता है। पेंगुइन ने आपत्ति जताई है, क्योंकि जब भी आप कोई किताब प्रकाशित करते हैं, तो उसमें तथ्य सही होने चाहिए।

ममता बनर्जी के पास कोई विचारधारा नहीं : शिवसेना ने साधा निशाना

मुंबई (एजेंसी)। शिंदे शिवसेना की प्रवक्ता शाइना एनसी ने टीएमसी प्रमुख और पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर कड़ा हमला बोला है, यह कहकर कि उनके पास कोई विचारधारा और विज़न प्लान नहीं है। ममता के वोट चोरी के आरोपों को खारिज कर शिंदे शिवसेना की प्रवक्ता शाइना ने उन्हें बेबुनियादी आरोप लगाने की बजाय अपने मतदाताओं पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दे दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि चुनाव आयोग अपना काम कर रहा है और फर्जी तथा डबल मतदाताओं को हटाना सामान्य एवं आवश्यक प्रक्रिया है। शाइना एनसी ने कहा कि ममता बनर्जी इसतरह के बेबुनियादी आरोप लगाती रहेंगी। इसके अलावा, एनसी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के न्यूयॉर्क में आयोजित कार्यक्रम को भारत के लिए गर्व का विषय बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिका में लाखों भारतीय रहते हैं और संघ का वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश भारत की विश्व में नेतृत्व क्षमता को दिखाता है। उन्होंने संघ को राष्ट्रवाद और सेवा के लक्ष्य वाला 100 साल पुराना सांस्कृतिक संगठन बताया। नेपाल में आई भीषण त्रासदी पर शिवसेना प्रवक्ता ने भारत की निरंतर मदद को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और भारतीय दूतावास लगातार संवाद में हैं, और महाराष्ट्र के नेताओं एकनाथ शिंदे व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी राज्य के पर्यटकों को सुरक्षित वापस लाने में सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने प्राकृतिक आपदा को पर्यावरणीय दृष्टिकोण से भी देखने की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि भविष्य के लिए हम सावधान रहें। नेपाली प्रधानमंत्री की भारत यात्रा का स्वागत कर शाइना ने पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंधों के महत्व को दोहराया और कहा कि वर्तमान में नेपाल की मदद करना सर्वोपरि है।

एमएलसी मिर्जा रहमत बेग को पार्टी से निकाला

-एआईएमआईएम ने तत्काल इस्तीफा देने के दिए निर्देश

हैदराबाद, एजेंसी। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने तेलंगाना विधान परिषद के सदस्य (एमएलसी) मिर्जा रहमत बेग को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। पार्टी ने शुक्रवार व शनिवार रात यह कार्रवाई करते हुए बेग को तत्काल प्रभाव से विधान परिषद के सभापति को अपना इस्तीफा सौंपने का निर्देश दिया है। एआईएमआईएम ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए मिर्जा रहमत बेग के खिलाफ की गई कार्रवाई की जानकारी दी। पार्टी के संयुक्त सचिव एसए हुसैन अनवर की ओर से बेग को यह निर्देश जारी किया गया। हालांकि, पार्टी की ओर से अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि किन कारणों या आरोपों के चलते उन्हें पार्टी से बाहर किया गया है। 2023 में एमएलसी चुने गए थे बेग मिर्जा रहमत बेग ने वर्ष 2023 में हैदराबाद लोकल अथॉरिटीज सीट से तेलंगाना विधान परिषद का चुनाव जीता था। चुनाव में जीत के बाद वह एआईएमआईएम के प्रतिनिधि के तौर पर विधान परिषद पहुंचे थे। पार्टी के इस फैसले के बाद अब उनके राजनीतिक भविष्य और विधान परिषद की सदस्यता को लेकर भी स्थिति पर नजर बनी हुई है। इस्तीफे के निर्देश से बढ़ी सियासी हलचल एआईएमआईएम की ओर से पार्टी से निष्कासन के साथ ही विधान परिषद के सभापति को इस्तीफा सौंपने का निर्देश दिए जाने से तेलंगाना की राजनीति में चर्चा तेज हो गई है। पार्टी ने अपने बयान में निष्कासन का कारण नहीं बताया है। ऐसे में कार्रवाई के पीछे की वजह को लेकर फिलहाल आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

अचानक चेन्नई सेंट्रल जेल पहुंचे सीएम विजय को देखने पहुंच गई भीड़

थाने में एसएचओ को बैठाकर की पूछताछ, औचक निरीक्षण से मचा हड़कंप

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय अचानक चेन्नई की पुझल सेंट्रल जेल और उसके बाद पुझल पुलिस स्टेशन पहुंचे। मुख्यमंत्री के इस औचक दौरे से प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया। शुक्रवार को विजय के काफिले को देखने के लिए सड़क किनारे बड़ी संख्या में लोग भी जमा हो गए। जेल के निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री सीधे एम-3 पुझल पुलिस स्टेशन पहुंचे, जहां उन्होंने पुलिस अधिकारियों से थाने के कामकाज और कानून-व्यवस्था की स्थिति की जानकारी ली। पुझल सेंट्रल जेल देश के बड़े कारागार परिसरों में शामिल है। मुख्यमंत्री विजय ने यहां सबसे पहले महिला जेल परिसर का निरीक्षण किया। इसके बाद विचाराधीन और सजायाफ्ता कैदियों के वार्डों में जाकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कैदियों को उपलब्ध कराई जा रही बुनियादी सुविधाओं पर अधिकारियों से जानकारी ली। मुख्यमंत्री विजय जेल की रसोई में भी पहुंचे और कैदियों के लिए तैयार किए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता तथा साफ-सफाई की जांच की। इसके बाद उन्होंने जेल अस्पताल, क्वारंटाइन क्षेत्र और नशा मुक्ति पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने चिकित्सा सुविधाओं और कैदियों के स्वास्थ्य से जुड़े इंतजामों की जानकारी अधिकारियों से ली। जेल परिसर में संचालित कक्षाओं और पुस्तकालय का भी मुख्यमंत्री ने जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि कैदियों के लिए पुस्तकालय में पर्याप्त संख्या में किताबें उपलब्ध कराई जाएं, ताकि उनमें पढ़ने की आदत विकसित हो। उन्होंने कैदियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए चलाए जा रहे व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों की स्थिति भी देखी। मुख्यमंत्री विजय ने जेल में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अधिकारियों से कड़े सवाल किए। उन्होंने रिश्वतखोरी, अवैध मोबाइल फोन के इस्तेमाल और नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी ली। इसके अलावा हिरासत में होने वाली मौतों और कैदियों की आपसी सुरक्षा जैसे संवेदनशील मुद्दों की भी समीक्षा की। जेल के बाद मुख्यमंत्री पुझल पुलिस स्टेशन पहुंचे। वहां उन्होंने पुलिस इंस्पेक्टर से थाने की कार्यप्रणाली और इलाके में कानून-व्यवस्था की स्थिति की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सब-इंस्पेक्टर कक्ष, कंप्यूटर रूम और लॉक-अप का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि शिकायत लेकर थाने पहुंचने वाले आम नागरिकों को जरूरी बुनियादी सुविधाएं मिलें और उनके साथ किसी तरह का दुर्व्यवहार या अनावश्यक परेशानी न हो। उन्होंने कंप्यूटर सिस्टम और सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली तथा उनके रखरखाव की भी जांच की। मुख्यमंत्री के इस अचानक निरीक्षण को पुलिस और जेल प्रशासन की जवाबदेही परखने की कवायद के तौर पर देखा जा रहा है।

एनएएम शिखर सम्मेलन बेलग्रेड में प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे रिजिजू

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू गुटनिरपेक्ष आंदोलन (एनएएम) शिखर सम्मेलन की 65वीं वर्षगांठ के मौके पर सर्बिया की राजधानी बेलग्रेड में 31 से 1 सितंबर तक आयोजित होने वाली उच्चस्तरीय स्मृति बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने बताया कि बैठक एनएएम के पहले राष्ट्राध्यक्ष/सरकार प्रमुखों के सम्मेलन की 65वीं वर्षगांठ का स्मरणोत्सव है। इस बैठक का मुख्य विषय गुटनिरपेक्षता की विरासतः आज की दुनिया के लिए सबक रखा गया है। भारत, महत्वपूर्ण आंदोलन का एक संस्थापक सदस्य है, और एनएएम के सिद्धांतों एवं मूल्यों के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता रखता है। यह मंच दुनिया भर के 121 विकासशील देशों को एक साथ लाता है, जो साझा हितों और बहुपक्षवाद को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। गुटनिरपेक्ष आंदोलन की जड़ें 1955 में इंडोनेशिया के बांडुंग में हुए एशियाई-अफ्रीकी सम्मेलन में हैं, जहाँ संप्रभुता, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और उपनिवेशवाद के विरोध जैसे सिद्धांत प्रतिपादित किए गए थे। औपचारिक रूप से यह आंदोलन 1961 में बेलग्रेड में आयोजित पहले शिखर सम्मेलन में अस्तित्व में आया। आज भी, एनएएम बहुपक्षवाद को मजबूत करने और संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के भीतर विकासशील देशों की आवाज को बुलंद करने के लिए कार्यरत है। यह ध्यान देने योग्य है कि भारत ने एनएएम के विभिन्न मंचों पर आतंकवाद के साझा खतरे से निपटने के लिए वैश्विक सहयोग की आवश्यकता पर लगातार जोर दिया है। पिछली एनएएम मंत्रिस्तरीय बैठकों में, भारत ने सीमा पार आतंकवाद को गंभीर चुनौती बताया है, जिसके खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने का आह्वान किया गया है। भारत ने यह भी स्पष्ट किया है कि आतंकवाद को प्रायोजित करने या उसका बचाव करने वाले किसी भी प्रयास की कड़ी निंदा की जानी चाहिए, क्योंकि यह गुटनिरपेक्ष आंदोलन के शांति और सहयोग के मूल सिद्धांतों के विपरीत है।

बीजेपी सांसदों ने की सज्जन कुमार के परिजनों से मुलाकात, राष्ट्रीय अध्यक्ष ने लगा दी फटकार

पणजी, एजेंसी। नई दिल्ली,(ईएमएस)। नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के 3 सांसदों को अपनी ही पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की कड़ी फटकार लगी है। यह फटकार 1984 के सिख विरोधी दंगों के मामलों में दोषी ठहराए गए कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार के निधन के बाद उनके परिजनों से मिलकर संवेदना व्यक्त करने को लेकर लगी है। इसमें बीजेपी सांसद कमलजीत सहरावत, रामवीर सिंह बिधूड़ी और योगेंद्र चंदोलिया शामिल थे, जिन्होंने सज्जन कुमार के घर जाकर शोक जाहिर किया था। सज्जन कुमार, जिनका 20 अगस्त को निधन हुआ, तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद हुए 1984 के सिख विरोधी दंगों के कई मामलों में दो उम्रकैद की सजा काट रहे थे। बीजेपी के तीनों सांसदों के कदम पर वरिष्ठ वकील और सामाजिक कार्यकर्ता एच.एस. फुल्का ने तीव्र प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने लिखा कि वे तीनों सांसदों के दौरे की कड़ी निंदा करते हैं, और सज्जन कुमार को सामूहिक हत्यारा बताया। फुल्का ने सवाल उठाया कि बीजेपी, जिसने हमेशा दंगा पीड़ितों के लिए न्याय की लड़ाई का समर्थन किया है, उसके सांसद एक दोषी के परिवार के प्रति सहानुभूति क्यों दिखा रहे हैं, जबकि सहानुभूति पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति होनी चाहिए। सूत्रों के अनुसार, सांसदों के कदम की जानकारी पार्टी नेतृत्व को नहीं दी गई थी, इस मामले को राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन ने बेहद गंभीरता से लिया। शनिवार को उन्होंने इन तीनों सांसदों को तलब कर कड़ी फटकार लगाकर अपनी गहरी नाराजगी व्यक्त की। यह घटना तब हुई है जब पार्टी अपनी सार्वजनिक छवि और सिद्धांतों के प्रति अत्यंत सतर्क है। इस बीच, नवीन ने शनिवार को ही पार्टी नेताओं के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में युवाओं तक पार्टी की पहुंच बनाने की योजना और उत्तर प्रदेश, पंजाब तथा गुजरात सहित सात राज्यों में आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों पर मुख्य रूप से चर्चा हुई।

सिंधु जलसंधि: पाकिस्तान की वैश्विक गुहार पर भारत का जवाब....खून और पानी साथ नहीं बह सकते

नई दिल्ली, एजेंसी। सिंधु जलसंधि (आईडब्ल्यूटी) को लेकर पाकिस्तान इन दिनों ब्रिटेन से लेकर अमेरिका तक भारत के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाने में लगा हुआ है। पाकिस्तानी उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मुहम्मद इशाक डार ने हाल ही में भारत को चेतावनी दी है कि वह संधि के तहत पाकिस्तान को आवंटित पानी से वंचित करने का प्रयास न करे। हालांकि, भारत ने दो टूक कहा है कि खून और पानी साथ नहीं बह सकते और इस्लामाबाद भारतीय नागरिकों व सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर बिना किसी बदले की भावना के डेटा-शेयरिंग की उम्मीद नहीं कर सकता। भारत सरकार के वरिष्ठ सूत्रों ने स्पष्ट किया है कि जल सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा आपस में जुड़े हुए हैं। भारत का यह दो टूक जवाब डार के उन दावों के बाद आया है जिसमें उन्होंने आईडब्ल्यूटी को पूरी तरह से वैध, बाध्यकारी और लागू बताया था और संधि को स्थगित करने के भारत के कथित फैसले को खारिज कर दिया था। डार ने चेतावनी दी थी कि पाकिस्तान को पानी से वंचित करने के किसी भी प्रयास के क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा पर गंभीर परिणाम हो सकते है। पाकिस्तानी उप-प्रधानमंत्री ने कहा कि 1960 में हस्ताक्षर होने के बाद से सिंधु जलसंधि को अब अपनी सबसे बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने तर्क दिया कि यह संधि इसलिए कायम रही क्योंकि दोनों देशों को यह समझ थी कि करोड़ों लोगों का जीवन जिन जल स्रोतों पर निर्भर है, वे राजनीतिक उतार-चढ़ाव का शिकार नहीं बनाए जा सकते। डार ने जलवायु परिवर्तन का हवाला देकर बातचीत, पारदर्शी डेटा साझाकरण और तकनीकी सहयोग बढ़ाने की वकालत की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के लिए जल सुरक्षा को आर्थिक सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा और अंततः राष्ट्रीय सुरक्षा से अलग नहीं किया जा सकता। लेकिन भारत ने अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी है, जब तक पाकिस्तान आतंकवाद को समर्थन देना जारी रखेगा, तब तक पानी के मुद्दे पर सामान्य सहयोग की अपेक्षा नहीं की जा सकती। यह दर्शाता है कि भारत अब पानी के मुद्दे को अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़कर देख रहा है और पाकिस्तान के वैश्विक दबाव के बावजूद अपने रुख पर कायम है।

प्रधानमंत्री मोदी उज्बेकिस्तान की दो दिवसीय यात्रा पर हुए रवाना, किर्गिज भी जाएंगे

-व्यापार, निवेश, डिजिटल कनेक्टिविटी, रक्षा, ऊर्जा क्षेत्रों में सहयोग पर करेंगे चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी शनिवार सुबह उज्बेकिस्तान की दो दिवसीय यात्रा पर रवाना हो गए। पीएम मोदी ने उज्बेकिस्तान के लिए रवाना होने से पहले लिखा- मैं 29 अगस्त से 1 सितंबर तक उज्बेकिस्तान और किर्गिज की यात्रा पर जा रहा हूं। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में भारत-उज्बेकिस्तान रणनीतिक साझेदारी में काफी प्रगति हुई है। मैं राष्ट्रपति मिर्जियोयेव के साथ व्यापार और निवेश, डिजिटल कनेक्टिविटी, रक्षा, ऊर्जा के क्षेत्रों में सहयोग को और गहरा करने और विकसित भारत और यांगी उज्बेकिस्तान के हमारे साझा विजन को आगे बढ़ाने पर चर्चा करने के लिए उत्सुक हूं। उन्होंने कहा कि मैं ताशकंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ ओरिएंटल स्टडीज में शास्त्री स्मारक और महात्मा गांधी केंद्र का भी दौरा करूंगा, जो हमारे दोनों देशों को जोड़ने वाले गहरे सांस्कृतिक और लोगों के बीच के संबंधों का प्रतीक है। यह पीएम मोदी की उज्बेकिस्तान की चौथी यात्रा होगी। यात्रा के दौरान पीएम मोदी उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति मिर्जियोयेव के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करेंगे, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करना है।

डिबॉक इंडस्ट्रीज और एमडी पर 7 साल का प्रतिबंध

मुंबई ।

शेयर बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने डिबॉक इंडस्ट्रीज लिमिटेड और उसके प्रबंध निदेशक पर बड़ी कार्रवाई की है। कथित अकाउंटिंग फ्रॉड और वित्तीय आंकड़ों में हेरफेर के आरोप में दोनों को 7 साल के लिए शेयर बाजार से प्रतिबंधित कर दिया है। इसके साथ ही, सेबी ने 59.30 करोड़ रुपये की अवैध कमाई जब्त करने और राइट्स इश्यू से डायवर्ट किए गए 49 करोड़ रुपये 12 फीसदी ब्याज के साथ वापस करने का आदेश दिया है। सेबी के अनुसार, कंपनी ने फर्जी बिक्री, खरीद और सर्कुलर लेनदेन के जरिए वित्तीय आंकड़ों को बढ़ाया, जिससे करीब 4.21 करोड़ शेयर फर्जी तरीके से हासिल कर निवेशकों को बेच दिए गए। प्रबंधक मुकेश सिंह पर अकेले 20.10 करोड़ रुपये सहित कुल 29 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया गया है।

सुनील कलोट को पांच साल जबकि प्रियंका शर्मा और गौरव जैन को तीन साल के लिए बाजार से प्रतिबंधित किया गया है। एक अन्य मामले में, सेबी ने ट्रैफिकसोल आईटीएस टेक्नोलॉजिज और उसके प्रमोटर-निदेशकों जितेंद्र दास व पूनम दास पर एक साल का प्रतिबंध और 1.05 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है।

जियो प्लेटफॉर्म्स के मेगा आईपीओ को मिली सेबी की हरी झंडी

मुंबई ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज की डिजिटल इकाई जियो प्लेटफॉर्म्स को बाजार नियामक सेबी से अपने बहुप्रतीक्षित आईपीओ के लिए मंजूरी मिल गई है। यह आईपीओ करीब 37,000 करोड़ रुपये का हो सकता है, जो भारतीय शेयर बाजार का अब तक का सबसे बड़ा सार्वजनिक निर्गम बनने को तैयार है। सेबी ने जून में जमा कराए गए ड्राफ्ट दस्तावेजों के लगभग दो महीने बाद अपनी अंतिम टिप्पणियाँ दीं। निवेशकों को लंबे समय से इस आईपीओ का इंतजार था। यह प्रस्तावित इश्यू हुंडई मोटर्स इं डिया के 27,870 करोड़ रुपये के आईपीओ का रिकॉर्ड तोड़ेगा, जो वर्तमान में भारत का सबसे बड़ा पब्लिक ऑफरिंग है। जियो प्लेटफॉर्म्स ने 27 करोड़ तक के इक्विटी शेयर जारी करने का प्रस्ताव रखा है, जिसमें ऑफर-फॉर-सेल (ओएफएस) का कोई हिस्सा नहीं है, यानी मौजूदा शेयरधारक अपनी हिस्सेदारी नहीं बेचेंगे। हालांकि, इश्यू का अंतिम आकार लॉन्च के समय इसके स्ट्रक्चर और प्राइसिंग पर निर्भर करेगा।

टाटा संस को राहत, एजीएम के लिए साल के अंत तक का समय

कंपनी रजिस्ट्रार ने तीन महीने की मोहलत दी

नई दिल्ली ।

टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस को अपनी वार्षिक आम बैठक (एजीएम) आयोजित करने के लिए बड़ी राहत मिली है। कोरम पूरा न होने के कारण पहले स्थगित हुई एजीएम के लिए कंपनी रजिस्ट्रार (आरओसी) ने अब तीन महीने की मोहलत दे दी है, जिससे कंपनी के पास 31 दिसंबर तक का समय है। यह निर्णय सर रतन टाटा ट्रस्ट (एसआरटीटी) पर लगी रोक के कारण पैदा हुई असाधारण स्थिति और टाटा संस के नेतृत्व में अनिश्चितता को देखते हुए लिया गया है। कंपनी रजिस्ट्रार कार्यालय ने 27 अगस्त को एक पत्र के माध्यम से यह मोहलत दी है। इससे पहले, कंपनी कानून के तहत एजीएम के लिए निर्धारित समय-सीमा 30 सितंबर थी। एजीएम के एजेंडे में चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन के कार्यकाल विस्तार का मामला भी शामिल था, जिस पर पहली बैठक में चर्चा नहीं हो पाई थी। दरअसल, 18 अगस्त को होने वाली एजीएम को इसलिए टालना पड़ा था क्योंकि टाटा ट्रस्ट्स की अहम हिस्सेदार सर रतन टाटा ट्रस्ट पर महाराष्ट्र चैरिटी कमिश्नर ने रोक लगा दी थी। सर रतन टाटा ट्रस्ट की टाटा संस में 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है, और इस रोक के कारण एजीएम में अपेक्षित उपस्थिति पूरी नहीं हो पाई। टाटा समूह के 100 साल से अधिक के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है कि उसकी होल्डिंग कंपनी की एजीएम स्थगित करनी पड़ी हो। चैरिटी कमिश्नर का यह आदेश महाराष्ट्र पब्लिक ट्रस्ट्स एक्ट में हुए बदलाव के कथित उल्लंघन पर आया था। इस बदलाव के तहत ट्रस्ट के बोर्ड में हमेशा बने रहने वाले ट्रस्टियों (परपेचुअल ट्रस्टी) की संख्या कुल सदस्यों के 25 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकती। टाटा संस ने इसी असाधारण स्थिति का हवाला देते हुए मोहलत की अपील की थी। हालांकि, कंपनी रजिस्ट्रार ने मोहलत देते हुए टाटा संस को भविष्य में कंपनी अधिनियम के तहत सभी आवश्यक नियमों के अनुपालन में सावधानी बरतने की चेतावनी भी दी है।

भारतीय शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव भरा रहा सप्ताह

ईरान प्रतिबंध, तेल कीमतें और वैश्विक संकेतों ने तय की बाजार की चाल

मुंबई।

बीता सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद उतार-चढ़ाव भरा रहा, जहां प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी लगातार अस्थिरता के शिकार हुए। ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंधों, कच्चे तेल की कीमतों में घट-बढ़ और निवेशकों की मुनाफावसूली के चलते बाजार ने हर दिन नई चाल चली। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को तेजी के साथ हुई, जब तेल कीमतों में गिरावट के कारण सेंसेक्स 77,748 और निफ्टी 24,302 के स्तर पर पहुंच गए। हालांकि, दिन का अंत निराशाजनक रहा और मुनाफावसूली ने बाजार को नीचे धकेल दिया, जिससे सेंसेक्स 77,369 पर और निफ्टी 24,219 पर बंद हुए। मंगलवार को भी बाजार लाल निशान पर खुला, लेकिन अंतिम समय की खरीदारी और कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट ने सूचकांकों को बढ़त दिलाई, और सेंसेक्स 77,656, जबकि निफ्टी 24,334 पर बंद हुए। बुधवार को भी बाजार में ऐसा ही पैटर्न देखने को मिला। कच्चे तेल में नरमी और हॉर्मुज जलडमरूमध्य के प्रबंधन पर ईरान-ओमान वार्ता से मिली उम्मीदों के बावजूद, बाजार सकारात्मक शुरुआत के बाद अंततः गिरावट के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स 77,472 और निफ्टी 24,207 पर सिमट गए। सप्ताह का सबसे चुनौतीपूर्ण दिन गुरुवार रहा, जब वीकली और मासिक एक्सपायरी के चलते भारी बिकवाली देखी गई। बाजार ने अपनी शुरुआती बढ़त गंवा दी और सेंसेक्स 539 अंक गिरकर 76,934 पर बंद हुआ, वहीं निफ्टी भी 24,091 के नीचे आ गया। प्रमुख शेयरों जैसे हिन्दालको और महिंद्रा एंड महिंद्रा में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, दो दिनों की लगातार गिरावट के बाद शुक्रवार को बाजार ने कुछ राहत की सांस ली। सकारात्मक शुरुआत हुई और आईटी शेयरों में जोरदार खरीदारी ने बाजार को सहारा दिया। सेंसेक्स 330.92 अंक चढ़कर 77,264.51 पर, जबकि निफ्टी 84.80 अंक बढ़कर 24,175.65 पर बंद हुआ। निफ्टी आईटी सूचकांक में 3.51 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि देखी गई, जिससे बाजार में सकारात्मक माहौल बना। कुल मिलाकर यह सप्ताह भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और घरेलू मुनाफावसूली के प्रभाव में रहा।

पुणे स्थित वेयरहाउस का दवा बिक्री लाइसेंस रद्द

भंडारण, पैकेजिंग और भ्रामक लेबलिंग में मिली गंभीर खामियां

मुंबई ।

महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने सिप्ला फार्मा एंड लाइफ साइंसेज लिमिटेड की पुणे स्थित कैरी एंड फॉरवर्डिंग (सीएंडएफ) इकाई का दवा बिक्री लाइसेंस रद्द कर दिया है। यह कार्रवाई वाडकी, पुणे जिले के गोदाम में भंडारण, पैकेजिंग और वापस मंगाने की प्रक्रियाओं में गंभीर अनियमितताओं के मद्देनजर की गई है। एफडीए ने बताया कि लाइसेंस रद्द करने का आदेश 27 अगस्त से प्रभावी हो गया है, जिसे कंपनी ने अदालत में चुनौती दी है। नियामक ने बताया कि निरीक्षण के दौरान गोदाम में दवाएं सीधे फर्श पर रखी मिलीं और एक्सपायर्ड दवाओं के प्रबंधन में भी गंभीर कमियां पाई गईं। जून में हुए निरीक्षण में अधिकारियों ने डॉक्टर के पर्चे पर बिकने वाली दवा रिएक्टिन प्लस टैबलेट्स की पैकेजिंग पर इसे अनधिकृत रूप से एनाल्जेसिक और एंटीपायरेटिक बताते हुए पाया था। एफडीए ने इस भ्रामक लेबलिंग के चलते 11.19 लाख रुपये मूल्य का स्टॉक जब्त किया था, जिसे औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 और औषधि नियम, 1945 का उल्लंघन बताया गया। एफडीए ने कंपनी को गलत लेबल वाली रिएक्टिन प्लस टैबलेट्स को बाजार से वापस मंगाने का निर्देश दिया था, लेकिन नियामक के अनुसार कंपनी ने इन निर्देशों का पूरी तरह पालन नहीं किया। बाद के निरीक्षणों में सीएंडएफ इकाई की दवा बिक्री एवं वितरण व्यवस्था में भंडारण संबंधी कमियां, खरीद-बिक्री रिकॉर्ड और वास्तविक कंप्यूटरीकृत स्टॉक के आंकड़ों में विसंगतियां भी सामने आईं, जिसके बाद यह सख्त कदम उठाया गया है।

सेबी ने ईटीएफ नियमों के क्रियान्वयन की समयसीमा बढ़ाई

अब 7 सितंबर से प्रभावी होंगे नए प्रावधान

नई दिल्ली ।

पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण नियमों के क्रियान्वयन की समयसीमा एक सप्ताह बढ़ा दी है, जो अब 1 सितंबर 2026 के बजाय 7 सितंबर 2026 से प्रभावी होंगे। यह निर्णय शेयर बाजारों से मिले सुझावों और नियमों के सुचारू क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लिया गया है। सेबी द्वारा जारी एक नए परिपत्र के अनुसार यह विस्तार ईटीएफ के आधार मूल्य, मूल्य दायरे, प्री-ओपन सत्र में कॉल नीलामी और क्लोज-आउट प्रक्रिया जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं से जुड़े नियमों पर लागू होगा। इन प्रावधानों को नियामक ने 15 जून 2026 को जारी एक पिछले परिपत्र में विस्तृत रूप से तय किया था।

हालांकि, 15 जून के उस परिपत्र के अन्य सभी प्रावधानों में कोई बदलाव नहीं किया गया है और वे पहले की तरह ही लागू रहेंगे। नियामक ने बाजार अवसंरचना संस्थानों (एमआईआई) को इन नियमों के क्रियान्वयन हेतु आवश्यक प्रणालियां तैयार करने, संबंधित उपनियमों में संशोधन करने और निवेशकों सहित सभी बाजार प्रतिभागियों को इन प्रावधानों के बारे में सूचित करने के निर्देश दिए हैं।

केंद्रीय मंत्री ओराम का हाथ काटने की क्षमता, बयान पर मच गया बवाल

नई दिल्ली ।

केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता जुएल ओराम ने अपनी ही पार्टी के सहयोगियों के खिलाफ मोर्चा खोला है। उन्होंने अपनी ही पार्टी के कुछ नेताओं पर उन्हें केंद्रीय मंत्रिमंडल से हटवाने और उनकी राजनीतिक साख को नुकसान पहुंचाने के लिए साजिश रचने का आरोप लगाया है। उनके विस्फोटक बयान ने ओडिशा की राजनीति में खलबली पैदा कर दी है।

यह विवाद तब गरमा गया जब ओराम के करीबी सहयोगी राकेश पासवान को ओडिशा के राउरकेला में संगठित अपराध मामले में गिरफ्तार किया। आरोम के करीबी पासवान पर सरकारी गेस्ट हाउस में अपराधियों को पनाह देने का आरोप है। शुरुआत में ओराम ने कानून को अपना काम करने देने की बात कही थी, लेकिन जल्द ही उन्होंने विरोधी गुट पर निशाना साधकर कहा कि पार्टी के कुछ नेता पैसा बहाकर उन्हें बदनाम कर रहे हैं। उनका मानना है कि ये नेता केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह पाने के लिए ऐसा कर रहे हैं।

सुंदरगढ़ से छह बार सांसद रह चुके ओराम ने घोषणा की कि इस राजनीतिक साजिश के बाद उन्होंने 2029 का लोकसभा चुनाव न लड़ने का अपना फैसला बदला है और वे निश्चित रूप से चुनाव लड़ूंगा। उन्होंने कहा कि वे दुष्प्रचार के पीछे के लोगों का पता लगाएंगे और इसकी शिकायत ओडिशा भाजपा के संगठन महामंत्री से भी की है। इस दौरान उन्होंने एक बेहद विवादित बयान देकर चेतावनी दी कि जो लोग उन्हें बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं, उनके हाथ काटने की क्षमता उनमें है। केंद्रीय मंत्री ओराम के तीखे बयान से राज्य की राजनीति में भूचाल आ गया है। मुख्य विपक्षी दल बीजू जनता दल और कांग्रेस ने सत्तारूढ़ भाजपा को घेरना शुरू किया है। बीजेडी नेता प्रमिला मलिक ने भाजपा के भीतर गहरे अंदरूनी मतभेद का संकेत बताया, जबकि ओडिशा कांग्रेस के अध्यक्ष भक्त चरण दास ने ओराम की भाषा को असंसदीय और हिंसक बताकर भारतीय लोकतंत्र में ऐसी बयानबाजी के लिए कोई जगह न होने की बात कही।

इंडिगो वेंचर्स का एआई कंपनी सर्वम में रणनीतिक निवेश, परिचालन दक्षता पर जोर

सीरीज-बी फंडिंग के तहत हुई साझेदारी; यह वेंचर का चौथा सार्वजनिक निवेश

नई दिल्ली

विमानन दिग्गज इंडिगो की कॉर्पोरेट वेंचर कैपिटल इकाई इंडिगो वेंचर्स ने आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनी सर्वम में रणनीतिक निवेश की घोषणा की है। सीरीज-बी फंडिंग के तहत यह कदम विमानन परिचालन में एआई अनुप्रयोगों से दक्षता व ग्राहक अनुभव सुधारने के लिए उठाया गया है। हालांकि, निवेश राशि का खुलासा नहीं किया गया है। इंडिगो और सर्वम पहले से ही ग्राहक सेवा, कर्मचारियों की उत्पादकता और विमानन संचालन से जुड़े एआई ऐप्लिकेशन पर सहयोग कर रही हैं। इस निवेश के बाद दोनों कंपनियां इन ऐप्लिकेशन्स के विकास और परीक्षण जारी रखेंगी।

सफल साबित होने वाले एआई समाधानों को इंडिगो के पूरे नेटवर्क में लागू किया जा सकता है, जिससे कंपनी के संचालन में क्रांतिकारी बदलाव आ सकते हैं। यह इंडिगो वेंचर्स का सार्वजनिक रूप से घोषित चौथा निवेश है, जो प्रौद्योगिकी और विमानन के भविष्य में उसके बढ़ते विश्वास को दर्शाता है।

इससे पहले, वेंचर ने जुलाई 2025 में एरोस्पेस विनिर्माण कंपनी जेह एरोस्पेस में निवेश किया था।

दिल्ली में सीएनजी 3.89 रुपए महंगी, 86.98 रुपए किलो पहुंची

इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड ने जारी की नई दरें

नई दिल्ली ।

मध्य पूर्व में जारी भू-राजनीतिक तनाव और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की बढ़ती कीमतों के बीच दिल्ली-एनसीआर के उपभोक्ताओं पर एक और महंगाई का बोझ पड़ा है। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) ने सीएनजी की कीमतों में 3.89 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की घोषणा की है। यह वृद्धि शनिवार सुबह से प्रभावी हो गई है, जिसके बाद दिल्ली में सीएनजी 86.98 रुपये प्रति किलोग्राम पर मिलेगी। यह इस वर्ष सीएनजी की कीमतों में पांचवीं वृद्धि है। मई के बाद यह पहला मौका है जब दिल्ली-एनसीआर में सीएनजी के दाम बढ़ाए गए हैं। मई माह में भी महज 10 दिनों के भीतर इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड ने 6 रुपये प्रति किलोग्राम तक की बढ़ोतरी की थी। कंपनी ने अपने बयान में बताया कि वैश्विक बाजार में एलएनजी की कीमतें काफी बढ़ गई हैं, जिसके कारण उनकी खरीद लागत में अत्यधिक वृद्धि हुई है। भारत को युद्धग्रस्त क्षेत्रों से अधिक कीमत पर एलएनजी आयात करना पड़ रहा है, जिसका सीधा असर घरेलू कीमतों पर दिख रहा है।

31 को 8वें वेतन आयोग की अहम बैठक, कर्मचारी-संगठन रखेंगे सिफारिशे व सुझाव

फिटमेंट फैक्टर, वेतन संशोधन, पेंशन सुधार जैसे मुद्दों पर अंतिम फैसला लेगी सरकार

नई दिल्ली, ।

8वें वेतन आयोग के गठन को 10 महीने होने वाले हैं। वेतन आयोग जयपुर में 31 अगस्त और 1 सितंबर को होने वाली अपनी अगली बैठक की तैयारी कर रहा है। इस बैठक के लिए फॉर्म जमा करने की आखिरी तारीख 18 अगस्त थी। इस बैठक में राजस्थान के केंद्रीय कर्मचारी या संगठन अपनी सिफारिशों या सुझाव को वेतन आयोग के सामने रख सकेंगे। इसके बाद वेतन आयोग सुझाव को अपनी सिफारिशों में रखेगा और सरकार को सौंपेगा। इसके बाद केंद्र सरकार इन सिफारिशों पर विचार करेगी और फिटमेंट फैक्टर, वेतन संशोधन, पेंशन सुधार, भत्ते और अन्य संबंधित मुद्दों पर अंतिम फैसला लेगी।8वां वेतन आयोग चर्चा और सलाह-मशविरा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

आयोग का मकसद चर्चा की प्रक्रिया को ज्यादा लोकतांत्रिक बनाना है ताकि ज्याद से ज्यादा यूनियन, स्टेकहोल्डर और एसोसिएशन अपनी राय और शिकायतें रख सकें। पिछले कुछ महीनों में, 8वें वेतन आयोग ने दिल्ली, लद्दाख, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और ओडिशा जैसे प्रमुख राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का दौरा किया है। ये बैठकें अहम हैं क्योंकि देश भर की यूनियनों और स्टेकहोल्डर्स द्वारा इनमें रखी गई शिकायतें, अनुरोध और राय 8वें वेतन आयोग को अपनी अंतिम सिफारिशें तैयार करने में अहम भूमिका निभाएंगी।3 सितंबर को वेतन आयोग के गठन को दस महीने पूरे हो जाएंगे। वेतन आयोग को नवंबर 2025 में अपने गठन के बाद से केंद्रीय मंत्रिमंडल को अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंपने के लिए 18 महीने का समय दिया गया था। ऐसे में आयोग द्वारा मई-जून 2027 तक अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंप सकती है।

इसके बाद सरकार सिफारिशों को लागू करेगी। ऐसा माना जा रहा है कि सरकार एक जनवरी 2026 से ये सिफारिशें लागू कर सकती हैं। यह जरूरी नहीं कि सरकार अक्षरशः इन सिफारिशों को लागू करे।

इसमें संशोधन भी किया जा सकता है। यह सरकार को तय करना होता है।छठे और सातवें वेतन आयोग के दौरान काफी विचार-विमर्श के बाद क्रमशः 1.86 और 2.57 के फिटमेंट फैक्टर पर सहमति बनी थी। अब यह देखना होगा कि 8वें वेतन आयोग के लिए क्या फिटमेंट फैक्टर तय किया जाता है क्योंकि एनसी (जेसीएम) और बीपीएमएस जैसी कई प्रमुख यूनियनें 3.5 गुना से ज्यादा फिटमेंट फैक्टर की मांग कर रही हैं।

जीएमआर का वैश्विक उड़ान लक्ष्य, भारतीय विमानन पर अटूट विश्वास

समूह पश्चिम एशिया, यूरोप व दक्षिण-पूर्व एशिया में तलाशेगा नए अवसर

नई दिल्ली

जीएमआर समूह ने भारतीय विमानन क्षेत्र में दीर्घकालिक वृद्धि पर अपने प्रबल विश्वास को व्यक्त करते हुए वैश्विक विस्तार की महत्वाकांक्षी योजनाएं बनाई हैं। समूह पश्चिम एशिया, मध्य एशिया, पूर्वी यूरोप और दक्षिण-पूर्व एशिया में हवाई अड्डों तथा उनसे जुड़े कारोबार में नए अवसर तलाशेगा। कंपनी के एक अ धिकारी ने कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट में इन रणनीतिक पहलों की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि जीएमआर वर्तमान में भारत में छह हवाई अड्डों (दिल्ली और हैदराबाद सहित) तथा इंडोनेशिया में एक हवाई अड्डे का संचालन करता है, जबकि यूनान में एक का विकास जारी है। हाल ही में आंध्र प्रदेश के भोगापुरम हवाई अड्डे ने 17 अगस्त से परिचालन शुरू किया है। राव ने बढ़ती आय, पर्यटन, मजबूत बुनियादी ढांचे और सरकारी पहलों से भारतीय विमानन को दीर्घकालिक समर्थन मिलने पर जोर दिया। इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए कंपनी ने अपने एयरपोर्ट प्लेटफॉर्म कारोबार का विस्तार किया है, जिसमें शुल्क-मुक्त, मालवाहक, खुदरा और खाद्य-पेय जैसे कम पूंजी वाले व्यवसाय शामिल हैं। समूह नई रियायतों, परिचालन एवं रखरखाव अनुबंधों तथा हवाई अड्डों से जुड़े कम पूंजी वाले क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति बढ़ाएगा। पिछले वित्त वर्ष में, जीएमआर हवाई अड्डों से 11.46 करोड़ यात्रियों ने यात्रा की, जो देश के कुल घरेलू हवाई यातायात का लगभग 25.6 फीसदी और अंतरराष्ट्रीय यातायात का 33.9 फीसदी था।

जियो समेत चार कंपनियों को आईपीओ लाने के लिए सेबी ने दी मंजूरी

नई दिल्ली।

इस हफ्ते सिर्फ जियो ही नहीं पेट लिमिटेड, सद्भाव फ्यूचरटेक लिमिटेड, पारस हेल्थकेयर लिमिटेड और एमके संस फाइन ज्वेल्स लिमिटेड को आईपीओ लाने के लिए सेबी ने मंजूरी दे दी है यानी आने वाले समय में आईपीओ की बहार आएगी। बाजार नियामक सेबी की जानकारी के मुताबिक इन चारों कंपनियों ने मार्च से जून के बीच आईपीओ के लिए मसौदा दस्तावेज दाखिल किए थे और 24 से 28 अगस्त में उन्हें सेबी की अंतिम टिप्पणियां मिलीं। सेबी की टिप्पणियां आईपीओ प्रक्रिया में एक अहम कदम होती हैं। इसके बाद कंपनियां लागू नियामकीय जरुरतों के आईपीओ की आगे की तैयारियां कर सकती हैं।

भारत पेट ने 25 मार्च को सेबी के पास आईपीओ के दस्तावेज दाखिल किए थे और उसे 26 अगस्त को नियामक की टिप्पणियां मिलीं। कंपनी के प्रस्तावित आईपीओ का आकार करीब 760 करोड़ रुपए है। इसमें 120 करोड़ रुपए तक के नए इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे, जबकि प्रवर्तक करीब 640 करोड़ रुपए के शेयर बिक्री पेशकश के तहत बेचेंगे। सद्भाव फ्यूचरटेक ने सात अप्रैल को आईपीओ के दस्तावेज दाखिल किए थे और उसे 28 अगस्त को सेबी की टिप्पणियां मिलीं। कंपनी के प्रस्तावित आईपीओ में 2.55 करोड़ तक नए इक्विटी शेयर जारी करने के साथ प्रवर्तकों और अन्य शेयरधारकों की ओर से कुल 235 करोड़ की बिक्री पेशकश शामिल है।

पारस हेल्थकेयर ने 16 जून को आईपीओ के दस्तावेज दाखिल किए थे और उसे 24 अगस्त को सेबी की टिप्पणियां मिलीं। कंपनी आईपीओ के जरिए 1,800 करोड़ तक जुटाने की योजना बना रही है। इसमें 500 करोड़ रुपए तक के नए इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे, जबकि बिक्री करने वाला शेयरधारक 1,300 करोड़ रुपए तक के शेयर बिक्री पेशकश के तहत बेचेगा। कंपनी आईपीओ से प्राप्त राशि का इस्तेमाल कुछ बकाया कर्ज के समय से पहले या निर्धारित पुनर्भुगतान, अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरी कंपनी पीएमएचपीएल में उसके कर्ज के पुनर्भुगतान या समय से पहले भुगतान और सामान्य कंपनी कामकाज के लिए करेगी।

पारस हेल्थ ब्रांड के तहत परिचालन करने वाली कंपनी के पास 31 मार्च, 2026 तक आठ अस्पताल थे। इसकी कुल क्षमता 2,211 बिस्तरों की है। एमके संस फाइन ज्वेल्स ने 14 मई को आईपीओ के दस्तावेज दाखिल किए थे और उसे 28 अगस्त को सेबी की टिप्पणियां मिलीं। कंपनी के प्रस्तावित आईपीओ में 1.36 करोड़ तक नए इक्विटी शेयर जारी किए। इसके अलावा प्रमोटर रामचंद मुरलीधर रैमलानी 34 लाख तक शेयर बिक्री पेशकश के तहत बेचेंगे।

वीआई ने लगातार चौथे महीने जोड़े नए ग्राहक, 20 करोड़ पहुंचा आंकड़ा

ट्राई के आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में 2.4 लाख से अधिक उपभोक्ता जुड़े

नई दिल्ली ।

दूरसंचार क्षेत्र में अपनी वापसी का संकेत देते हुए निजी क्षेत्र की कंपनी वोडाफोन आइडिया (वीआई) लगातार चौथे महीने नए ग्राहक जोड़ने में सफल रही है।

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, यह कंपनी के लिए एक सकारात्मक मोड़ है, खासकर वर्षों की ग्राहक हानि के बाद। जुलाई में 2,40,114 नए ग्राहक जुड़ने से कंपनी की कुल ग्राहक संख्या 19.90 करोड़ हो गई है, जो 20 करोड़ के आंकड़े के बेहद करीब है। यह उपलब्धि वीआई के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, क्योंकि 2018 में विलय के बाद कंपनी ने पहली बार किसी तिमाही (अप्रैल-जून वित्त वर्ष 2027) में शुद्ध नए ग्राहक जोड़े हैं। फरवरी से अब तक कंपनी ने 6.9 लाख से अधिक और अप्रैल से 5.7 लाख से अधिक ग्राहक अपने साथ जोड़े हैं।

यह पिछले साल के उस दौर से बिल्कुल अलग है, जब कंपनी ने छह महीनों में 36 लाख से अधिक ग्राहक खो दिए थे। आदित्य बिड़ला ग्रुप के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने इसे एक अहम पड़ाव बताते हुए नेटवर्क ढांचे और ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाने में किए गए निरंतर निवेश का परिणाम बताया है। मुख्य कार्यकारी ने भी इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि पिछले एक वर्ष में 15,500 और दो वर्षों में 32,000 4जी मोबाइल टावर एवं उपकरण लगाने से नेटवर्क में सुधार हुआ है, जिससे ग्राहकों की संतुष्टि और उन्हें बनाए रखने की क्षमता बढ़ी है।

किशोर के अनुसार, जिन क्षेत्रों में 5जी सेवा शुरू हुई है, वहां ग्राहकों के जुड़ाव में स्पष्ट सुधार देखा जा रहा है। वीआई ने पिछले वर्ष मार्च में दिल्ली से अपनी 5जी सेवा शुरू की थी और अगले दो तिमाहियों में 200 से अधिक शहरों में इसका विस्तार करने की योजना है। कंपनी ने ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए स्पॉटीफाई के साथ साझेदारी और शैक्षिक पहल जैसे कई प्रयास किए हैं। हालांकि, माना जा रहा है कि समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) का बड़ा मसला सुलझने के बाद ही असली बदलाव आया है। भले ही वीआई अभी भी कुल ग्राहकों और 4जी/5जी उपभोक्ताओं के मामले में रिलायंस जियो और भारती एयरटेल से पीछे है, लेकिन यह लगातार वृद्धि कंपनी के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत का संकेत देती है।

विश्व की ऐतिहासिक धरोहर में शामिल है इंडिया गेट

इंडिया गेट जो विश्व की ऐतिहासिक धरोहर में शामिल एक द्वार है और यह दिल्ली में स्थित है.हर साल लाखों सैलानी इस द्वार को देखने आते हैं.हर साल 26 जनवरी के दिन इंडिया गेट के सामने गणतंत्र दिवस की परेड कराई जाती है.

जी हां दोस्तों आज का हमारा लेख इंडिया गेट से संबंधित है.आज हम आपको इंडिया गेट से जुड़े वे सभी रोचक तथ्य बताने जा रहे हैं जो आपने आज से पहले शायद ही कहीं पढ़े होंगेतो चलिए जानते हैं

- इंडिया गेट की ऊंचाई 43 मीटर है विश्व का सबसे बड़ा युद्ध स्मारक है.
- क्या आप जानते हैं इंडिया गेट को प्राचीन समय में किंग्सवे के नाम से जाना जाता था और इसका डिजाइन सर एडवर्ड लुटियन्स ने बनाया था.
- इंडिया गेट के सामने स्थापित छतरी में जार्ज पंचम की एक मूर्ति स्तापित थी जिसे बाद में यहाँ से हटाकर कोरोनेशन पार्क में स्थापित कर दिया गया था.
- आपको जानकर गर्व होगा इंडिया गेट का निर्माण प्रथम विश्वयुद्ध में शहीद हुऐ 80,000 से अधिक भारतीय सैनिकों की याद में किया गया था.
- क्या आप जानते है इंडिया गेट पर 13300 अधिकारियों और सौनिकों के नाम अंकित हैं.
- इंडिया गेट के नीचे चारों कोनों पर अमर जवान ज्योति हमेशा जलती रहती है जिसे वर्ष 1971 में भारत पाक युद्ध में भाग लेने वाले सैनिकों की याद में स्तापित किया गया था.
- क्या आप जानते है इंडिया गेट की नींव 1921 में ड्यूक ऑफ कनॉट ने रखी थी और इस स्मारक को बनने में पूरे 10 वर्षों का समय लगा था.
- इंडिया गेट को देखने के लिए भारतीय टूरिस्टो के साथ साथ विदेशी सैलानी भी इस द्वार पर आते है.
- शाम के समय इंडिया गेट के चारों ओर लगी रोशनियों से इसे जगमगा दिया जाता है.जिससे एक भव्य दृश्य बनता है जो हमारी आँखों को एक सुखद अहसास देता है.
- आप इस स्मारक के पास से राष्ट्पति भवन को भी निहार सकते है.

अब मछली नहीं उड़ती

बहुत पुरानी बात है। उन दिनों मछलियां तैरने के साथ उड़ भी सकती थीं। मछली का मन करता, तो वह दूर आसमान में जा उड़ती। तैरने का मन करता, तो नदी के अंदर चली जाती।

एक दिन बगुले का जोड़ा कहीं जा रहा था। बगुला मछली से बोला, हमारे अंडों का ध्यान रखना। हम किसी से मिलकर आते हैं।

दोपहर हुई, तो मोर ने मछली से कहा, मोरनी न जाने कहां चली गई? उसे ढूंढ़ने जा रहा हूं। हमारे अंडों का ध्यान रखना। उन सबके लौटने तक मछली ने अंडों का ध्यान रखा।

शाम हुई, तो चुहिया ने मछली से कहा, मैं घूमने जा रही हूं। मेरे बच्चे अकेले हैं। मछली पहरा देने लगी। चुहिया रात को लौटी। मछली जाने को हुई, तो गिलहरी ने आवाज लगाई, अमरूद पक गए होंगे, तो मुझे बताना।

मछली उड़ी और अमरूद के पेड़ के फल देख आई। फिर गिलहरी को बताया, अमरूद पक चुके हैं।

मछली जाने लगी, तो एक सांप ने पूछा, कहां जा रही हो?

मछली बोली, अब थक गई हूं। पानी में तैरने जा रही हूं।

सांप ने हंसते हुए कहा, आज की थकान तो दूर हो जाएगी। मगर कल क्या होगा?

मछली ने चौंकते हुए पूछा, मतलब?

सांप ने जवाब दिया, मतलब यह है कि हर कोई तुम पर रोब जमाता है। मोर, बगुले, चुहिया, गिलहरी तक तुम से अपना काम करा लेते हैं। क्यों?

मछली सोच में पड़ गई।

सुबह हुई। बगुले का जोड़ा मछली के पास आया और वही बात कहकर उड़ चला।

मछली को सांप की बात याद थी। उसने मुंह बनाया, हुंह! मैं नदी में तैरने जा रही हूं। शाम तक बाहर नहीं आऊंगी।

बस फिर क्या था। सांप को इसी पल का इंतजार था। बगुलों के वापस आने से पहले वह उनके अंडे खा चुका था।

दोपहर हुई, तो मोर ने मछली से कहा, मोरनी न जाने फिर कहां चली गई। मैं उसे ढूंढ़ने जा रहा हूं। अंडों का ध्यान रखना।

मछली ने मोर की बात को अनसुना कर दिया। वह घने पेड़ के पीछे आराम करने लगी। सांप ने मोरनी के अंडों को भी चट कर डाला।

शाम हुई, तो चुहिया ने मछली को बुलाया। रोज की तरह वह टहलने चली गई। मछली उड़ी और आसमान में गायब हो गई। अब सांप चुहिया के बच्चों को निगल गया।

रात हुई, तो गिलहरी ने मछली से कहा, अमरूद पक गए हैं। मैं भी कुछ अमरूद खा आती हूं। मेरे बच्चों का ध्यान रखना। गिलहरी के जाते ही मछली ने नदी में गोता लगाया। वह तैरती हुई नदी के दूसरे तट पर जा पहुंची। सांप ने गिलहरी के बच्चों को भी अपना निवाला बना लिया।

सुबह हुई, तो सभी ने मछली को घेर लिया। बगुला आगबबूला होकर चिल्लाया, मेरे अंडे कहां हैं?

चुहिया और गिलहरी ने अपने बच्चों के बारे में पूछा। मछली ने जवाब दिया, मुझे क्या पता?

बगुले को गुस्सा आ गया। उसने मछली को दबोच लिया। मछली ने डरते-डरते सारा किस्सा सुनाया।

किस्सा सुनकर चुहिया बोली, एक सांप की बातों में आकर तुमने हमारा भरोसा तोड़ा है। मैं तुम्हें उड़ने लायक नहीं छोड़ूंगी। चुहिया ने मछली के पंख कुतर डाले। गिलहरी ने कहा, आज से तुम उड़ नहीं पाओगी। मछली नदी में जा छिपी। बगुला बोला, कहां जाती हो। मैं तुम्हें पानी में भी नहीं छोडूंगा। तभी से बगुला मछली की ताक में रहता है। वहीं मछली अब उड़ नहीं पाती है।

बादलों का सीना चीरकर उड़ने वाले पक्षी बाज के बारे में आप भली-भांति जानते होंगे.बाज एक ऐसा पक्षी है जो बादलों से भी ऊपर उड़ सकता है और इसके साथ ही यह पक्षी बहुत तेज रफ्तार से उड़ता है. उदाहरण के तौर पर बाज 380 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार तक उड़ सकता है.

आसमान का राजा बाज

बाज आसमान में लगभग 12000 फीट ऊंचा उड़ सकता है यह बारिश के दिनों में हमेशा बादलों के ऊपर उड़ता है शायद इसीलिए इसे आसमान का राजा भी कहा जाता है. बाज हवा में एक जगह मंडरा सकते हैं जैसे एक पतंग हवा में एक जगह उड़ती रहती है.एक वैज्ञानिक शोध के अनुसार बाज की नजर बहुत तेज होती है यह अपने शिकार को 5 किलोमीटर दूर से ही देख सकता है साथ ही इनकी आंखों में इन्फ्रारेड सिस्टम विकास हो गया है जिसकी वजह से यह है शिकार के शरीर से निकलने वाली गर्मी को पहचान कर उसका शिकार कर सकता है.बाज की नजर का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि बाज को आसमान से ही पानी में तैरती हुई मछली दिखाई दे जाती है और बाज पानी में गोता लगाकर मछली को पकड़ सकता है.

बाज की चोंच एक अलग तरह से बनी होती है इनकी चोच 90 डिग्री के कोण पर मुड़ी हुई होती है चोच के दोनों तरफ एक छोटा दांत बाहर निकला हुआ होता है.यह अपने शिकार को देखते हैं लगभग 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से शिकार की तरफ बढ़ते है.और जैसे ही कोई मेंढक या चूहा पकड़ते है तो उसकी गर्दन पर ऐसी जगह पर वार करते है जिससे उसका नर्वस सिस्टम काम करना बंद कर देता है. जिसे शिकार मुकाबला नहीं कर पाता है और मारा जाता है.बाज अपने से दो गुना बड़े शिकार को पकड़ सकता है, कभी-कभी यह अपने से इतने बड़े शिकार को पकड़ लेते हैं कि एक बार में उसे खा भी नहीं पाते है.क्थद्दद्द्र शिकार करके अपने भोजन को ऊंची पहाड़ियों में बने अपने घोसलों में छोड़ देते है. और बाद में जब इन्हें भूख लगती है तब यह उस शिकार को आ कर खा लेते है.बाज की आंखें अपने शिकार को बिना पलक झपकाए अधिक समय तक देख सकती हैं इसी कारण ये अपने शिकार से कम ही चुकते है. बाज एक मांसाहारी पक्षी होता है इसका भोजन सांप, मछली, मेंढक, खरगोश, चूहे और छोटे पक्षी होते है. यह पक्षी लगभग पूरी दुनिया में ही पाया जाता है यह ज्यादातर ऊंची पहाड़ियों और चट्टानों पर अपना घोंसला बनाते है लेकिन ज्यादातर बाज पक्षी दूसरे पक्षियों के घोंसलों पर कब्जा करके यह रहते है.विश्व भर में इसकी 60 से भी अधिक प्रजातियां पाई जाती है.एक वयस्क बाज का वजन लगभग 10 किलो तक हो सकता है.इसके फल का आकार में बहुत बड़े और पतले होते हैं जिसके कारण यह ज्यादा देर तक हवा में उड़ पाते है.मादा बाज पक्षी साल में एक बार 3 से 4 अंडे देती है और जब तक उनमें से उसके बच्चे नहीं निकल आते है वह उनके ऊपर बैठी रहती है. बाज के बच्चे अंडे में से औसतन 35 से 40 दिनों के अंदर बाहर निकल आते है.एक बाज की औसतन आयु 60 से 70 वर्ष होती है.उनके पंख और सोच लगातार बढ़ती रहती है इसलिए जैसे-जैसे यह व्यस्त होते है. इन्हें अपनी चोच से भोजन खाने में दिक्कत होने लगती है इसीलिए यह चट्टानों पर जाकर अक्सर अपनी चोच घिसते रहते है.इनके पंजों की बात करें तो पैर के पंजे बहुत ही ताकतवर और नुकीले होते हैं जिससे यह किसी भी सांप या मछली को अगर एक बार पकड़ ले तो उसके बाद छोड़ते नहीं है.यह पक्षी ज्यादातर अकेले रहना ही पसंद करता है.

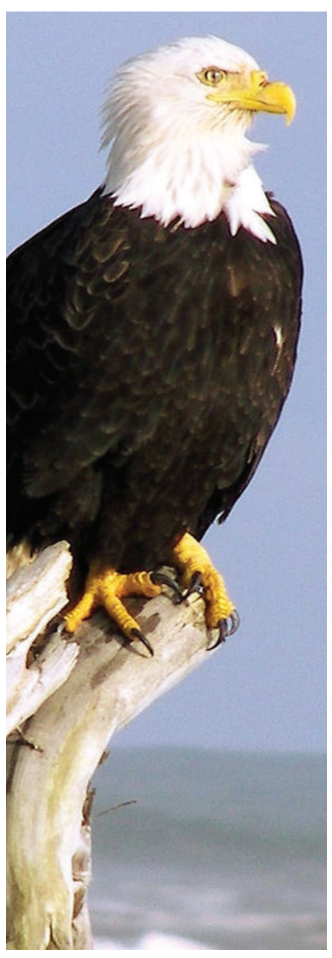

- बाज पक्षियों में सबसे बड़ा पक्षी होता है.
- बाज एक मांसाहारी पक्षी है.
- यह मुख्य रूप से भोजन में सांप, मछली, चूहा, मेंढक इत्यादि खाते है.
- बाज आसमान में बिना पंखों को हिलाएं हवा में अधिक समय तक उड़ सकता है.
- यह लगभग दुनिया के हर देश में पाया जाता है और दुनिया भर में इसकी 60 से अधिक प्रजातियां अभी तक खोजी जा चुकी है.
- यह पक्षी अकेले में जंगलों में पहाड़ियों के ऊपर रहना पसंद करता है.
- क्या आप जानते हैं जब भी पक्षियों के राजा की बात आती है तो उनमें बाज का नाम सबसे पहले लिया जाता है.क्योंकि यही एक मात्र ऐसा पक्षी है जो तेज रफ्तार के साथ ही शारीरिक रूप से भी सर्वाधिक शक्तिशाली माना जाता है.
- बाज मांसाहारी जीवो की श्रेणी में आता है और इसका जीवनकाल लगभग 40 वर्ष से लेकर 70 वर्ष का होता है.
- बाज तेजी से उड़ने और सतह पर चलने की लिए भी जाना जाता है. यह पक्षी सतह पर भी गजब की तेजी से दौड़ता है.
- बाज के शरीर की बनावट जैसे छाती की मजबूत मांसपेशियाँ , लम्बे पंख और स्ट्रीमलाइन आकार के फाल्कन सही मायने में इस पक्षी को गजब की रफ्तार देने के लिए ही बने है.
- बाज के शरीर की लंबाई 13 से 23 इंच तक हो सकती है तथा बाज क पंखो लंबाई 29 से 34 इंच तक होती है.इसके साथ ही मादा बाज का आकार नर बाज से बड़ा होता है.
- बाज के पसंदीदा शिकारो में चिड़िया, कबूतर, चूहा ट बत्तख इत्यादि का शिकार ज्यादातर करता है.
- बाज आकाश में 12000 फीट की उंचाई तक उड़ान भर सकता है
- क्या आप जानते है बाज की अब तक लगभग 2000 प्रजाति खोजी जा चुकी है.
- अगर आप बाज को नहीं पहचानते तो इसे जानने के लिए नीली स्लेटी और उसी रंग के लम्बे नुकील पंखो और पेट पर सफेद एवं काले धब्बो से पहचाना जा सकता है.
- आपको जानकर हैरानी होगी द्वितीय विश्व युद्ध में कबूतरों द्वारा भेजे संदेशो को रोकने के लिए घुमन्तु बाज का इस्तेमाल किया जाता था.
- जंगलो में रहने वाले आदिवासी ज्यादातर छोटे -छोटे पक्षियों के शिकार के लिए बाज का सहारा लेते हैं.
- बाज एक ऐसा पक्षी है जो अंटार्टिका के इलावा समूचे विश्व में पाया जाता है.
- बाज ही एकमात्र ऐसा शिकारी पक्षी है जो शिकार के लिए इंसान के 2 साल के बच्चे को भी उठा कर ले जा सकता है.
- मादा बाज 1 से लेकर 3 अंडे देती है और लगभग बाज 34 से 36 दिनों तक अण्डों पर बैठती है जिसके बाद अण्डों में से बच्चे बाहर निकल आते हैं
- क्या आप जानते है एक स्वस्थ बाज 6 किलोग्राम वजन को उठा कर हवा में उड़ सकता है.
- जिस तरह बाज तेजी का प्रतिक माना जाता है ठीक इसी प्रकार बाज के बच्चे का भी बहुत तेजी से विकास होता हैं यह 6 सप्ताह में 3-4 किलो हो जाता हैं.
- बाज की नजर भी बहुत तेज होती है उदाहरण के तोर पर यह अपने शिकार को 5 किलोमीटर की दूरी पर भी देख लेता है.

प्रति सेकंड 130 फ्रेम देख सकता है पेरग्रिन बाज

पशु-पक्षियों की दुनिया में पेरग्रिन बाज की दृष्टि सबसे तेज होती है। एक अध्ययन के अनुसार, दुनिया के सबसे सामान्य परभक्षी पक्षियों में शुमार यह बाज एक सेकंड में लगभग 130 फ्रेम देख सकता है। स्वीडन की लुंड यूनिवर्सिटी सहित कई शोधकर्ताओं का कहना है कि इसकी तुलना में इंसान प्रति सेकंड अधिकतम 50-60 फ्रेम ही देख पाते हैं। उन्होंने कहा कि कोई शख्स मूवी थिएटर में बतौर फिल्म प्रति सेकंड 25 छवियों की गति ही देख सकता है। वह भी उसे छवियों की शृंखला के रूप में नहीं देख सकता है। जर्नल ऑफ एक्सपेरिममेंटल बायोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, पेरग्रिन बाज की दृष्टि सबसे तीव्र होती है। तेज प्रकाश वाले वातावरण में उसकी दृष्टि 129 एचजेड (प्रति सेकेंड पलक झपकाना) होती है। इन्हीं परिस्थितियों में सेकर बाज 102 एचजेड और हैरिस की देखने की क्षमता 77 एचजेड होती है। ऐसा पहली बार है, जब वैज्ञानिकों ने परभक्षी पक्षियों की दृष्टि की गति का अध्ययन किया है। इसके लिए उन्होंने यह गणना की कि वे कितने दृश्यों का अनुभव कर सकते हैं। अध्ययन के सह लेखकों में एक लुंड यूनिवर्सिटी के एल्मट केल्बर ने कहा, 'मेरे सहयोगी साइमन पोटियर और मैंने सेकर और हैरिस प्रजाति के बाजों का अध्ययन किया। इस दौरान यह भी गणना की कि ये कितनी तेज रोशनी में झपकी ले सकते हैं।' शोधकर्ताओं ने कहा कि परभक्षी पक्षियों की नजर शिकार की जरूरत के हिसाब से हरकत करती है। आमतौर पर बाज तेज गति से उड़ने वाली पक्षियों का शिकार करते हैं और अपनी तीव्र दृष्टि से उन पक्षियों के सचेत होने से पहले ही उन्हें पकड़ लेते हैं।

350 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से शिकार करता है

शोधकर्ताओं ने बताया कि हैरिस नामक बाज के पास अत्यधिक ऊंचाइयों पर शिकार करने के लिए बहुत तेज दृष्टि नहीं होती है, क्योंकि वह जमीन पर छोटे और धीमी गति वाले जानवरों का शिकार करते हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार, पेरग्रिन बाज के पास अलग-अलग दृश्यों में खुद की दृष्टि को समायोजित करने की क्षमता होती है, क्योंकि यह एक फॉर्मूला वन रेसिंग कार की गति यानी 350 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से अपने शिकार पर हमला बोलती है।

पिंजरे में रखे गए पक्षियों की स्थिति समझने में मिलेगी मदद

यह अध्ययन छोटे कीटों को खाने वाली पक्षियों की देखने की क्षमता का पता लगाने के लिए किया गया है। शोधकर्ताओं ने का कहना है कि बाजों के शिकार की कला यह भी बताती है कि परभक्षी पक्षियों की दृष्टि बहुत तीव्र होती है। शोधकर्ताओं के अनुसार, इस अध्ययन से मिली नई जानकारी से कैद में रखे गए पक्षियों की स्थिति को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलेगी।

अजीब है कस्तूरी बैल

बैल के बारे में आप लोग तो कुछ न कुछ जानते ही होंगे। लेकिन आप लोगों को आज एक ऐसे बैल के बारे में बताते हैं, जिसके बारे में शायद ही आप लोग जानते हों। यह बैल है कस्तूरी बैल। है न रोचक बात! आप लोग मस्क डीयर यानी कि कस्तूरी हिरण के बारे में जानते होंगे, लेकिन कस्तूरी बैल के बारे में नहीं। यह बैल भले ही अपने यहां नहीं पाया जाता, लेकिन यह कुछ एक देशों में पाया जाता है।

कस्तूरी बैल बिल्कुल याक जैसा दिखता है। यह वृक्षहीन टुन्ड्रा प्रदेश और आर्कटिक प्रदेशों का निवासी है। पूर्वी अलास्का से लेकर उत्तरी कनाडा तक और ग्रीनलैंड में पाया जाता है।इसकी दो प्रजातियां होती हैं। एक ग्रीनलैंड मस्क ऑक्स या व्हाइट फेस्ड मस्क ऑक्स। दूसरी प्रजाति केनेडियन हाई-आर्कटिक मस्क ऑक्स होती है।

दिखता है याक जैसा

यदि आप इसे दूर से देखो तो आप को भ्रम हो जाएगा। आपको लगेगा कि यह याक है, लेकिन ऐसा होता नहीं है। इसका शरीर काफी गठीला होता है। उस पर फर की दोहरी परत होती है। बाहरी परत लम्बे-लम्बे फर वाली होती है। कभी-कभी इसके बाल इतने लम्बे होते हैं कि जमीन को भी छूने लगते हैं। इनके मोटे फरों का रंग गहरा भूरा होता है। इनके फर ही बर्फीले आर्कटिक की शीत लहरों में ठंड से बचाव करते हैं। इनके बाल भेड़ के बालों की तरह ऊन बनाने के काम आते हैं। इनके फर गर्मी के मौसम में झड़ने लगते हैं।

विशालकाय शरीर

इसके कंधों पर कूबड़ होता है। इसके सींग लम्बे,चौड़े और मुड़े हुए होते हैं। इसके खुर बैलों से काफी बड़े होते हैं। इसके विशालकाय शरीर का वजन 200 किलोग्राम से 400 किलोग्राम तक हो सकता है, जबकि शरीर की लम्बाई छह फुट से साढ़े सात फुट के मध्य होती है और ऊंचाई पांच फुट तक होती है। इसके गठीले शरीर के कारण ही शिकारी जानवर जल्दी हमला नहीं कर पाते। ये अक्सर झुंड में ही रहते हैं, इसलिए शिकारी जानवरों पोलर बीयर, आर्कटिक फॉक्स और आर्कटिक भेड़ियों से अपनी रक्षा कर लेते हैं।

नहीं खाता मांस

आप लोग सोच रहे होंगे कि बर्फ में रहने की वजह से इसका भी भोजन मांस होगा, लेकिन ऐसा नहीं है। यह बिल्कुल भी मांसाहारी नहीं है। घास, आर्कटिक फूल, मरकट और बहुत प्रकार की वनस्पति खाता है। वैसे इसे 'विलो प्लांट' खाना ज्यादा अच्छा लगता है। यह अपना भोजन चबाता नहीं है, बल्कि उसे निगल जाता है।

15 हजार रुपये मिले थे, मैंने पूरी रकम खर्च कर दी

टी20 वर्ल्ड कप विजेता भारतीय कप्तान ने सुनाया संघर्ष भरा किस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। सूर्यकुमार यादव इस समय अपने करियर के एक अलग दौर से गुजर रहे हैं। 2026 में भारत को टी20 वर्ल्ड कप जिताने वाले कप्तान को अब भारतीय टी20 टीम से बाहर कर दिया गया है। हालांकि, सूर्यकुमार ने वापसी की उम्मीद नहीं छोड़ी है। इसी बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा के साथ बातचीत में उन्होंने अपनी पहली कमाई और क्रिकेट के शुरुआती दिनों के संघर्ष को याद किया। सूर्यकुमार ने बताया कि मुंबई की अंडर-15 टीम के साथ अपने पहले दौरे के दौरान उन्हें पूरे सीजन के लिए सिर्फ 15,000 रुपये मिले थे। उस समय उनके पास किसी कंपनी का बैट स्पॉन्सर भी नहीं था, इसलिए उन्होंने अपनी पूरी कमाई क्रिकेट का सामान खरीदने में लगा दी थी।

सूर्यकुमार यादव ने अपनी पहली कमाई को याद करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि जब मैंने पहली बार मुंबई के लिए अंडर-15 क्रिकेट खेला था, तब मुझे 15,000 रुपये मिले थे। यह पूरे दौरे के लिए थे। मैंने शायद पूरी रकम खर्च कर दी थी। उस समय मेरे पास बैट का कोई स्पॉन्सर नहीं था, इसलिए मैं अपनी पूरी कमाई क्रिकेट का सामान खरीदने में खर्च करता था।' उनका यह बयान बताता है कि भारतीय क्रिकेट के मौजूदा स्टार ने अपने शुरुआती दिनों में किस तरह सीमित संसाधनों के बीच क्रिकेट का सफर तय किया।

वर्ल्ड कप जिताने के बाद टीम से बाहर

सूर्यकुमार ने 2026 में भारत की कप्तानी करते हुए टीम को टी20 वर्ल्ड कप का खिताब दिलाया था। यह भारत का तीसरा टी20 वर्ल्ड कप खिताब था और लगातार दूसरा खिताब भी था। इससे पहले भारत ने 2007 में एमएस धोनी और 2024 में रोहित शर्मा की कप्तानी में यह ट्रॉफी जीती थी। हालांकि, वर्ल्ड कप जीतने के कुछ ही महीनों बाद सूर्यकुमार को भारतीय टी20 टीम से बाहर कर दिया गया। चयनकर्ताओं ने अगले दो साल के चक्र को ध्यान में रखते हुए टीम में बदलाव का फैसला किया और श्रेयस अय्यर को कप्तानी की जिम्मेदारी दी।

खराब फॉर्म बनी बड़ी वजह

सूर्यकुमार की बल्लेबाजी में लगातार निरंतरता की कमी भी चयनकर्ताओं के फैसले की एक वजह मानी गई। 2026 के आईपीएल में भी उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। इसके बावजूद सूर्यकुमार का कहना है कि वह भारतीय टीम में वापसी के लिए अपनी तरफ से पूरी मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने वापसी के सवाल पर कहा, 'देखिए, मैं पूरी मेहनत कर रहा हूं और वह सब कुछ कर रहा हूं जो मैं कर सकता हूं। अगर चीजें अच्छी होती हैं, तो सब कुछ अपने आप सही जगह पर आ जाएगा।'

ईशान भैया को नहीं पता था कि मैं विकेट टेकर हूं

नईदिल्ली, एजेंसी। दलीप ट्रॉफी में ईशान किशन की कप्तानी वाली ईस्ट जोन ने नॉर्थ ईस्ट जोन को पारी और 210 रनों से हराकर सेमीफाइनल में एंट्री मार ली है. इस बड़ी जीत में टीम के उपकप्तान वैभव सूर्यवंशी का बल्ला भले ही खामोश रहा, लेकिन उन्होंने अपनी फिरकी से 2 अहम विकेट झटककर महफिल लूट ली. मैच के बाद इस युवा स्टार ने अपनी घातक गेंदबाजी के राज से पर्दा उठाया और बताया कि आखिर किस मास्टर प्लान के तहत उन्होंने विरोधी बल्लेबाजों को अपने जाल में फंसाया. वैभव सूर्यवंशी को फैन्स विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए जानते हैं. ऐसे में इस युवा खिलाड़ी ने गेंद से कमाल का प्रदर्शन कर सभी को हैरान कर दिया.

दरअसल, नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ खेले गए मैच में जब ईस्ट जोन के गेंदबाजों को विकेट निकालने में संघर्ष करना पड़ रहा था, तब कप्तान ईशान किशन ने वैभव को गेंद थमाई. ईशान को लग रहा था कि यह एक रिस्क है, लेकिन बाएं हाथ के स्पिनर वैभव ने सिर्फ 3 ओवर में 11 रन देकर 2 अहम विकेट चटका दिए और अपने कप्तान को पूरी तरह से गलत साबित कर दिया. बीसीसीआई डोमेस्टिक द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में अपनी इस शानदार गेंदबाजी पर बात करते हुए वैभव ने मजेदार खुलासा किया. उन्होंने कहा कि अगर आप किसी भी बल्लेबाज से पूछें तो उसे गेंदबाजी करने में मजा आता है. विरोधी टीम के विकेट नहीं गिर रहे थे, इसलिए मुझे 2-3 ओवर फेंकने को कहा गया.

नीरज चोपड़ा को लगी टखने की चोट

एशियन गेम्स से हुए बाहर, डायमंड लीग फाइनल और वर्ल्ड एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप में भी नहीं ले पाएंगे हिस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा 2026 के बाकी सीजन में प्रतिस्पर्धा करते नजर नहीं आएंगे। ट्रेनिंग के दौरान टखने में लिगामेंट फटने के बाद दो बार के ओलंपिक पदक विजेता को अगले महीने जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स से भी बाहर होना पड़ा है। चोट के कारण वह डायमंड लीग फाइनल और पहली बार आयोजित होने वाली वर्ल्ड एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप में भी हिस्सा नहीं ले पाएंगे।

ट्रेनिंग के दौरान लगी चोट

नीरज चोपड़ा ने शनिवार को अपने अकाउंट पर पोस्ट कर चोट की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि डॉक्टर और अपनी टीम से चर्चा के बाद उन्होंने 2026 सीजन के बाकी हिस्से से हटने का फैसला किया है। नीरज ने लिखा, 'कड़ी मेहनत के बाद आखिरकार मुझे वह लय मिलती महसूस हो रही थी, जिसकी मैं तलाश कर रहा था। सीजन का सर्वश्रेष्ठ थ्रो करने के बाद मुझे लगा कि मेरी गति वापस आ रही है। दुर्भाग्य से, इसके कुछ समय बाद ट्रेनिंग के दौरान मेरे टखने में लिगामेंट फट गया। डॉक्टर और टीम से चर्चा के बाद हमने फैसला किया है कि मैं इस सीजन के बाकी हिस्से में हिस्सा नहीं लूंगा।'

डायमंड लीग फाइनल से बाहर

इस चोट का सीधा असर नीरज के आगामी बड़े मुकाबलों पर पड़ा है। वह 5 सितंबर को ब्रसेल्स में होने वाले डायमंड लीग फाइनल में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। इसके अलावा 11 से 13 सितंबर तक बुडापेस्ट में होने वाली पहली वर्ल्ड एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप भी वह मिस करेंगे।नीरज के लिए सबसे बड़ा झटका अगले महीने जापान में होने वाले एशियन गेम्स से बाहर होना है। वह इस प्रतियोगिता में भारत के लिए पदक की बड़ी उम्मीद माने जा रहे थे।2026 का सीजन नीरज चोपड़ा के लिए पहले से ही मुश्किल रहा था। सितंबर 2025 से परेशान कर रही लोअर बैक इंजरी के कारण उनकी प्रतिस्पर्धी वापसी जून तक टल गई थी। वापसी के बाद भी वह पूरी तरह फिट नहीं थे, लेकिन उन्होंने शानदार प्रदर्शन कर अपनी लय हासिल करने के संकेत दिए।

51 साल की उम्र में आइल ऑफ मैन की क्रिकेटर ने इतिहास रच दिया

नईदिल्ली, एजेंसी। जोआन हिक्स को क्रिकेट करियर शुरू करने में लगभग आधी सदी लग गई। उन्होंने 47 साल की उम्र में इंटरनेशनल डेब्यू किया। चार साल बाद 51 साल की उम्र में आइल ऑफ मैन की इस क्रिकेटर ने इतिहास रच दिया। वह 90 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ते हुए इंटरनेशनल क्रिकेट में 5 विकेट लेने वाली सबसे बुजुर्ग खिलाड़ी बन गईं। ग्रीस की महिला टीम के खिलाफ दाएं हाथ की ऑफ-स्पिनर हिक्स ने तीसरी बार टी20 इंटरनेशनल में फाइव-विकेट हॉल लिया। उन्होंने 10 रन देकर पांच विकेट लेकर करियर का बेस्ट प्रदर्शन किया। हिक्स घातक गेंदबाजी के कारण ग्रीस 15 ओवर में 52 रन सिमट गई। आइल ऑफ मैन ने पावरप्ले में नौ विकेट रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। 51 साल और 173 दिन की उम्र में, हिक्स इंटरनेशनल क्रिकेट (पुरुष या महिला) में 50 साल की उम्र के बाद पांच विकेट लेने वाले पहले बॉलर बन गईं। हिक्स ने ऑस्ट्रेलिया के बर्ट आयरनमोंगर का 96 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। वह इंटरनेशनल क्रिकेट में यह मुकाम हासिल करने वाली सबसे उम्रदराज क्रिकेटर बन गईं। लेफ्ट आर्म स्पिनर आयरनमोंगर ने 1932 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 49 साल और 314 दिन की उम्र में पांच विकेट लिए थे। इत्तेफाक से, उन्होंने दोनों पारियों में पांच विकेट लिए थे। पहली पारी में 6 रन देकर पांच विकेट और दूसरी पारी में 18 रन देकर छह विकेट झटके। प्रोटियाज टीम एक पारी से हारी थी। वह ऑस्ट्रेलिया के 153 रन के जवाब में 36 और 45 रन पर आउट हो गई थी।

मियांदाद बोले-इमरान खान भ्रष्ट नहीं, उन्हें रिहा किया जाए

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के दिग्गज खिलाड़ी जावेद मियांदाद अपने साथी क्रिकेटर और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बारे में बात करते हुए रो पड़े, जो जेल में बंद हैं। 1975 और 1996 के बीच छह वर्ल्ड कप खेलने वाले मियांदाद ने कहा कि इमरान खान भ्रष्ट नहीं हैं। उन्हें ईमानदार बताते हुए उनकी रिहाई की गुहार लगाई। 2018 और 2022 के बीच देश के प्रधानमंत्री रहे इमरान खान को भ्रष्टाचार के आरोपों में दोषी पाए जाने के बाद 2023 में जेल भेजा गया था।मियांदाद ने इमरान खान को लेकर नैरेटिव यूट्यूब चैनल पर कहा, 'वह एक ईमानदार आदमी है। वह कोई ऐसे इंसान नहीं हैं जो भ्रष्ट काम करता हो, वरना उन्होंने बहुत कुछ किया होता। अगर आप उन्हें बाहर निकाल देंगे तो क्या होगा? क्या वह किसी को खाएंगे या नुकसान पहुंचाएंगे? वह भी किसी के बेटे हैं। मैं हमेशा सोचता हूं कि वह क्या कर रहे होंगे।'

इमरान खान के मेडिलक जांच के बाद मियांदाद का आया बयान

69 साल के जावेद मियांदाद का बयान इमरान खान के इस्लामाबाद में मेडिकल जांच के तुरंत बाद आया, जिसके बाद उन्हें रावलपिंडी की अदियाला जेल वापस भेज दिया गया। इमरान खान की पार्टी ने मेडिकल जांच के तरीके पर सवाल उठाया। उसने कहा कि पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें शिफा इंटरनेशनल अस्पताल में ट्रांसफर करने और उनके निजी डॉक्टर समेत डॉक्टरों की एक टीम की मौजूदगी की इजाजत दी थी।

मुझे कोई अनुचित फायदा नहीं मिला

मारिजाने कैप की आलोचना पर अनाया बांगर ने तोड़ी चुप्पी, दिया करारा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय बांगर की बेटी अनाया बांगर ने दक्षिण अफ्रीका की ऑलराउंडर मारिजाने कैप की आलोचना पर जवाब दिया है। कैप ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया द्वारा अनाया को ऑस्ट्रेलिया में महिला घरेलू क्रिकेट के रास्ते के लिए मंजूरी दिए जाने पर सवाल उठाते हुए इस फैसले को गलत बताया था।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अनाया को तत्काल प्रभाव से कम्युनिटी और प्रीमियर क्रिकेट खेलने के लिए पात्र माना है। हालांकि, यह मंजूरी अपने आप में किसी टीम में चयन की गारंटी नहीं है। उन्हें क्लब स्तर पर प्रदर्शन के जरिए आगे के अवसर हासिल करने होंगे।

पूरी जानकारी हासिल करनी चाहिए

कैप की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए अनाया ने कहा कि इस मुद्दे पर आपत्ति जताने वाले लोगों को पहले इसके बारे में पूरी जानकारी हासिल करनी चाहिए। उन्होंने पीटीआई से बातचीत में कहा, 'जो लोग इसके खिलाफ आवाज उठाना चाहते हैं, उन्हें वास्तव में पहले इस विषय के बारे में खुद को शिक्षित करना चाहिए।' अनाया ने आगे कहा, 'मैंने पहले ही यह जरूरी जानकारी उपलब्ध करा दी है कि मुझे कोई अनुचित फायदा नहीं है और मैं क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की ओर से तय किए गए दिशानिर्देशों का पालन कर रही हूं।'

जैस्मिनः कड़ी मेहनत के बल पर बनाई पहचान

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय मुक्केबाजों का प्रदर्शन शानदार रहा था। भारतीय टीम ने रिकॉर्ड 7 स्वर्ण पदक जीते थे। इसमें पुरुष और महिला दोनों मुक्केबाजों ने स्वर्ण जीते थे। स्वर्ण पदक जीतने वाली महिला मुक्केबाजों में एक नाम जैस्मिन लंबोरिया का भी था। लंबोरिया ने 57 किग्रा भारवर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। कड़ी मेहनत, दृढ़ निश्चय और प्रतिभा के बल पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने वाली जैस्मिन लंबोरिया का जन्म 30 अगस्त 2001 को भिवानी, हरियाणा में हुआ था। भिवानी को 'लिटिल क्यूबा' के नाम से जाना जाता है। यह स्थान मुक्केबाजी का गढ़ है। जैस्मिन के लिए मुक्केबाजी के क्षेत्र में करियर बनाने का फैसला आसान नहीं था। लड़की होने की वजह से उन्हें परिवार और समाज की रूढ़िवादी सोच से जूझना पड़ा, लेकिन एक बार सभी का विश्वास हासिल करने के बाद फिर उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। जैस्मिन को अपने सफर में चाचा संदीप और परविंदर का भी बाद में साथ मिला, दोनों बॉक्सिंग में राष्ट्रीय स्तर पर विजेता रहे हैं। भिवानी की लैंबोरिया बॉक्सिंग अकादमी में जब जैस्मिन ने प्रशिक्षण शुरू किया, उस समय वहां कोई महिला मुक्केबाज नहीं थी। इसलिए उन्होंने लड़कों के साथ प्रशिक्षण लिया, जिसने उनकी तकनीक और आत्मविश्वास को और मजबूत किया।

प्रतिभा का लोहा मनवाया

जैस्मिन ने 2021 में दुबई में आयोजित एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। उसी वर्ष एक अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में रजत पदक और 2022 में बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में 60 किग्रा लाइटवेट वर्ग में कांस्य पदक जीता। उन्होंने अस्ताना में 2025 में आयोजित विश्व बॉक्सिंग कप में जैस्मिन ने गोल्ड मेडल जीत वैश्विक मंच पर अपनी श्रेष्ठता साबित की। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का स्वर्ण पदक उनकी सबसे हालिया सफलता है। 25 साल की हो रही जैस्मिन से एशियन गेम्स और ओलंपिक में पदक की उम्मीद है।

एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतना लक्ष्यः आशी

भोपाल, एजेंसी। भारतीय राइफल शूटर आशी चौकसे ने साल 2018 में अचानक प्रतिस्पर्धी शूटिंग शुरू की थी। अब 24 वर्षीय आशी अपने दूसरे एशियन गेम्स की तैयारी कर रही हैं। उन्होंने अब तक एशियन गेम्स में एक कांस्य और दो रजत पदक जीते हैं। अब उनका बड़ा लक्ष्य आइची-नागोया 2026 एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतना है। आशी ने 2022 एशियन गेम्स (जो 2023 में हुए थे) में महिलाओं के 10 मीटर एयर राइफल टीम इवेंट में रजत, महिलाओं के 50 मीटर राइफल 3पी टीम इवेंट में रजत और महिलाओं के 50 मीटर राइफल 3पी इवेंट में कांस्य पदक जीता था। उन्हें लगता है कि यहां मुकाबला करने से जापान में होने वाले अगले इवेंट के लिए उनकी समझ और आत्मविश्वास बेहतर हुआ है। अपने पहले और दूसरे एशियन गेम्स के सफर के अंतर पर बात करते हुए आशी ने कहा, 'एशियन गेम्स ओलंपिक के बाद सबसे बड़े मल्टी-स्पोर्ट टूर्नामेंट में से एक है और मैं वहां पहले भी मुकाबला कर चुकी हूं। मैंने उस मंच पर परफॉर्म किया है, इसलिए मुझे पता है कि इसके लिए क्या चाहिए।

एशियन गेम्स तक के सफर में कड़ी ट्रेनिंग शामिल थी, जिसके दौरान भारतीय शूटिंग टीम ने भोपाल में इंटेंसिव कैंप में हिस्सा लिया। शुरुआती कैंप में कई मैच और फाइनल सिमुलेशन के साथ-साथ लंबे शूटिंग सेशन भी शामिल थे, जिनका मकसद एथलीटों की सहनशक्ति और निरंतरता को परखना था। आशी ने कहा, 'हम तैयारी में बहुत मेहनत और कोशिश कर रहे थे। इस कैंप की रणनीति मैच और फाइनल आयोजित करने की थी। हमने लगभग तीन-चार मैच और तीन-चार फाइनल खेले, जो 10 दिन के कैंप में बहुत अधिक हैं। मैच खेलना बहुत इंटेंस होता है, भले ही वह सिर्फ 60-शॉट का मैच हो। हमने 120-शॉट का मैच भी खेला, जो किसी प्रोग्राम में नहीं होता, लेकिन हमने इसे लंबे समय तक सहनशक्ति और स्थिरता की जांच करने के लिए किया,' शूटिंग टीम ने स्पोर्ट्स साइकोलॉजिस्ट के साथ मिलकर काम किया है।

दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में नॉर्थ जोन टीम में नजर आएंगे गुरनूर बरार

नई दिल्ली, एजेंसी। तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को रविवार से बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में साउथ जोन के खिलाफ शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल के लिए नॉर्थ जोन की टीम में शामिल किया गया है। गुरनूर श्रीलंका के खिलाफ हुई टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा थे। गुरनूर को नॉर्थ जोन की प्लेइंग इलेवन में जगह मिलने की संभावना है। भारतीय टीम मैनेजमेंट अगले दौरों से पूर्व उन्हें रेड बॉल में ज्यादा से ज्यादा मौके देना चाहता है। गुरनूर भारत की पिछली दो टेस्ट टीमों का हिस्सा रहे हैं, लेकिन उनका टेस्ट डेब्यू अभी बाकी है। जुलाई में, वह इंडिया ए के श्रीलंका के शैडो टूर पर गए थे, और दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट में 145 रन देकर 10 विकेट लिए थे। गुरनूर के प्रथम श्रेणी करियर के रिकॉर्ड पर नजर डालें तो वह 19 मैचों में 25.24 की औसत से 62 विकेट ले चुके हैं। 23 साल के गुरनूर ने जून में अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे में डेब्यू किया और भारत के हाल के इंग्लैंड दौरे पर तीनों वनडे मैच खेले। वह अब तक 6 वनडे मैचों में 11 विकेट ले चुके हैं।

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए जम्मू और कश्मीर के तेज गेंदबाज औकिब नबी का चयन भी भारतीय टीम में हुआ था। हालांकि, उन्हें भी डेब्यू का मौका नहीं मिला। रिपोर्ट के मुताबिक नबी अपने वीजा पेपरवर्क के पूरा होने पर इंग्लिश काउंटी सर्किट में खेलने की सोच रहे हैं। चयनकर्ता भी चाहते हैं कि नबी तेज गेंदबाजों के लिए आसान हालात में कुछ मैच खेलें। नबी को भी न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भी मौका मिल सकता है, ऐसे में उन्हें भी ज्यादा से ज्यादा मौके देने पर टीम मैनेजमेंट विचार कर रहा है। अगर काउंटी में खेलने का मौका नहीं मिलता है, तो नबी 22 सितंबर से पुडुचेरी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इंडिया ए के दो मैचों में से पहले मैच में खेलेंगे, और फिर 1 से 5 अक्टूबर तक श्रीनगर में रेस्ट ऑफ इंडिया के खिलाफ ईरानी कप मैच के लिए जम्मू-कश्मीर टीम में शामिल होंगे। नबी ने जम्मू-कश्मीर को 2025-26 में रणजी ट्रॉफी की ऐतिहासिक खिताबी जीत में यादगार भूमिका निभाई थी और सीजन में 60 विकेट लिए थे।

‘गांधारी’ में मेरे किरदार को लेखिका कनिका ढिल्लों ने बहुत बारीकी से लिखा है

तापसी पन्नू की आने वाली फिल्म ‘गांधारी’ रिलीज से पहले ही लगातार चर्चा में बनी हुई है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इस फिल्म में तापसी एक ऐसी मां का किरदार निभा रही हैं, जिसकी बेटी किडनैप हो जाती है। बेटी को वापस लाने के लिए वह हर खतरे का सामना करने को तैयार है। ट्रेलर लॉन्च के दौरान तापसी ने किरदार की तैयारी, आंखों की रोशनी चले जाने के बाद निभाए गए सीन और एक्शन के बारे में खुलकर बात की। इसी दौरान उन्होंने कंगना रनौत के साथ चल रहे विवाद पर भी नाराजगी जाहिर की।

तापसी ने कहा, ‘फिल्म में मेरे किरदार को लेखिका कनिका ढिल्लों ने बहुत बारीकी से लिखा है। किरदार को समझने के लिए मुझे बहुत ज्यादा चीजें खुद से बनाने की जरूरत नहीं पड़ी, क्योंकि पूरी भावनाएं पहले से कहानी में साफ थीं। मुझे बस उस किरदार को सही तरीके से पर्दे पर दिखाना था। कहानी के बीच में मेरा किरदार अपनी आंखों की रोशनी खो देता है। ऐसे में किरदार के चलने के तरीके या दूसरे कामों के करने के तरीकों को समझने के लिए मैंने एक खास ट्रेनिंग ली कि बिना देखे किस तरह चलना है, शरीर की हरकत कैसी होनी चाहिए और किसी चीज को महसूस करते समय किस तरह प्रतिक्रिया देनी है। यह अनुभव मेरे लिए इसलिए भी अलग था, क्योंकि मुझे बोलने के बजाय अपने शरीर की हर छोटी हरकत से यह दिखाना था कि मेरा किरदार देख नहीं सकता।‘

एक्शन को लेकर तापसी ने कहा, ‘ ’मैं इससे पहले भी एक्शन फिल्मों में काम कर चुकी हैं, इसलिए मुझे इसकी तैयारी का अंदाजा है। एक्शन करते समय कलाकार को खुद को इस तरह तैयार रखना पड़ता है कि चोट लगने का खतरा कम हो। इसके लिए शरीर और दिमाग दोनों को तैयार रखना जरूरी होता है। लेकिन, ‘गांधारी’ का एक्शन मेरे पुराने काम से अलग है, क्योंकि इसमें एक मां की भावनाएं भी जुड़ी हुई हैं।’’ उन्होंने कहा, ‘ ’मेरे किरदार का एक्शन किसी बदले की भावना से जुड़ा नहीं है। वह अपनी बेटी को बचाने के लिए लड़ रही है। इसलिए जब वह किसी से भिड़ती है तो उसके पीछे गुस्से से ज्यादा अपनी बच्ची को वापस पाने की बेचैनी है। अगर मेरे किरदार की बेटी तक पहुंचने के रास्ते में कोई भी आएगा, तो वह उसे नहीं छोड़ेगी।’’

फिल्म के ट्रेलर की बात करें तो इसकी शुरुआत तापसी और उनकी बेटी मिष्टी के साथ होती है। दोनों के बीच मां-बेटी का बेहद प्यारा रिश्ता दिखाई देता है। एक सीन में तापसी आंखों पर पट्टी बांधकर बच्ची के साथ छुपन-छुपाई खेलती नजर आती हैं। इसके बाद कहानी अचानक बदल जाती है। ट्रेन से सफर के दौरान मिष्टी गायब हो जाती है और यहीं से एक मां की बच्ची को लेकर तलाश शुरू होती है। बेटी को काफी खोजने के बाद भी जब कोई सुराग नहीं मिलता, तो तापसी का किरदार खुद उसे ढूंढने निकलता है। कहानी में आगे दिखाया जाता है कि सिर्फ मिष्टी ही नहीं, बल्कि आसपास के इलाके से कई बच्चियां गायब हुई हैं। इसके बाद मामला और गंभीर हो जाता है। तापसी को छाया कदम का किरदार ट्रेनिंग देता है, और वह आंखों पर पट्टी बांधकर अपनी बेटी की तलाश के लिए निकल पड़ती है।

ट्रेलर में महाभारत का संदर्भ भी

ट्रेलर में महाभारत की गांधारी का भी संदर्भ दिया गया है। इसमें कहा जाता है कि जिस तरह गांधारी ने अपने पति के लिए आंखों पर पट्टी बांधी थी, उसी तरह एक मां अपनी बेटी के लिए आंखों पर पट्टी बांधेगी। आगे जॉयपुरा की रहस्यमयी दुनिया दिखाई देती है, जहां बहरूपियों और गायब होती बच्चियों से जुड़ा एक डरावना सच सामने आता है। ट्रेलर लॉन्च के दौरान जब कंगना रनौत के साथ चल रहे विवाद को लेकर सवाल पूछा गया, तो इस पर तापसी ने अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा, ‘ ’मीडिया यह सवाल पूछना कब बंद करेगा? अगर सच में आप चाहते हैं कि हमारे बीच कोई विवाद न रहे तो ऐसे सवाल पूछना ही बंद कर देना चाहिए। शायद मीडिया को इस तरह के सवालों में काफी मजा आता है, तभी बार-बार यही बात पूछी जाती है।’’

कबीर खान की स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म के साथ निर्माता बने कार्तिक आर्यन

कार्तिक आर्यन ने अभिनय से आगे बढ़ते हुए अपने प्रोडक्शन बैनर डोपामिन स्टूडियोज़ की शुरुआत की है। यह बैनर अब मशहूर फिल्म निर्देशक कबीर खान के साथ उनकी आगामी फिल्म से आधिकारिक रूप से जुड़ गया है। यह अभी तक बिना शीर्षक वाली फिल्म कार्तिक और कबीर खान की 2024 की बायोग्राफिकल स्पोर्ट्स ड्रामा ‘चंदू चैंपियन’ के बाद दूसरी साझेदारी है।

गौरतलब है कि ‘चंदू चैंपियन’ भारत के पहले पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर के जीवन पर आधारित थी, जिसके लिए कार्तिक को हाल ही में भारत के 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का सम्मान मिला है। असाधारण सच्ची घटना से प्रेरित इस फिल्म में कार्तिक एक किकबॉक्सिंग कोच की भूमिका निभा रहे हैं, जो कश्मीर की एक युवा लड़की के सफर को दिशा देने में मदद करता है।

माना जा रहा है कि इस फिल्म की कहानी युवा कश्मीरी एथलीट तजामुल इस्लाम के जीवन से प्रेरित है, जिन्होंने किकबॉक्सिंग चैंपियन के रूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। कहानी सुनने के बाद से ही कार्तिक इससे इस कदर गहराई से जुड़ गए कि इसकी भावनात्मकता, संघर्ष, दृढ़ता और जज्बे से प्रभावित हुए बिना नहीं रह पाए। इसी जुड़ाव के चलते उन्होंने फिल्म में अभिनय करने के साथ ही डोपामिन स्टूडियोज़ के माध्यम से निर्माता के रूप में भी जुड़ने का फैसला कर लिया। स संदर्भ में फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया, ‘कहानी सुनते ही कार्तिक इससे बहुत गहरे स्तर पर जुड़ गए थे।

कार्तिक के करियर में नए अध्याय की शुरुआत

डोपामिन स्टूडियोज़ की शुरुआत कार्तिक आर्यन के करियर में एक नए अध्याय की शुरुआत है, जहां वह अभिनय के साथ-साथ फिल्म निर्माण में भी अपनी रचनात्मक भागीदारी बढ़ा रहे हैं। कबीर खान के साथ उनकी यह दूसरी फिल्म भी संघर्ष, महत्वाकांक्षा, दृढ़ संकल्प और मानवीय जज्बे की जीत जैसी भावनाओं पर केंद्रित है। दिलचस्प बात यह है कि इस भूमिका के लिए कार्तिक ने किस बॉक्सिंग की ट्रेनिंग भी ली है। फिल्म की शूटिंग फिलहाल जारी है और इसके कुछ हिस्सों की शूटिंग मुंबई और कश्मीर में की जा रही है। इसके अलावा फिल्म का शीर्षक, बाकी कलाकारों और रिलीज डेट से जुड़ी अन्य जानकारियां आने वाले समय में आधिकारिक रूप से सामने आने की उम्मीद है।

क्या रणबीर की ब्रह्मास्त्र 2 में नजर आएंगी दीपिका पादुकोण?

फिल्म ‘ब्रह्मास्त्र’ साल 2022 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में रणबीर कपूर और आलिया भट्ट लीड रोल में नजर आए। अब कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा कहा गया था कि दूसरे पार्ट में दीपिका पादुकोण नजर आएंगी। वे अमृता की भूमिका अदा करेंगी। मगर, अभिनेत्री के प्रवक्ता ने ऐसी खबरों को खारिज कर दिया है।

दीपिका पादुकोण ‘ब्रह्मास्त्र 2’ में नजर नहीं आएंगी। उनके प्रवक्ता ने यह बात कही है। इस स्पष्टीकरण से उन वायरल खबरों का खंडन होता है जिनमें दावा किया गया था कि एक्ट्रेस इस सीक्वल में अहम भूमिका निभाएंगी रिपोर्ट के मुताबिक, दीपिका पादुकोण ‘ब्रह्मास्त्र 2’ से नहीं जुड़ी हैं। दीपिका पादुकोण के प्रवक्ता ने साफ किया कि वे खबरें पूरी तरह बेबुनियाद हैं, जिनमें कहा गया था कि दीपिका ‘ब्रह्मास्त्र 2’ में दिखाई देंगी।

दीपिका की भूमिका को लेकर क्या कहा गया था?

दीपिका पादुकोण के प्रवक्ता ने कहा, ‘हाल ही में आई वे सभी खबरें गलत हैं, जिनमें कहा गया है कि दीपिका पादुकोण ‘ब्रह्मास्त्र 2’ का हिस्सा हैं या किसी भी तरह से इस प्रोजेक्ट से जुड़ी हैं। हालांकि, दीपिका के इसमें शामिल होने की अटकलें यूं ही नहीं लगी थीं। साल 2022 में रिलीज हुई फिल्म ‘ब्रह्मास्त्र-पार्ट वन शिवा’ में एक्ट्रेस की एक बहुत छोटी सी झलक दिखी। इसमें उन्हें ‘अमृता’ के तौर पर दिखाया गया था। अमृता एक शक्तिशाली अस्त्र चलाने वाली और ‘अस्त्रावर्स’ की पौराणिक कथाओं में एक अहम किरदार थीं। हालांकि उनका चेहरा बस कुछ ही पल के लिए दिखाया गया, लेकिन यह सीन बहुत अहम था। इसमें दीपिका का किरदार ‘अमृता’ एक बच्चे को लिए हुए ‘देव’ से भागती हुई दिखाई देती है। देव एक रहस्यमयी किरदार है, जिसके बारे में फिल्म के आखिर में पता चलता है। इस सीन ने उस कहानी की नींव असरदार ढंग से रखी, जिसे ‘ब्रह्मास्त्र 2’ में दिखाए जाने की उम्मीद थी।

दीपिका का वर्क फ्रंट

दीपिका पादुकोण के वर्क फ्रंट की बात करें तो इन दिनों वे अल्लू अर्जुन की ‘राका’ को लेकर व्यस्त हैं। इसमें वे अहम भूमिका अदा करेंगी। इसके अलावा वे शाहरुख खान की ‘किंग’ में भी नजर आएंगी। दीपिका पादुकोण की निजी जिंदगी की बात करें तो वे प्रेग्नेंट हैं। रणवीर सिंह के साथ अगले महीने वे दूसरे बच्चे का स्वागत करेंगी।

तनुश्री दत्ता ने बॉलीवुड में उम्र और वरिष्ठता को लेकर राय रखी

’आशिक बनाया आपने’ और ‘ढोल’ जैसी फिल्मों में दिख चुकीं अभिनेत्री तनुश्री दत्ता ने बॉलीवुड में उम्र और वरिष्ठता को लेकर एक बार फिर बेबाक राय रखी है। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति को सिर्फ इसलिए सम्मान नहीं दिया जाना चाहिए, क्योंकि वह उम्र में बड़ा है या फिल्म इंडस्ट्री में लंबे समय से काम कर रहा है। अपने अनुभवों को याद करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने जिंदगी और करियर से यह सीख ली है कि किसी इंसान की पहचान उसकी उम्र से नहीं, बल्कि उसके चरित्र से होनी चाहिए। सोमवार को तनुश्री दत्ता ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने बॉलीवुड में अपने सफर और इस दौरान मिली सीख के बारे में बात की। उन्होंने लिखा, ‘ ’मुझे भी यही लगा था कि उम्रदराज एक्टर है, कोई काम नहीं दे रहा, मदद कर देती हूं। लेकिन नहीं, बॉलीवुड में ‘वेटरन’ का मतलब है शातिर-दिमाग, मंझा हुआ खिलाड़ी, जो घाट-घाट का पानी पीकर सारी चालबाजी सीख चुका है, जिसको सारी मीडिया और पब्लिक मैनिपुलेशन आती है।’’ तनुश्री ने लिखा, ‘ ’वे अपनी वरिष्ठता और अनुभव की छवि के पीछे अपनी असलियत छिपा सकते हैं। ऐसे लोगों को मीडिया और जनता की धारणा को अपने पक्ष में करने का तरीका पता होता है।’’ तनुश्री ने चेतावनी देते हुए लिखा, ‘ ’ऐसे इंसान पर सिर्फ उनकी उम्र की वजह से भरोसा न करें। इनमें से कुछ बहुत ही बुरे और नकारात्मक लोग, जिनके युवाओं के प्रति बहुत ही बुरे और घटिया इरादे हैं, वेटरन की कैटेगरी में हैं। वे युवा और विशेषाधिकार प्राप्त लोगों से नफरत करते हैं और उन्हें बर्बाद करने के लिए कुछ भी करेंगे।

अर्जुन रेड्डी के 9 साल

शालिनी पांडे ने डेब्यू को किया याद

मुंबई ‘अर्जुन रेड्डी’ को रिलीज़ हुए नौ साल पूरे हो गए हैं, लेकिन यह कल्ट तेलुगु फिल्म आज भी भारतीय सिनेमा की सबसे चर्चित फिल्मों में गिनी जाती है। गौरतलब है कि इस फिल्म के साथ ही फिल्म की नायिका शालिनी पांडे के फिल्मी सफर के भी नौ साल पूरे हो गए हैं, क्योंकि इसी फिल्म के जरिए उन्होंने प्रीति के किरदार में अपना अभिनय करियर शुरू किया था। इस अवसर पर शालिनी ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा कर फिल्म और अपने डेब्यू को याद किया है। शालिनी ने ‘अर्जुन रेड्डी’ से अपनी एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा है, ‘यहीं से शुरुआत हुई थी। सब कुछ यहीं से शुरू हुआ था।’ इसी के साथ फिल्म और उनके किरदार को मिले अपार प्यार के लिए आभार जताते हुए उन्होंने आगे लिखा है, ‘हमें इतना प्यार देने के लिए धन्यवाद, और प्रीति को हमेशा के लिए अपने दिलों का हिस्सा बनाने के लिए भी धन्यवाद।‘

रातां कालियां के साथ शाज़ान ने बतौर सिंगर म्यूज़िक की दुनिया में रखा कदम

मुंबई एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीतने के बाद अब शाज़ान पदमसी ने म्यूजिक की दुनिया में भी अपना खूबसूरत कदम रख दिया है। उनका पहला ओरिजिनल सॉन्ग और डेब्यू सिंगल रातां कालियां अब रिलीज़ हो चुका है। स्क्रीन पर अपनी अलग पहचान बनाने वाली शाज़ान पदमसी अब अपनी आर्टिस्टिक जर्नी का एक नया रंग दर्शकों के सामने लेकर आई हैं।

रातां कालियां के साथ शाज़ान ने बतौर सिंगर अपनी शुरुआत की है और इस गाने के जरिए अपनी क्रिएटिविटी का एक बेहद पर्सनल और दिल के करीब वाला पहलू दुनिया के सामने रखा है। माइक्रोफोन के पीछे कदम रखते हुए शाज़ान के लिए यह एक एक्साइटिंग नए चैप्टर की शुरुआत है। शाज़ान के लिए रातां कालियां सिर्फ एक डेब्यू सिंगल नहीं है, बल्कि प्यार को समझने और महसूस करने की एक इमोशनल जर्नी है। गाना उस सफर को बयां करता है, जहां प्यार में भरोसा और सहारे की तलाश से शुरू होकर इंसान धीरे धीरे प्यार के असली और गहरे मायने समझता है। गाने की खूबसूरती इसी बात में है कि प्यार किसी खालीपन को भरने का नाम नहीं, बल्कि उस खास कनेक्शन का नाम है जहां आप खुद को पूरी तरह आज़ाद, सुरक्षित और असली रूप में महसूस कर सकें। अपने म्यूज़िकल डेब्यू पर बात करते हुए शाज़ान पदमसी कहती हैं, म्यूज़िक हमेशा से मेरे लिए एक्सप्रेशन का एक बेहद पर्सनल जरिया रहा है, इसलिए रातां कालियां बनाना मेरे लिए बहुत खास है। यह गाना एक बेहद ईमानदार जगह से आया है और यह दिखाता है कि समय के साथ प्यार को लेकर मेरी समझ कैसे बदली है। अब तक मैं ज्यादातर किसी और की कहानियों का हिस्सा रही हूं। लेकिन रातां कालियां अलग है, क्योंकि यह मेरी अपनी कहानी है, जो सीधे दिल से निकली है। पहली बार मैं सिर्फ एक आवाज़ या परफॉर्मर नहीं हूं, बल्कि अपनी जर्नी की स्क्रिप्ट खुद लिख रही हूं। अपनी जिंदगी, एक्सपीरियंस और दिल की सच्ची बातों को मैंने म्यूज़िक में पिरोया है। रातां कालियां के साथ शाज़ान पदमसी ने अपने क्रिएटिव सफर का एक नया दरवाज़ा खोला है, जहां उनकी आर्टिस्टिक सेंसिबिलिटी और म्यूज़िक के लिए प्यार एक बेहद इंटिमेट, ईमानदार और पर्सनल अंदाज़ में साथ आते हैं।

संक्षिप्त समाचार

चीन के सिचुआन प्रांत में लगे भूकंप के झटके

बीजिंग, एजेंसी। भूकंप के झटके बाद नेपाल में फ्लड फ्लैश से मची तबाही के बीच चीन में भूकंप के तेज झटके महसूस हुए हैं। चीन के सिचुआन प्रांत स्थित लॉन्गचांग शहर शुक्रवार को 5.1 तीव्रता का जोरदार भूकंप महसूस किया गया है। भूकंप के तेज झटकों से लोगों में दहशत फैल गई। चाइना अर्थक्वेक नेटवर्क्स सेंटर ने भूकंप की पुष्टि करते हुए बताया कि लॉन्गचांग शहर में 5.1 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। भूकंप का केंद्र लॉन्गचांग शहर बताया जा रहा है। भूकंप के झटके दर्ज किए जाने के बाद स्थानीय प्रशासन अलर्ट मोड पर है और प्रभावित इलाकों में स्थिति पर नजर रखी जा रही है। बता दें कि चीन में भूकंप की खबर ऐसे समय में आई है, जब पड़ोसी देश नेपाल पहले से ही बाढ़ और भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं से जूझ रहा है। ज्ञात हो कि चीन के सिचुआन प्रांत में पहले भी कई बार भूकंप आ चुके हैं, इसलिए यहां लोग भूकंप को लेकर हमेशा सतर्क रहते हैं। शुक्रवार को लगे भूकंप के झटके से फिलहाल किसी तरह के नुकसान या जनहानि को लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

पहली विदेश यात्रा पर भारत आएंगे पीएम बालेन शाह, नेपाली वित्त मंत्री का बड़ा एलान

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के वित्त मंत्री स्वर्णिम वागले ने गुरुवार को बताया कि पदभार संभालने के बाद नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह अपनी पहली विदेश यात्रा भारत की करेंगे। हालांकि, वागले ने अभी तारीख नहीं बताई, लेकिन वागले ने संकेत दिया है कि अगर सब कुछ तय कार्यक्रम के मुताबिक रहा तो शाह इस साल के अंत से पहले भारत आ सकते हैं। इस दौरान दौरान स्वर्णिम वागले ने नेपाल की अर्थव्यवस्था को 100 अरब डॉलर तक ले जाने के लक्ष्य, भारतीय और नेपाली रुपये की विनिमय दर, हालिया बाढ़ राहत कार्यों और प्रधानमंत्री बालेन शाह की कार्यशैली पर भी विस्तार से चर्चा की। वागले ने कहा, पदभार ग्रहण करने के बाद बालेन का पूरा ध्यान घरेलू मुद्दों पर ही केंद्रित था। हमारे शुरुआती 100 दिन 100 सूत्री एजेंडे पर केंद्रित रहे, जिसमें हमने खुद को 87.2 प्रतिशत अंक दिए हैं। उन्होंने आगे कहा, इसके बाद हमने प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं पर चर्चा शुरू की। मुझे पूरा विश्वास है कि उनकी पहली विदेश यात्रा भारत की ही होगी। हालांकि, तारीखों पर अभी फैसला होना बाकी है, लेकिन मुझे उम्मीद है कि यह दौरा इसी साल के अंत से पहले होगा। कार्यक्रम में मौजूद भारत की सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद रविशंकर प्रसाद ने इस घोषणा को बेहद महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, नेपाल और भारत के संबंधों की नींव इतनी मजबूत है कि इन्हें पासपोर्ट या सीमाओं में नहीं बांधा जा सकता। अगर आप वागले ने यह स्पष्ट किया है कि प्रधानमंत्री बालेन शाह की पहली विदेश यात्रा भारत की होगी, तो यह दर्शाता है कि भविष्य में दोनों देशों के रिश्ते किस सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ेंगे। यह सचमुच एक महत्वपूर्ण संदेश है। गौरतलब नेपाल में इसी साल मार्च महीने में हुए आम चुनाव में बालेन शाह के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने भारी जीत हासिल की। जिसके बाद बालेन शाह ने 27 मार्च 2026 को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली।

कनाडा को चिढ़ाने के चक्कर में फिर ट्रोल हुआ व्हाइट हाउस, उल्टा पड़ा बाज और हंस की फोटो का दांव

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और कनाडा के बीच चल रहे कूटनीतिक और व्यापारिक तनाव के बीच कनाडा को नीचा दिखाने के लिए एक बाज द्वारा कनाडाई हंस को दबोचने की फोटो पोस्ट की, जिसमें एक अमेरिकी बाज (गंजा बाज) कनाडाई हंस को दबोचे हुए दिख रहा है। व्हाइट हाउस ने इसे अमेरिकी ताकत का प्रतीक बनाकर शेयर किया, लेकिन यह कूटनीतिक दांव उल्टा पड़ गया। क्योंकि जिस वीडियो से यह तस्वीर ली गई थी, उसमें अंततः कनाडाई हंस ने ही पलटवार कर बाज को खदेड़ दिया था। दरअसल, व्हाइट हाउस द्वारा शेयर की गई तस्वीर का मकसद यह था कि अमेरिका एक शक्तिशाली बाज की तरह हावी है और कनाडा की बत्तख हार मान चुकी है। हालांकि, गोवा के एक प्रवासी द्वारा रिकॉर्ड किए गए मूल फुटेज ने इस कहानी का पूरा पासा ही पलट दिया। बर्फ पर करीब 20 मिनट तक चले इस हवाई संघर्ष में कनाडाई बत्तख ने ऐसा पलटवार किया कि अंततः अमेरिकी गंजे बाज को हार मानकर वहां से उड़ना पड़ा। यह अद्भुत दृश्य 23 फरवरी 2025 को ओंटारियो के बर्लिंगटन में मर्विन सेक्वेरा ने अपने कैमरे में कैद किया था। मूल रूप से गोवा के रहने वाले मर्विन कनाडा बसने के बाद एक उत्साही वन्यजीव फोटोग्राफर बन गए हैं। घटना की जानकारी देते हुए मर्विन सेक्वेरा ने ग्लोबल न्यूज को बताया कि उन्होंने बाज को हंस पर बार-बार हमला करते देखा था।

नेपाल की प्रलयंकारी बाढ़ में अपनों की तलाश, फोन की घंटी बजने के इंतजार में कटी परिजनों की रातें

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल-तिब्बत सीमा पर रसुवा जिले में संदिग्ध ग्लेशियर फटने से आई प्रलयंकारी बाढ़ ने एक पवित्र यात्रा को भीषण त्रासदी में बदल दिया है। भोटे कोशी और त्रिशूली नदी प्रणालियों में मलबे व पत्थरों के तेज बहाव से मची तबाही इतनी भयंकर थी कि भूकंपीय मॉनिटरों पर भी कुछ पल के लिए हलचल दर्ज की गई। इस भीषण प्राकृतिक आपदा ने न केवल स्थानीय लोगों को, बल्कि सात समंदर पार अमेरिका में बसे भारतीय-अमेरिकी परिवारों को भी असहनीय इंतजार और गहरे संकट में धकेल दिया है।

इस हिमालयी तबाही ने नेपाल में कितना नुकसान पहुंचाया है : नेपाल के राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरआरएमए) की छठी स्टेटस रिपोर्ट के अनुसार, भोटे कोशी बाढ़ के बाद अब तक 389 शव बरामद किए जा चुके हैं और 977 लोग अब भी लापता हैं। लापता लोगों में नेपाली सेना, पुलिस व आव्रजन विभाग के 105 सुरक्षाकर्मियों के साथ 517 विदेशी नागरिक और विदेशों में रहने वाले 127 नेपाली शामिल हैं। इस अचानक आई भीषण बाढ़ की आपदा में 73 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, और परिवहन से लेकर बिजली व संचार के बुनियादी ढांचे को भारी क्षति पहुंची है।

अपनों की तलाश में भटक रहे परिवारों पर क्या गुजर रही है : अमेरिका में रह रहे कई भारतीय-अमेरिकी परिवार इस समय गहरे मानसिक आघात और अपनों की खोज में पल-पल तड़प रहे हैं। न्यूयॉर्क के शशिधरन श्रीधरन की पत्नी रेखा और 14 वर्षीय बेटी राशि कैलाश मानसरोवर यात्रा पूरी कर बुधवार को नेपाल लौटने वाली थीं, लेकिन तभी यह आपदा आ गई। श्रीधरन ने इसे अपने जीवन के सबसे बुरे 48 घंटे बताया है। इसी तरह वर्जीनिया के व्हीलिंग रंगू अपने पिता और डॉ. राधिका शर्मा अपने बुजुर्ग माता-पिता (65 वर्षीय रमेश शर्मा और 64 वर्षीय नीलम शर्मा) की सुरक्षित वापसी के लिए गुहार लगा रही हैं। न्यूयॉर्क में नेपाल के महावाणिज्य दूत दधिराम भंडारी ने बताया कि उन्होंने 25 से अधिक लापता अमेरिकी नागरिकों (जिनमें से अधिकांश भारतीय मूल के हैं) की सूची नेपाल के विदेश मंत्रालय को भेजी है। राहत और बचाव के लिए जमीनी स्तर पर क्या कदम उठाए जा रहे हैं? नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह के अनुसार स्थिति बेहद चुनौतीपूर्ण है और पूरी सरकारी मशीनरी खोज और बचाव में जुटी है। खोज अभियान में 13,295 सुरक्षाकर्मियों और 15 हेलीकॉप्टरों को लगाया गया है। इनकी मदद से अब तक 1,976 लोगों को सुरक्षित निकाला जा चुका है। नेपाल सरकार ने प्रभावित क्षेत्रों के राहत कार्य के लिए तत्काल 2.5 करोड़ नेपाली रुपये (एनपीआर) भेजे हैं। इसके साथ ही, नेपाल के विदेश मंत्रालय ने प्रभावित विदेशियों की मदद और समन्वय के लिए एक आपातकालीन नियंत्रण कक्ष (ईसीआर) स्थापित किया है। लापता भारतीयों की तलाश और सामाजिक संगठनों की क्या भूमिका है? भारतीय विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के अनुसार, अब तक 84 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित बचाया जा चुका है। इनमें त्रिशूली-ढ्ढ परियोजना में कार्यरत 63 भारतीय कर्मचारी और कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए तमिलनाडु के 21 तीर्थयात्री शामिल हैं। इस संकट में जयपुर फुट यूएसए जैसे संगठनों के नेता प्रेम भंडारी ने एक हेल्पलाइन नंबर जारी किया है जो चौबीसों घंटे काम कर रहा है। वहीं, अध्यात्मिक गुरु स्वामी अवधेशानंद गिरि ने न्यूयॉर्क में राहत कार्यों की समीक्षा की और नेपाल को सहायता की पेशकश के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संवेदनशीलता की सराहना की। यह त्रासदी दिखाती है कि प्रकृति के रौद्र रूप के सामने मानवीय तंत्र कितने लाचार हो जाते हैं। फिलहाल, भारत, अमेरिका और नेपाल की सरकारें प्रभावितों तक पहुंचने की हरसंभव कोशिश कर रही हैं। मलबे के बीच अपनों को सुरक्षित ढूंढने की यह जंग जारी है, और उनके परिवार इस उम्मीद में फोन थामे बैठे हैं कि जल्द ही कोई अच्छी खबर मिलेगी।

नेपाल की बाढ़ के बीच चीन के हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स पर उठे सवाल, वायरल वीडियो ने खोली पोल : काठमांडू, बीजिंग, एजेंसी। नेपाल में हाल ही में आई भीषण बाढ़ के बीच चीन द्वारा बनाए जा रहे हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। बाढ़ से ठीक कुछ दिन पहले सामने आए एक ब्लॉगर के वीडियो ने इन परियोजनाओं की पोल खोलकर रख दी है। दरअसल, नेपाल में आई भयानक बाढ़ आने से कुछ दिन पहले, एक ब्लॉगर ने नेपाल की तरफ़ बन रहे चीन के बड़े हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स का वीडियो बनाया था। व्लॉगर ने नेपाल की ओर निर्माणाधीन विशाल चीनी जलविद्युत परियोजनाओं का दस्तावेजीकरण किया था।

यूएन में भारत की दो-टूक: यूएन 80 पहल में विकास सर्वोच्च प्राथमिकता हो

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत हरिष परवथानेनी ने बुधवार को यूएनडीपी प्रशासक के साथ संवाद किया। उन्होंने यूएनडीपी/यूएनएफपीए/ यूएनओपीएस कार्यकारी बोर्ड के दूसरे सत्र को संबोधित किया। परवथानेनी ने कहा कि भारत यूएन80 पहल में विकास स्तंभ को सर्वोच्च प्राथमिकता मानता है। भारत संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की संरचनाओं, कार्यबल और संचालन मॉडल को वर्तमान वास्तविकताओं के साथ संरेखित करने का समर्थन करता है। उन्होंने मौजूदा प्रणालियों में अनावश्यक बदलावों के प्रति आगाह किया। परवथानेनी ने कहा, हमें ऐसी चीज को ठीक करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए जो खराब नहीं है। भारत ने राष्ट्रीय स्वामित्व और देश-नेतृत्व वाले विकास मार्गों के महत्व पर जोर दिया। भारत का तर्क है कि समाधान बाहर से थोपे नहीं जाने चाहिए।

राष्ट्रीय प्राथमिकताएं और बहुपक्षीय सहायता : भारत समग्र, समावेशी और टिकाऊ आर्थिक वृद्धि मॉडल का पक्षधर है। यह राष्ट्रीय स्वामित्व और देश-नेतृत्व वाले विकास मार्गों पर केंद्रित है। भारत मानता है कि समाधान बाहर से तय नहीं होने चाहिए। इसके बजाय, उन्हें सदस्य देशों द्वारा पेश किया जाना चाहिए और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं, क्षमताओं व परिस्थितियों से प्रेरित होना चाहिए। परवथानेनी ने जोर दिया कि साझेदार देशों की विकास प्राथमिकताओं का सम्मान हो। बहुपक्षीय सहायता उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप रहनी चाहिए।

यूएनडीपी के साथ भारत का सहयोग : भारतीय राजदूत ने यूएनडीपी के साथ भारत के सहयोग को रेखांकित किया। भारत इंडिया-संयुक्त राष्ट्र विकास साझेदारी कोष और भारत-ब्राजील-दक्षिण अफ्रीका (इब्सा) कोष के माध्यम से संगठन के साथ काम कर रहा है। इन कोषों से भारत ने डिजिटल बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य और जलवायु लचीलेपन के लिए 150 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक दिए हैं। सबसे कम विकसित देशों (एलडीसी) और छोटे द्वीप विकासशील देशों (एसआईडीएस) पर विशेष ध्यान है। ये पहल दक्षिण-दक्षिण सहयोग को दर्शाती हैं। यह विकासशील देशों को ज्ञान साझा करने, क्षमताएं जोड़ने, संसाधन जुटाने और बेहतर शर्तों पर पूंजी पाने में मदद करता है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र विकास प्रणाली के वित्तपोषण पर चिंता व्यक्त की, खासकर मुख्य वित्तपोषण में गिरावट पर। पारवथानेनी ने यूएनडीपी के लिए भारत की लगातार मुख्य योगदानकर्ता की भूमिका दोहराई।

रूसी बमबारी से दहली यूक्रेन की अर्थव्यवस्था

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष अब एक नए विनाशकारी आर्थिक मोर्चे पर पहुंच गया है। गुरुवार सुबह राजधानी कीव समेत नौ यूक्रेनी शहरों पर रूस ने मिसाइलों और ड्रोन की भीषण बारिश कर दी। साढ़े चार साल से जारी इस युद्ध में यह हमला न सिर्फ सैन्य ठिकानों पर, बल्कि यूक्रेन के निजी व्यवसायों और समग्र अर्थव्यवस्था को पंगु बनाने के इरादे से किया गया था। इस हमले में आम नागरिकों की जान जाने के साथ-साथ यूक्रेन की बिजली प्रणालियों, अनाज निर्यात बंदरगाहों और बड़े व्यापारिक गोदामों को भारी क्षति पहुंची है। रूस अब यूक्रेन के आर्थिक तंत्र को सीधी चोट पहुंचाने की नीति पर काम कर रहा है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने इसे तेल रिफाइनरियों, लॉजिस्टिक्स हब और बंदरगाहों जैसे सैन्य-औद्योगिक ठिकानों पर कार्रवाई बताया। लेकिन असल चोट यूक्रेन के निजी व्यापार को लगी है। रूसी ड्रोन हमलों ने तीन बड़े वितरण केंद्रों को निशाना बनाकर खिलौनों की एक स्टोर चेन और एक चॉकलेट कंपनी के विशाल गोदामों को तबाह कर दिया, जबकि एक इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर का डिपो क्षतिग्रस्त हो गया। दरअसल, यूक्रेन के हालिया लंबी दूरी के ड्रोन हमलों से रूस को वित्तीय मुश्किलें हुई थीं, जिससे नाराज होकर रूस ने यूक्रेनी निजी उद्योगों पर यह हमला किया है। यूक्रेनी सेना ने भी रूस के आर्थिक हितों पर सीधे हवाई हमले तेज कर दिए हैं। यूक्रेन लगभग हर रात रूसी सीमा के भीतर सैकड़ों लंबी दूरी के ड्रोन दाग रहा है। हाल ही में रूस की सबसे बड़ी ई-कॉमर्स कंपनी वाइल्डबेरीज के गोदामों को तबाह करने के बाद यूक्रेनी ड्रोनों ने रूस की दूसरी सबसे बड़ी ऑनलाइन रिटेलर कंपनी ओजोन को अपना निशाना बनाया है। ओजोन के उफा स्थित लॉजिस्टिक्स केंद्र पर सीधा हमला किया गया, जबकि ऑरेनबर्ग सुविधा को सतर्कता चेतावनी के बाद खाली कराना पड़ा। उधर, रूसी हवाई सुरक्षा प्रणालियों ने विभिन्न क्षेत्रों में यूक्रेन के 267 ड्रोनों को मार गिराने का दावा किया है। इस बमबारी ने यूक्रेन के नागरिक और आर्थिक बुनियादी ढांचे को गंभीर नुकसान पहुंचाया है। ओडेसा के बंदरगाह क्षेत्र में हुए सात घंटे लंबे हमले में एक विशाल अनाज गोदाम (ग्रेन एलीवेटर) क्षतिग्रस्त हो गया, जो यूक्रेन के अनाज निर्यात के लिए महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, भीषण ठंड से पहले बिजली ग्रिड को ठप करने की नीयत से दागे गए चार ग्लाइड बमों ने खेरसॉन के एक प्रमुख संयंत्र के जनरेटरों को नष्ट कर दिया, जिससे नाफ्तोगाज को प्लांट बंद करना पड़ा।

ट्रंप के डाक मतदान पर संकट: अमेरिकी कोर्ट ने आदेश पर फिर लगाई रोक

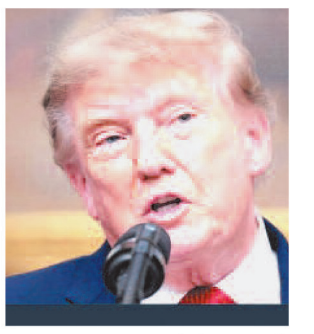

वाशिंगटन, एजेंसी। एक संघीय न्यायाधीश ने गुरुवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक कार्यकारी आदेश को लागू करने की कोशिशों पर रोक लगा दी। इस आदेश में डाक मतदाता को सीमित किया गया था। इस कदम ने उस आदेश को दूसरी बार रोक दिया। यह सब तब हुआ जब मध्यावधि चुनावों के लिए पहला डाक बैलेट भेजे जाने में बस एक हफ्ता ही बचा था। अमेरिकी जिला अदालत की न्यायाधीश इंदिरा तलवानी ने सरकार को दो हफ्ते तक इस आदेश को लागू करने से रोक दिया।

सुप्रीम कोर्ट में क्यों अपील किया जा सकता है: इस मामले को जल्द ही सुप्रीम कोर्ट में अपील के लिए वापस भेजा जा सकता है, क्योंकि कुछ ही दिन पहले न्यायाधीशों ने एक प्रक्रियात्मक निर्णय सुनाते हुए तलवानी के उस पूर्व के फैसले को रद्द कर दिया था जिसने ट्रंप के आदेश को प्रभावी होने से रोक दिया था।

हाई कोर्ट ने पहले फैसला क्यों नही सुनाया : गुरुवार को आया यह फैसला डेमोक्रेट्स और मतदान अधिकार समूहों ने हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का पालन करने के लिए अपने मुकदमों को फिर से दायर किया। उच्च न्यायालय के रूढ़िवादी बहुमत ने ट्रंप के कार्यकारी आदेश की वैधता पर फैसला नहीं सुनाया, बल्कि यह कहा कि इसके खिलाफ कानूनी चुनौतियां हैं। जिनके कारण तलवानी ने शुरू में इसे रोक दिया था। इसे बहुत जल्दबाजी में दायर की गई थीं। नए औपचारिक नियम में क्या है? अब प्रशासन ने एक औपचारिक नियम जारी किया है, जो यह तय करेगा कि क्या अमेरिका डाक सेवा राज्यों के मेल बैलेट पहुंचाएगी या नहीं। इससे कानूनी लड़ाई फिर से शुरू हो गई है। उतार-चढ़ाव भरी इस कानूनी लड़ाई का मध्यावधि चुनावों पर बड़ा असर पड़ेगा। लगभग एक-तिहाई अमेरिकी डाक से वोट करते हैं। वहीं, चुनाव अधिकारियों का कहना है कि डाक सेवा के नए निर्देशों के मुताबिक अपने सिस्टम में बदलाव करने के लिए उनके पास पर्याप्त समय नहीं है। डाक सेवा का कहना है कि वह डाक मतपत्रों तब तक डिलीवर नहीं करेगी, जब तक राज्य उन मतदाताओं की सूची नहीं देते, जिन्हें ये बैलेट मिलने चाहिए और लिफाफों को एक खास तरीके से तैयार नहीं करते। तलवानी ने गुरुवार को लिखा, मुकदमा करने वाले राज्यों के पास मिडटर्म चुनाव से पहले नए मेल बैलेट डिजाइन करने, नए डिजाइनों को मंजूरी दिलाने, मेल बैलेट के उत्पादन का ऑर्डर देने। अपने चुनाव प्रबंधन सिस्टम को अपडेट करने, यूएसपीएस पोर्टल का इस्तेमाल करने के लिए चुनाव अधिकारियों को ट्रेनिंग देने और पोर्टल पर नागरिकों का डेटा अपलोड करने के लिए न तो समय है और न ही फंड। इस मामले की सुनवाई 3 सितंबर को होनी है। डेमोक्रेट और मतदान अधिकार समूह का क्या कहना है? डेमोक्रेट और मतदान अधिकार समूह इस मांग को असंवैधानिक बताते हैं। उनका कहना है कि संविधान राज्यों और कुछ मामलों में कांग्रेस को चुनाव नियम बनाने का अधिकार देता है, न कि राष्ट्रपति या डाक सेवा को। इसी तर्क के आधार पर अदालतों ने ट्रंप के पहले कार्यकारी आदेश को रोक दिया था, जो पिछले साल जारी किया गया था और जिसमें चुनाव प्रक्रियाओं को बदलने की मांग की गई थी, जैसे कि पंजीकरण के लिए नागरिकता के दस्तावेजी प्रमाण की आवश्यकता। राष्ट्रपति लंबे समय से डाक मतदान को निशाना बनाते रहे हैं, जिसके लिए वे झूठा आरोप लगाते हैं कि उन्हें 2020 के चुनाव में हार का सामना करना पड़ा, ब्रूकिंग्स इंस्टीट्यूशन द्वारा 2025 में प्रकाशित एक रिपोर्ट में पाया गया कि डाक द्वारा डाले गए प्रत्येक 10 मिलियन मतपत्रों में से केवल लगभग चार मामलों में ही धोखाधड़ी हुई थी।

भारत-कनाडा बातचीत: द्विपक्षीय निवेश संधि पर वार्ता को हरी झंडी, 2030 तक 4.65 लाख करोड़ के कारोबार का लक्ष्य

टोरंटो, एजेंसी। भारत और कनाडा के बीच आर्थिक संबंधों में नया अध्याय जुड़ रहा है। नई दिल्ली में मार्च 2026 में दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों की बैठक की प्रतिबद्धताओं को आगे बढ़ाते हुए दोनों देशों के वित्त मंत्रियों के बीच पहली आर्थिक और वित्तीय वार्ता संपन्न हुई। बैठक के बाद भारत ने कनाडा के साथ जल्द से जल्द द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) पर बातचीत शुरू करने की इच्छा जताई है। यह रणनीतिक कदम निवेश संबंधों को मजबूत करेगा और वर्ष 2030 तक आपसी व्यापार को 70 अरब कनाडाई डॉलर यानी करीब 4.65 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त करेगा। इस वार्ता का मुख्य ध्यान दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाना और निवेश को नई ऊंचाइयों पर ले जाना रहा। दोनों पक्षों ने वर्ष 2030 तक आपसी व्यापार को बढ़ाकर 70 अरब कनाडाई डॉलर (करीब 4.65 लाख करोड़ रुपये) तक पहुंचाने के संकल्प को दोहराया है। यह महत्वपूर्ण कदम मार्च 2026 में नई दिल्ली में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई बैठक की प्रतिबद्धताओं पर आधारित है। दोनों पक्षों ने वर्ष 2026 के अंत तक कनाडा-भारत व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) वार्ता को पूरा करने की प्रतिबद्धता जताई है। वित्त मंत्रियों- निर्मला सीतारमण और फ्रांसिस-फिलिप शैम्पेन ने वैश्विक आर्थिक परिदृश्य और अपनी घरेलू नीतिगत प्राथमिकताओं पर चर्चा की। वार्ता में भारतीय बाजार में कनाडाई पेंशन फंडों की बड़ी मौजूदगी को रेखांकित किया गया और वित्तीय संस्थानों के बीच साझेदारी बढ़ाने पर बात हुई। दोनों पक्षों ने निवेशकों के लिए स्थिर और निश्चित घरेलू कर कानूनों की आवश्यकता को महत्वपूर्ण माना। संवाद में भुगतान प्रणालियों के आधुनिकीकरण, वित्तीय स्थिरता, फिनटेक इनोवेशन और वित्तीय अपराधों से निपटने पर सहयोग की रूपरेखा तैयार की गई। इसमें सबसे बड़ा कदम कनाडा में भारत के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के विस्तार का स्वागत करना है। इसके लिए स्थानीय भुगतान सेवा प्रदाताओं के साथ साझेदारी की जाएगी, जिससे सीमा पार प्रेषण (रेमिटेंस) तेज और सस्ता होगा। इसका लाभ दोनों देशों के बीच पर्यटन, शिक्षा, व्यापार और छोटे व मध्यम स्तर के उद्यमों (एमएसएमई) को मिलेगा।

व्हाइट हाउस में निर्माण बना सुरक्षा में रोड़ा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हेलीकॉप्टर मरीन वन और एक यात्री विमान के बीच इस महीने हुई करीबी घटना में व्हाइट हाउस में चल रहे निर्माण कार्य की भूमिका सामने आई है। संघीय जांचकर्ताओं के मुताबिक, निर्माण के कारण मरीन वन के रेडियो संचार में दिक्कत आ गई थी। इसी वजह से एयर ट्रैफिक कंट्रोलर हेलीकॉप्टर के उड़ान भरने से तीन मिनट पहले दी जाने वाली जरूरी चेतावनी नहीं सुन पाए। इसके बाद उन्होंने एक यात्री विमान को उड़ान भरने की अनुमति दे दी। यह घटना 4 अगस्त को वॉशिंगटन के रोनाल्ड रीगन वॉशिंगटन नेशनल एयरपोर्ट के पास हुई थी। उस समय ट्रंप को लेकर मरीन वन उड़ान भरने वाला था और दूसरी तरफ एनवॉय एयर का एक यात्री विमान टेकऑफ के लिए तैयार था। दोनों विमान कुछ समय के लिए काफी करीब आ गए थे। मामले में ह्ज्ञस्क्की जांच अभी जारी है और मौजूदा रिपोर्ट को प्रारंभिक रिपोर्ट माना जा रहा है।

पहले से सामने आ चुकी थी रेडियो की समस्या : राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड की प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, घटना से करीब एक सप्ताह पहले एयर ट्रैफिक कंट्रोलर और मरीन वन के पायलटों के बीच बैठक हुई थी। इसमें पायलटों ने बताया था कि उड़ान से पहले दी जाने वाली सामान्य तीन मिनट की चेतावनी कंट्रोल टावर तक नहीं पहुंच रही थी। दोनों पक्षों ने तय किया था कि अगर रेडियो संपर्क में दोबारा समस्या आई तो किसी दूसरे व्यक्ति या स्थान के जरिए यह संदेश कंट्रोलरों तक पहुंचाया जाएगा। लेकिन 4 अगस्त को यह वैकल्पिक व्यवस्था भी काम नहीं कर सकी। मरीन वन के पायलटों ने तीन मिनट पहले उड़ान की सूचना देने की कोशिश की थी, लेकिन रीगन एयरपोर्ट के कंट्रोलरों ने वह संदेश नहीं सुना।

कंट्रोलर को नहीं मिली जानकारी, यात्री विमान को मिली उड़ान की अनुमति : मरीन वन के पायलट ने रेडियो पर बताया था कि हेलीकॉप्टर तीन मिनट में उड़ान भरेगा। लेकिन एयरपोर्ट के आधिकारिक कंट्रोल रिकॉर्डिंग में यह चेतावनी दर्ज नहीं हुई। इसके चलते कंट्रोलर को यह पता नहीं था कि राष्ट्रपति का हेलीकॉप्टर उड़ान भरने वाला है। इसलिए उन्होंने यात्री विमान को टेकऑफ की अनुमति दे दी। कुछ ही देर बाद कंट्रोलर को पता चला कि मरीन वन भी उड़ान भर रहा है। उन्होंने हेलीकॉप्टर के पायलट को यात्री विमान के बारे में चेतावनी दी। मरीन वन के पायलटों ने भी विमान को देख लिया और सुरक्षित दूरी बनने तक कुछ समय के लिए अपनी उड़ान रोक दी। शुरुआती अनुमान के मुताबिक, दोनों विमान अपने सबसे नजदीकी बिंदु पर करीब 0.8 मील (1.3 किलोमीटर) की क्षैतिज दूरी और लगभग 700 फीट (215 मीटर) की ऊंचाई के अंतर पर थे। यात्री विमान के चालक दल को उड़ान भरने के तुरंत बाद अपने विमान के टकराव-रोधी सिस्टम से चेतावनी मिली थी। हालांकि, चालक दल ने हेलीकॉप्टर को अपनी आंखों से नहीं देखा।

ट्रंप खुद अपने सबसे अच्छे प्रवक्ता: कैरोलिन लेविट की उत्तराधिकारी को सलाह, व्हाइट हाउस प्रवक्ता पद से विदा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की निवर्तमान व्हाइट हाउस प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने अपने आखिरी दिन अपने काम की व्यस्तता का जिक्र करते हुए कहा कि टेलीविजन पर दिखाई देने वाली प्रेस ब्रीफिंग उनके काम का केवल 10 प्रतिशत हिस्सा है, जबकि 90 प्रतिशत काम पत्रकारों के फोन कॉल का जवाब देने में जाता है। लेविट ने कहा, लोग यह नहीं समझते कि इस नौकरी में ब्रीफिंग और टीवी पर मैंने जो किया, वह 10 प्रतिशत है। 90 प्रतिशत काम सुबह पांच बजे और रात 11 बजे तक आपके सभी फोन कॉल लेने का है। उन्होंने कहा कि उन्हें इस हिस्से की कमी महसूस नहीं होगी, लेकिन पत्रकारों के साथ रोजाना काम करने की याद आएगी।

लेविट ने अपने उत्तराधिकारी को क्या दी सलाह : इस दौरान कैरोलिन लेविट ने अपने उत्तराधिकारी को सलाह देते हुए कहा कि इस पद पर सबसे महत्वपूर्ण बात यह समझना है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खुद अपने सबसे अच्छे प्रवक्ता हैं। लेविट ने आगे कहा कि व्हाइट हाउस के संचार निदेशक स्टीवन चिउंग और वह अक्सर मजाक करते थे कि ट्रंप ही व्हाइट हाउस के असल कम्युनिकेशन डायरेक्टर और प्रेस सेक्रेटरी हैं। कैरोलिन लेविट ने 27 अगस्त को व्हाइट हाउस प्रेस सचिव के रूप में अपना आखिरी दिन पूरा किया। वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन में इस पद पर रहने वाली सबसे कम उम्र की प्रेस सचिव थीं। उन्होंने परिवार और अपने छोटे बच्चों के साथ अधिक समय बिताने के लिए पद छोड़ने का फैसला किया है। हालांकि, वह ट्रंप के बाहरी सलाहकार के तौर पर काम करती रहेंगी।

राष्ट्रपति ट्रंप ने की जमकर तारीफ : कैरोलिन लेविट इस पद पर रहने वाली 36वीं प्रेस सचिव थीं। लेविट ने अपने कार्यकाल के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी अमेरिका फर्स्ट नीति का मजबूती से बचाव किया। व्हाइट हाउस ने उनके कार्यकाल के कई चर्चित पलों को याद करते हुए उनकी पत्रकारों के साथ तीखी बहस और सरकार की नीतियों के बचाव का जिक्र किया। वहीं, राष्ट्रपति ट्रंप ने लेविट को व्हाइट हाउस प्रेस सचिवों के इतिहास में सर्वश्रेष्ठ में से एक बताया।

पत्रकारों से तीखे सवाल-जवाब : लेविट कई बार पत्रकारों के साथ तीखे सवाल-जवाब को लेकर चर्चा में रहीं। एक मौके पर उन्होंने एक पत्रकार से कहा, आप लेफ्ट-विंग हैक हैं। आप पत्रकार नहीं हैं। वहीं, एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, क्या बेवकूफी भरा सवाल है। उन्होंने ट्रंप प्रशासन की आव्रजन नीति का भी बचाव किया और अवैध तरीके से अमेरिकी कानून तोड़ने वाले प्रवासियों को अपराधी बताया। अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी को लेकर उन्होंने डेमोक्रेट्स और मुख्यधारा के मीडिया पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा और अमेरिकी सैनिकों के मुद्दे पर उन्हें भाषण देने की जरूरत नहीं है।

फ्रांस और स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी पर भी दिया था बयान : विदेश नीति के मुद्दों पर भी लेविट के बयान चर्चा में रहे। फ्रांस के एक राजनेता की स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी से जुड़ी टिप्पणी पर जवाब देते हुए उन्होंने कहा था कि आज फ्रांस के लोग जर्मन भाषा नहीं बोल रहे हैं तो इसकी वजह अमेरिका है। उन्होंने डेमोक्रेट्स और मुख्यधारा के मीडिया पर ट्रंप प्रशासन के खिलाफ गलत सूचना फैलाने का आरोप भी लगाया। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा और डेमोक्रेटिक पार्टी के शासन वाले अमेरिकी शहरों में अपराध को लेकर भी उन्होंने बयान दिए। लेविट ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के स्वास्थ्य और उनकी काम करने की क्षमता को लेकर भी पूर्व प्रशासन और मीडिया पर सवाल उठाए थे। उन्होंने इसे अमेरिका के इतिहास के सबसे बड़े कवरअप और राजनीतिक घोटालों में से एक बताया था।

ट्रंप पर हमले के बाद टाली थी मैटरनिटी लीव : लेविट ने ट्रंप पर हुए हत्या के प्रयास के बाद अपनी मैटरनिटी लीव भी कुछ समय के लिए टाल दी थी। उन्होंने कहा था कि उन्हें लगा था कि वह आखिरी बार सवालों का जवाब दे रही हैं, लेकिन राष्ट्रपति पर हमले के बाद उन्हें लगा कि प्रेस के सवालों का जवाब देने के लिए व्हाइट हाउस में रहना जरूरी है। अपने कार्यकाल में लेविट ने नए मीडिया संस्थानों और पत्रकारों को भी व्हाइट हाउस ब्रीफिंग रूम में जगह दी। उन्होंने कहा था कि ट्रंप का संदेश हर जगह पहुंचाना उनकी टीम के लिए जरूरी है। इस बीच ट्रंप ने नए प्रेस सचिव को लेकर एक संभावित नाम की ओर इशारा किया है। हाल ही में फॉक्स न्यूज की संवाददाता एलेक्सिस मैकएडम्स ने ट्रंप से पूछा कि लेविट की जगह कौन ले सकता है। ट्रंप ने मजाकिया अंदाज में मैकएडम्स से ही पूछा, आप? इसके बाद उन्होंने कहा, आप कैसी रहेंगी? ट्रंप ने मैकएडम्स के काम की भी तारीफ की और कहा कि उन्हें वह हमेशा पसंद रही हैं।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.